जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 | वर्षः 30 | संख्याः 77 | प्रभात | अजमेर, गुरूवार 16 अक्टूबर, 2025 | आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

जदयू ने भाजपा को चुनौती/धमकी दी कि नीतीश को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करें अन्यथा ....

जदयू की अप्रत्यक्ष धमकी यह है कि अगर चुनाव के नतीजों तक का इन्तजार करेगी भाजपा तो उस समय तो सभी स्वतंत्र होंगे नई परिस्थितियों में नए समीकरण ढूंढने के लिये

- यह उल्लेखनीय है कि जदयू ने यह धमकी देने के लिए शायद राजनीतिक कारणों से प्रेस कॉन्फ्रेंस का रास्ता नहीं चुना है।
- पर जदयू के खेमे में इस मुद्दे पर कई सप्ताह से बहस छिड़ी हुई है कि भाजपा सुनियोजित तरीके से काफी अरसे से नीतीश कुमार को कमज़ोर करना चाहती है।
- यह भी महसूस किया जा रहा है कि भाजपा में काफी हिचकिचाहट है नीतीश को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने के बारे में।
- जदयू के कार्यकर्ता और नेता यह मानते हैं कि भाजपा का प्रयत्न है कि एनडीए के अन्य छोटे घटकों को, नीतीश को कमज़ोर करके पनपाया जाये।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। बिहार में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के भीतर की खामोशी बुधवार को उस समय और गहरा गई, जब जनता दल (यूनाइटेड) जेडीयू ने अपने बड़े सहयोगी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को खुली चुनौती देते हुए कहा कि वह नीतीश कुमार को एनडीए का मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करे।

जेडीयू नेताओं ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हाशिये पर धकेलने और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान जैसे अन्य सहयोगियों को टिकट वितरण में बढ़ावा देने की सुनियोजित कोशिश कर रही है।

पार्टी के सूत्रों ने बताया कि हालांकि जेडीयू ने यह मांग औपचारिक रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस में नहीं उठाई, लेकिन भाजपा के बढ़ते दबदबे को लेकर पार्टी के भीतर कई हफ्तों से यह चर्चा चल रही थी। ताज़ा विवाद उस समय भड़का, जब भाजपा नीतीश कुमार को बिहार चुनाव अभियान में मुख्यमंत्री पद का निर्विवाद चेहरा घोषित करने की अनिच्छुक नज़र आई।

जेडीयू के वरिष्ठ एमएलसी और प्रवक्ता नीरज कुमार ने तीखे शब्दों में कहा, "भाजपा यह तय नहीं कर सकती कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। हमारे लिए यह सवाल बेमानी है, क्योंकि हम कई बार दोहरा चुके हैं कि नीतीश कुमार ही राज्य के निर्विवाद नेता हैं। अपने संन्यास या उत्तराधिकारी के बारे में फैसला केवल वही करेंगे।"

नीरज कुमार के ये बयान इस बात की ओर इशारा करते हैं कि जेडीयू में भाजपा की हाल की चुनावी रणनीतियों को लेकर नाराज़गी बढ़ रही है, जिन्हें नीतीश कुमार को दरकिनार करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

भाजपा की छोटी पार्टियों से नज़दीकी और टिकट वितरण पर उसके नियंत्रण ने जेडीयू नेताओं में असंतोष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर सेशन कोर्ट में बम की सूचना से अफरातफरी मची

जयपुर, 15 अक्टूबर। बनीपार्क स्थित जयपुर सेशन कोर्ट में बुधवार सुबह बम होने की सूचना से हड़कम्प मच गया और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कोर्ट परिसर में सर्च अभियान शुरु किया, जिसमें बम निरोध दस्ता और डॉग स्क्वॉड टीम ने पूरी बिल्डिंग को खाली करवाते हुए चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। पुलिस के सर्च अभियान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर प्रशासन ने राहत की सांस ली।

- बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड टीम ने कोर्ट परिसर खाली कराके चप्पे-चप्पे की तलाशी ली।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि बुधवार सुबह सेशन कोर्ट परिसर में स्थित चौथे माले की पोक्सो कोर्ट को एक ईमेल आया, जिसमें लिखा था कि कोर्ट परिसर में बम लगाया हुआ है। कोर्ट रीडर ने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को इसकी जानकारी दी। इसके बाद सभी टीमें मौके पर पहुंचीं और कोर्ट परिसर को खाली कराया गया। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की टीमें मौके पर पहुंचीं और कोर्ट परिसर की कोने-कोने की जांच की। इस दौरान अतिरिक्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश ने पासवान से पांच सीटें वापस खींच लीं

नीतीश ने इन पांचों सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिये और इन सीटों पर बातचीत का स्कोप ही खत्म कर दिया

- नीतीश इस बात से परेशान व कुपित थे कि सीट शेयरिंग समझौते के तहत चिराग पासवान को वो सीटें अलॉट की गई थीं जिन पर जदयू के उम्मीदवार पिछले चुनावों में जीत कर आए थे।
- यह पांच सीटें हैंः मोरवा सोनबरसा, राजगीर, गायघाट व मटिहानी।
- गत लोकसभा चुनावों में चिराग पासवान की पार्टी ने पांच सीटों पर चुनाव लड़ा था और पांचों में जीतकर आई थी, अतः इस बार चिराग सीटों के बंटवारे पर भारी दबाव बना सके थे और उन सीटों पर भी दावा ठोक दिया था जो परंपरागत रुप से जदयू की मानी जाती थीं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। अपने सहयोगी दल भाजपा द्वारा उम्मीदवारों की सूची जारी करने के एक दिन बाद, नीतीश कुमार की अगुवाई वाली जेडीयू ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने 57 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। मौजूदा सरकार के पांच मंत्रियों को फिर से टिकट मिला है। तीन बाहुबली, जिनमें अनंत कुमार सिंह भी शामिल हैं, जदयू की पहली सूची में हैं। इस सूची में चार महिला उम्मीदवारों को भी जगह दी गई है।

जेडीयू को वे पांच सीटें मिल गई हैं, जिन पर पासवान दावा कर रहे थे। बताया जाता है कि जेडीयू के कब्जे वाली सीटें चिराग पासवान की पार्टी को दिए जाने से नीतीश कुमार नाराज थे।

पहली सूची में शामिल पांच मंत्री तथा उन्हें दी गई सीटें हैं - ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार (नालंदा), जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी (सरायरंजन), सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री महेश्वर हजारी (कल्याणपुर), सामाजिक कल्याण मंत्री मदन सहनी (बहादुरपुर) और मद्य निषेध मंत्री रत्नेश सादा (सोनबरसा)।

जेडीयू और भाजपा 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा की 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। बाकी सीटें चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा और उपेन्द्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा के बीच बांटी गई हैं। पिछले साल लोकसभा चुनाव में 5 में से 5 सीटें जीतने वाले चिराग पासवान ने इस बार सीट बंटवारे में कड़ा रुख अपनाया है। वर्ष 2020 के चुनाव में उन्होंने अकेले चुनाव लड़ा था, जिससे कई सीटों पर एनडीए उम्मीदवारों को नुकसान हुआ था।

कम से कम पांच सीटों - मोरवा, सोनबरसा, राजगीर, गायघाट और मटिहानी, जिन पर जेडीयू ने उम्मीदवार घोषित किए हैं, के पहले चिराग पासवान के हिस्से में जाने की संभावना थी। सूत्रों के अनुसार, इसे लेकर नीतीश कुमार नाखुश थे और उन्होंने जोर दिया कि ये सीटें जेडीयू के पास रहनी चाहिए। जेडीयू ने आज इन सभी सीटों के लिये अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। 2020 के चुनाव में मोरवा और गायघाट सीटें आरजेडी ने जीती थीं, जबकि राजगीर और सोनबरसा पर जेडीयू का कब्जा था। मटिहानी सीट से लोक जनशक्ति पार्टी के राजकुमार सिंह विजयी हुए थे, लेकिन बाद में उन्होंने जेडीयू जॉइन कर ली थी।

वांगचुक की पत्नी ने "हेबियस कॉर्पस" याचिका में संशोधन किया

यह संशोधन वांगचुक के वकील कपिल सिब्बल ने समझाकर करवाया

- सिब्बल ने कहा कि वांगचुक ने अपनी हिरासत के सम्बंध में कुछ नोट्स बनाए थे जो वे अपने वकील को देना चाहते थे पर सरकार ने इस पर रोक लगा रखी थी।
- कपिल सिब्बल का तर्क था कि वांगचुक को ये नोट्स अपने वकील को देने का अधिकार है और इन नोट्स से केस मजबूत होगा।
- सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने नोट्स शेयर किए जाने पर सहमति दी पर कहा कि इन नोट्स से केस में देरी होती है तो उसका जिम्मेवार सरकार को नहीं ठहराया जाना चाहिए।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को याचिकाकर्ता गीतांजलि जे. अंगमो को अपने पति सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एन एस ए) के तहत की गई गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली "हैबियस कॉर्पस" (बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका) में संशोधन करने की अनुमति दे दी।

सर्वोच्च न्यायालय की जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन.वी. अंजनिया की पीठ ने इस मामले की अगली सुनवाई 29 अक्टूबर, बुधवार को तय की है।

दो दिन पहले केन्द्र सरकार ने अंगमो को वांगचुक की गिरफ्तारी के आधार (ग्राउन्ड्स ऑफ डिटैंशन) उपलब्ध कराए थे।

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, जो अंगमो की ओर से पेश हुए, ने अदालत से याचिका में संशोधन करने की अनुमति मांगी, ताकि सरकार द्वारा दिए गए गिरफ्तारी के आधारों को उचित रूप से चुनौती दी जा सके।

उन्होंने स्पष्ट किया कि वांगचुक को अपने नोट्स पत्नी के साथ साझा करने की अनुमति नहीं दी गई है। उन्होंने कहा, "उन्होंने (वांगचुक) अपनी गिरफ्तारी को लेकर कुछ नोट्स बनाए हैं जिन्हें वे अपने वकील तक पहुंचाना चाहते थे। जो भी नोट्स वे तैयार करते हैं, उन्हें अपने वकील की सहायता लेने का अधिकार है। हम सिर्फ यही चाहते हैं कि वे नोट्स वकील तक पहुंच सकें।"

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, जो केन्द्र सरकार की ओर से पेश हुए, ने कहा कि उन्हें नोट्स याचिकाकर्ता के साथ साझा करने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि गिरफ्तारी के आधार प्रदान करने में हुई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भजन गायिका मैथिली ठाकुर को भाजपा ने टिकट दिया

पटना, 15 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 12 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी कर दी है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह ने आज 12 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की। सूची के अनुसार, लोक गायिका मैथिली ठाकुर को अलीनगर का प्रत्याशी बनाया गया है। मैथिली ठाकुर कल ही भाजपा में शामिल हुई हैं। बक्सर से पूर्व भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी आनंद मिश्रा को उम्मीदवार बनाया गया है।

- भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने 12 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी की जिसमें मैथिली ठाकुर को अलीनगर से प्रत्याशी बनाया गया है।

वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए कृत्रिम वर्षा कराई जा सकती है दिल्ली में

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए लागू किए गए ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान के तहत यह घोषणा की

- इस बार दीवाली से एक सप्ताह पहले ही जीआरएपी लागू कर दिया गया है, इससे संकेत मिलता है कि सर्दियों में दिल्ली में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर तक बढ़ सकता है।
- दिल्ली सरकार गत तीन माह से "क्लाउड सीडिंग" कराने की योजना बना रही है, पहले 4 से 11 जुलाई के बीच और फिर 30 अगस्त से 10 सितम्बर के बीच का समय तय किया गया था। पर तब मानसून की सक्रियता के कारण क्लाउड सीडिंग टाल दी गई।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। क्लाउड सीडिंग, जीआरएपी और ग्रीन क्रैकर (इको फ्रैंडली पटाखे) ये आदेश भले ही अलग-अलग लगें, लेकिन लक्ष्य एक ही है - दिल्ली में प्रदूषण को नियंत्रित करना।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बुधवार को घोषणा की कि अगर मौसम की स्थिति अनुकूल रही तो सरकार आने वाले दो से तीन दिनों में क्लाउड सीडिंग या कृत्रिम वर्षा का प्रयोग करेगी। यह फैसला उस दिन के बाद आया जब वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान के पहले चरण के तहत प्रतिबंध लागू किए, क्योंकि दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एयर क्वालिटी इंडैक्स-एक्यूआई) 200 के पार चला गया था।

दीवाली से एक हफ्ते पहले जीआरएपी का लागू होना इस बात का संकेत है कि सर्दियों में दिल्ली में प्रदूषण का स्तर खतरनाक हो सकता है।

इस बीच, सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को ग्रीन क्रैकर की बिक्री और उपयोग की अनुमति दी, ताकि प्रदूषण नियंत्रण और दीवाली उत्सव के बीच संतुलन बनाया जा सके।

सिरसा ने बताया कि क्लाउड सीडिंग के लिए पायलट ट्रेनिंग पूरी हो चुकी है। उन्होंने कहा, अगर अगले दो से तीन दिनों में मौसम अनुकूल रहा तो आईएमडी की मंजूरी के बाद तीन घंटे तक क्लाउड सीडिंग की जाएगी।

उन्होंने कहा, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सड़कों पर पुरानी गाड़ियां होने के बावजूद, इस साल हमें सबसे ज़्यादा दिनों तक साफ आसमान देखने को मिला।

दिल्ली सरकार पिछले तीन महीनों से कृत्रिम वर्षा कराने की योजना बना रही थी। शुरुआत में योजना थी कि 4 से 11 जुलाई के बीच क्लाउड सीडिंग की जाए, लेकिन मानसून के दौरान जब प्रदूषण का स्तर कम होता है, तब कृत्रिम वर्षा कराने के विचार की आलोचना हुई। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि क्लाउड सीडिंग के लिए मानसूनी बादलों की आवश्यकता होती है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे की सिफारिशों के बाद यह योजना आगे बढ़ाई गई और 30 अगस्त से 10 सितंबर के बीच का समय तय किया गया।

क्लाउड सीडिंग एक प्रक्रिया है जिसमें बादलों में सिल्वर आयोडाइड और ड्राई आइस जैसी विशेष सामग्रियाँ डाली जाती हैं ताकि कृत्रिम रूप से वर्षा या हिमपात कराया जा सके। इसका उपयोग पानी की कमी, कम हिमपात, या ओले और धुंध कम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ब्रिक्स ट्रंप की अनिद्रा का भारी कारण क्यों बनता जा रहा है

ट्रंप जितने जोर शोर से टैरिफ की धमकियां देकर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लेनदेन के लिये डॉलर को ही माध्यम बनाना चाहते हैं, डॉलर उतना ही कमज़ोर होता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप एक बार फिर अपने पुराने अंदाज़ में लौट आए हैं। ब्रिक्स समूह के खिलाफ उनका हालिया बयान, जिसमें उन्होंने कहा कि वह "डॉलर पर बहुत मज़बूत" हैं और "जो भी देश डॉलर में लेन-देन करना चाहता है, उसे उन देशों पर बढ़त मिलेगी, जो ऐसा नहीं करते।" यह इस बात का संकेत हैं कि ब्रिक्स समूह की बढ़ती ताकत और प्रभाव को लेकर ट्रंप चिंतित हैं।

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति हाविय़र मिलेई के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान ट्रंप ने दुनिया को यही संदेश दिया। उन्होंने कहा, "जो भी ब्रिक्स में रहना चाहता है, वह रहे, लेकिन हम उसके देश पर टैरिफ लगाएंगे। सब बाहर निकल गए हैं, सारे देश ब्रिक्स छोड़ रहे हैं।"

एक स्तर पर ट्रंप के ये बयान उनकी जानी-पहचानी रणनीति का हिस्सा हैं, जिसमें वे व्यापारिक दबाव और टैरिफ को कूटनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करते हैं। लेकिन दूसरी तरफ, उनकी लगातार और तीखी टिप्पणियाँ यह दिखाती हैं कि वे ब्रिक्स को सिर्फ एक आर्थिक गठबंधन नहीं, बल्कि अमेरिकी आर्थिक वर्चस्व के लिए अस्तित्व से जुड़ी चुनौती के रूप में देखते हैं। ब्रिक्स को "डॉलर पर हमला" बताना उनके लिए बहुत मायने रखता है, इसका मतलब है कि वे इस समूह के "डीडॉलराइज़ेशन" (डॉलर पर निर्भरता घटाने) के प्रयासों को सीधा खतरा मानते हैं।

इस कहानी में ट्रंप की बयानबाजी चिंताजनक है। वे बार-बार यह दावा दोहराते हैं कि "मेरी टैरिफ लगाने की धमकी के कारण सब देश ब्रिक्स से बाहर निकल गए," जबकि सच्चाई यह है कि ब्रिक्स का विस्तार हुआ है। उन्होंने यह तक कहा कि "अगर मैं चुनाव नहीं जीतता, तो आपके पास डॉलर अब आपकी मुद्रा के रुप में नहीं होता।" यह बयान दिखाता है कि ट्रंप डॉलर को अपनी निजी उपलब्धि की तरह देखते हैं, मानो डॉलर की ताकत उनकी जीत पर निर्भर हो। मौद्रिक नेतृत्व का यह निजीकरण एक गहरी चिंता का संकेत देता है कि दुनिया अमेरिका की आर्थिक कक्षा (ऑरबिट) से फिसल रही है।

उनके बयान का समय भी ध्यान देने योग्य है। हाल के महीनों में दर्जनों देशों ने ब्रिक्स में शामिल होने में दिलचस्पी दिखाई है, खासकर ग्लोबल साउथ के देशों ने, जो पश्चिमी आर्थिक दबदबे से थक चुके हैं। यह समूह अब डॉलर से स्वतंत्र एक व्यापार व्यवस्था पर विचार कर रहा है, स्थानीय मुद्राओं या साझा डिजिटल इकाई के आधार पर। इससे अमेरिका की आर्थिक नीतियों और प्रतिबंधों का असर कम हो सकता है। लेकिन ट्रंप इसे एक आर्थिक बदलाव के बजाय अमेरिका के खिलाफ साजिश के रूप में देखते हैं।

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति हाविय़र मिलेई, जो खुद डॉलर समर्थक माने जाते हैं, के साथ मुलाकात के दौरान ट्रंप ने खुद को डॉलर के रक्षक के रूप में पेश किया। उन्होंने अपनी मज़बूती और टैरिफ नीति का ज़ोरदार बखान किया। परंतु ऐसा करते हुए उन्होंने अपनी असुरक्षा भी उजागर कर दी। एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अतिथि जिसका अन्न खाता है, उसके पाप धुल जाते हैं। –अथर्ववेद

आहार के छह महत्वपूर्ण घटक साधिये अन्य स्वत: मिलते रहेंगे

स्वस्थ शरीर के लिए वैसे तो दर्जनों अवयवों की जरुरत होती है परन्तु उनमें से कुछ बहुत महत्वपूर्ण मानें गए हैं। सभी पोषक तत्वों को पोषण विशेषज्ञों नें अनेक प्रकार से वर्गीकृत किया है जैसे मुख्य अवयव, गौड़ अवयव और सूक्ष्म अवयव। इन अवयवों को पोषण की भाषा में फिर वर्गीकृत किया गया है यथा, ऊर्जा देने वाले, शरीर के ऊतक अथवा कोशिकाओं का निर्माण करने वाले, शरीर का कंकाल निर्माण करने वाले, और शरीर की विभिन्न क्रियाओं को संचालित करने वाले खनिज और विटामिन्स तथा कई सूक्ष्तम तत्व जिनकी सूक्ष्म आवश्यकता ही पड़ती है लेकिन होते बहुत ही जरुरी हैं। लम्बे समय तक इनकी अनुपलब्धता से शरीर में कुछ दोष दृष्टिगोचर होनें लगते हैं।

भारतीय परिवेश में आहार की प्रमुख विशेषताओं की तरफ भी थोड़ा प्रकाश डालें तो पाते हैं कि एक सामान्य मनुष्य का वेजीटेरियन आहार स्थूल (बल्की) पेट भराऊ होता है ऐसा इसलिए कि उसमें स्टार्च की प्रचुरता रहती है। वहीं मांसाहारी आहार में स्टार्च की मात्रा अनुपातिक कम रहती है क्योंकि प्रोटीन का अंश बढ़ जाता है। लेख में सभी अवयवों का विस्तृत वर्णन स्थानाभाव के कारण संभव नहीं है इसलिए यहाँ कतिपय महत्वपूर्ण ऐसे अवयवों का ही वर्णन करेंगे जिनकी तरफ व्यक्ति का ध्यान कम जाता है लेकिन उनकी आपूर्ति करना सजगता से श्रेष्ठ होता है :–

1. प्रोटीन बहुल्य खाद्य – प्रोटीन बाहुल्य खाद्य पदार्थों में दूध और दूध पदार्थ जिसमे दही, छाछ, पनीर, छेना, चीज़, खोआ, सभी प्रकार की दालें, चना, मूंगफली, सोयाबीन, मटर, राजमा व पृथक्कृत प्रोटीन सांद्र (प्रोटीन आइसोलेट) शामिल हैं। अतिरिक्त इनके सूखे मेवे जैसे बादाम, अखरोट, काजू, चिलगोजा भी प्रोटीन में प्रचुर होते हैं। मांसाहार खाद्यों में अंडा, बकरी, भेड़, चिकन का मांस और मछली प्रमुखता से खाये जाते हैं। एक सामान्य व्यक्ति को प्रति दिन 60 से 70 ग्राम प्रोटीन चाहिए होती है अर्थात एक ग्राम प्रति किलोग्राम शरीर भार के अनुसार। प्रोटीन शरीर में विभिन्न कोशिका निर्माण और उनके छीजन, कटफट का रखरखाव व जीर्णोद्धार, विभिन्न किण्वकों और हार्मोनों के निर्माण में जरुरत पड़ती है। आहार में प्रोटीन की कमी से दुर्बलता, मांसपेशिओं का ह्रास, शिथिल पाचनक्रिया, जैसे लक्षण उत्पन्न होने लगते हैं।

प्रोटीन एक जटिल अणु होता है जो विभिन्न एमिनो अम्लों के सय्योजन से बनता है। ये एमिनो अम्ल भी दो वर्गों यथा आवश्यक और अनावश्यक श्रेणी में बांटे गए हैं। आवश्यक एमिनो अम्ल वे हैं जिन्हें शरीर निर्माण नहीं कर सकता अत: उनकी पूर्ती आहार से होना ही जरुरी है। अनावश्यक एमिनो अम्ल ऊतक निर्माण में भाग नहीं लेते वे निर्माण क्रिया में वांछित ऊर्जा की सप्लाई बनाये रखते हैं जो कि एक जरुरी दशा है।

2. खनिज तत्व – शरीर के ढाँचे के विकास में इनका अमूल्य योगदान है। इस वर्ग में कैल्शियम, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, लोहा, ज़िंक, तांवा, कोबाल्ट सेलेनियम, आयोडीन मुख्य हैं। ये तत्व हड्डी निर्माण व उनका रखरखाव, स्वस्थ दांत, रक्त निर्माण, कुछ एंजाइम और हॉर्मोन के निर्माण तथा अनेक चयपचय क्रियाओं में महत्वपूर्ण कार्य निभाते हैं। आयोडीन जहाँ गल – ग्रंथि (थाइरोइड) के स्त्राव –थायरोक्सिन के निर्माण में मुख्य भूमिका निभाती है और गोइटर बिमारी को रोकती है वही तांबा, लोहा और कोबाल्ट रक्त निर्माण उसके लाल रक्त कण तथा रंजक हीम, निर्माण में प्रमुख तत्व होते हैं। लेकिन आहार में इनकी उपस्थिति ही काफी है मात्रा की तरफ विशेष ध्यान की जरुरत नहीं। आयोडीन हम सभी जानते हैं कि यह गल–ग्रंथि की सुचारु क्रिया के लिए उत्तरदायी होता है।

इस वर्णन से यह नहीं समझना चाहिए कि इन सब के कार्य अलग अलग हैं नहीं, एक ही कार्य के लिए एक से अधिक खनिज और उनके साथ अन्य तत्व भी क्रिया में संलग्न होते हैं। इसलिए शरीर की सभी क्रियाएं जटिल होती हैं। समझाने की दृष्टि से ही हम उनका वर्णन अलग अलग करते हैं।

3. वसा और वसीय अम्ल – घी, माखन विभिन्न वेजिटेबल तेल, इस श्रेणी के मुख्य पदार्थ हैं। वसा का अणु भी प्रोटीन की भांति बनावट में जटिल होता है। भौतिक वसा का भौतिक स्वरुप वसीय अम्लों के ग्लिसरिड और ट्रिग्लीसरिड के सय्योजन से बना होता है। ये वसीय अम्ल छ: श्रेणिओं में बांटे जा सकते हैं –आवश्यक, अनावश्यक; घुलनशील, अघुलनशील और संतृप्त और असंतृप्त। आवश्यक वसा अम्ल पोषण की दृष्टि से शरीर के लिए जरुरी होते हैं क्योंकि शरीर इन्हें किसी भी प्रकार से किसी स्त्रोत से नहीं बना सकता इसलिए आहार से इनकी आपूर्ति आवश्यक है। घुलनशील वसा अम्ल पानी में घुल जाते हैं और ये कम अणु भार के होते हैं फलस्वरूप पचने में सरल होते हैं। वहीं संतृप्त सामान्य तापक्रम पर जम जाते हैं और असंतृप्त तरल दशा में ही बने रहते हैं।ये अम्ल बहुधा अधिक अणुभार के होते हैं और इनके पाचन में समय अधिक और कठिनता आती है। घी के अंदर ये दोनों ही विध्यमान होते हैं अत: किसी घी का गाढ़ा व ठोस दिखना यह संकेत देता है कि उसमे संतृप्त वसीय अम्लों की प्रचुरता है कितनी? अधिकांश वनस्पतिक तेल (कोकोनट को छोड़कर) साधारण तापक्रम पर तरल ही रहते हैं अत: वे असंतृप्त वसा अम्लों में धनि होते हैं। पोषण की दृष्टि से असंतृप्त वसा शरीर को अधिक लाभकारी होते हैं। इनमें पाचन व पोषण की दृष्टि से ओमेगा वसीय अम्लों का विशेष महत्व है। बहुसंतृप्त वसीय अम्लों में ओमेगा वसीय अम्ल (6 व् 3) मुख्य हैं। ओमेगा 3 लिनोलेनिक वसीय अम्ल से प्राप्त होता है जबकि ओमेगा 6 लिनोलइक अम्ल से। ओमेगा 3 के स्त्रोत हैं :–सोयाबीन तेल, रेपसीड व् सरसों तेल, अलसी, अखरोट का तेल और मछली का तेल। वहीं ओमेगा 6 वसीय अम्ल जैतून का तेल और सूरजमुखी तेल से प्राप्त होते हैं। देखा गया है कि असंतृप्त वसीय अम्लों में एकल असंतृप्त वसीय अम्ल, बहु–असंतृप्तवसीय अम्लों की अपेक्षा आहार में लेना लाभकारी होता है। इस दृष्टि से सर्वप्रथम जैतून का तेल, फिर सरसों और रेपसीड, फिर तिल और फिर मूंगफली तेल स्थान रखते हैं। ओमेगा वसीय अम्ल याददास्त के लिए, ध्यान को स्थिर करने के लिए और अल्झायमर (दिमागी कमजोरी) लक्षणों की रोकथाम के लिए कारगर पाए गए हैं। नर्वस सिस्टम और मधुमेह की रोकथाम और हृदयघात रोगों में भी ये अम्ल बहुत उपयोगी मानें गए हैं। इसलिए स्थूल वसा का आहार में उपयोग करते समय उसके उपर्युक्त विशेषताओं पर दृष्टि रखना ही चाहिए।

> **प्रोटीन एक जटिल अणु होता है जो विभिन्न एमिनो अम्लों के सय्योजन से बनता है। ये एमिनो अम्ल भी दो वर्गों यथा आवश्यक और अनावश्यक श्रेणी में बांटे गए हैं। आवश्यक एमिनो अम्ल वे हैं जिन्हें शरीर निर्माण नहीं कर सकता अतः उनकी पूर्ती आहार से होना ही जरुरी है।**

4. खनिज :– इस समूह में कैल्शियम, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, पोटासियम, सोडियम, आयरन, कोबाल्ट, जिंक, आयोडीन पर अधिक फोकस करना उचित होता है अन्य खनिज खाद्य में साधारणत: न्यून मात्रा में विध्यमान रहते ही हैं उनकी तरफ विशेष ध्यान रखने की जरुरत नहीं पड़ती। दूध और दूध के पदार्थ तथा हरी पत्तेदार सब्जियां यदि आहार में अन्य के साथ समुचित मात्रा में मौजूद हैं फिर आहार सभी प्रकार से पुष्ट ही माना जायेगा। कैल्शियम, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम हड्डी विकास और उसकी रिपेयर के लिए जरुरी, वहीँ आयरन, कोबाल्ट और जिंक रक्त और विटामिन बी 12 निर्माण के लिए जरुरी और आयोडीन गोइटर रोकने (थाइरोइड ठांथि के उचित कार्य) के लिए आवश्यक माने जाते हैं।

5. विटामिन्स : विटामिन सूक्ष्म तत्वों का एक बड़ा समूह है जिसमें दो प्रकार के–1. जल विलेय विटामिन और 2. वसा विलेय विटामिन आते हैं। जल विलेय में विटामिन बी के सभी उप–विटामिन बी 1 से लेकर बी 12 तक होते हैं इनके अतिरिक्त विटामिन सी (एस्कॉर्बिक एसिड) भी जल विलेय है। यहाँ हम केवल विटामिन बी 12 का ही जिक्र करेंगे क्योंकि वर्तमान में इसका महत्व काफी है अन्य की अपेक्षा जिनके बारे में सभी बहुत पहले से जानते आये हैं। विटामिन बी 12 जल विलेय मिथाइल कोबला मीन या सायनोकोबालमीन कहते हैं। मात्रा तो इसकी सूक्ष्म जरुरत पड़ती है परन्तु इसकी कमी से टांगों में ऐंठन, दर्द, हृदय सम्बन्धी रोग, रक्त के परिचालन में त्रुटि, यकृत के कार्य में कमी व् रक्त निर्माण में कमी, चक्कर आना, याददास्त में कमी और न नसों सम्बन्धी विकार इसकी कमी से होते हैं। दूध–दही, छाछ, चीज़, योगहर्ट और किण्वित अन्य खाद्य पदार्थ। पत्तेदार हरी सब्जिओं, ब्रोकोली और कीवी, पपीता जैसे फलों में यह उपस्थित रहता है सभी पशुओं के मांस, अंडे, मछली में भी यह विटामिन प्रचुरता से मौजूद रहता है। इसके निर्माण में कोबाल्ट खनिज का योगदान होता है। लम्बे समय तक इसकी कमी शरीर को बेहद दुर्वल और मृत्यु तक पहुंचा सकती है।

6. ऊर्जा जनक – इन खाद्यों में स्टार्च, शर्करा, गुड़, शकरकंदी, आलू, साबूदाना, मेदा जैसे पदार्थ आते हैं जिनका मुख्य कार्य शरीर को ऊर्जा देना है। ऊर्जा भी शरीर द्वारा कार्य करने और शरीर के अंदर घटित विभिन्न चयपचय क्रियाओं में जरुरत होती है। आहार या खाद्य में कार्बोज इस ऊर्जा के लिए पहला स्त्रोत होता है।

7. अन्य :– इस श्रेणी में वे अवयव आते हैं जो ऊपर किसी श्रेणी में सम्मिलित नहीं हैं, जैसे पिगमेंट्स या रंग और रंजक यथा कैरोटीन, जैन्थोफिल, क्लोरोफिल, ल्यकोपिन आदि इनका पोषण में विशेष महत्व न होते हुए इनमे से कुछ एंटी ऑक्सीडेंट के तरह काम करते हैं।

मैंनें प्रयास किया है कि पाठकों को एक बृहत विषय संक्षिप्त में प्रस्तुत करूँ, पाठक आंकलन करें कि महत्वपुर्ण विषय सामग्री क्या लेख में है और विषय भी क्या उनको कुछ नई जानकारी दे रहा है?

–अतिथि सम्पादक,
प्रो.डॉ. वीर बहादुर सिंह,
(पूर्व कुलपति एवं डेयरीविज्ञ महाराणा प्रताप कृषि एवं खाद्य प्रौद्योगिकी वि.वि., उदयपुर–राज.)

सहज संवाद में भाषा की भूमिका

डॉ. सुबोध अग्रवाल

सीधे–सीधे शब्दों में बात की जाएं तो सरकार और आम जन के बीच सीधा संवाद कायम करने में भाषा की प्रमुख भूमिका होती है। यही कारण है प्रशासन की भाषा में और साहित्य या इससे इतर भाषा में अंतर होता है। प्रशासन की भाषा में स्पष्टता और सहजता पहली शर्त है। इसके साथ ही प्रशासन की भाषा में जो टिप्पणी आदि होती है या यों कहें कि प्रशासकीय कार्य में जिस भाषा का प्रयोग किया जाता है वह संक्षिप्त, सारगर्भित और सहजता से समझ में आने वाली होनी चाहिए। जहां एक और साहित्य या साहित्य से इतर भाषा का प्रयोग होता है उसमें भाषा सौंदर्य पर बल दिया जाता है। शब्दों के प्रयोग करते समय कहावत–मुहाबरें, प्रर्यायवाची शब्दों का प्रयोग, अनेकार्थक व कहीं कहीं क्लिष्ट शब्दों, व्यंग, अतिशयोक्ति, वक्रोक्ति या पुनरुक्ति को भाषा सौष्ठव के हिसाब से अच्छा माना जाता है और उसमें भाषा सौंदर्य भी झलकता है पर उसे किसी भी परिस्थिति में प्रशासन की भाषा के रुप में प्रयोग नहीं किया जा सकता।

चूंकि भाषा सरकार और आमजन के बीच सीधा संवाद कायम करने का माध्यम है। इसमें कोई दो राय नहीं कि हिन्दी को बढ़ावा देने में सिनेमा, दूरदर्शन और अब चैनलों पर प्रसारित श्रृंखलाओं ने प्रमुख भूमिका निभाई है। समाचार पत्रों की भी एक समय बड़ी भूमिका रही है पर आज मीडिया में जिस भाषा का प्रयोग किया हो रहा है उसमें हिंग्लिस या यों कहें कि भाषा के प्रयोग के समय जो सतर्कता बरती जानी चाहिए वह खो गई है। एक समय समाचार पत्रों से भाषा का संवर्द्धन होता था, लोग सीखते थे। पर अब भाषा के प्रति गंभीरता कम होती जा रही है।

यह विषयांतर इसलिए नहीं कहा जा सकता क्योंकि आज दुनिया के देशों में हिन्दी लोकप्रिय होती जा रही है। विदेशों में रहने वाले करोड़ों भारतीय हिन्दी का प्रचुरता से प्रयोग कर रहे हैं। दुनिया के 200 से अधिक विश्व विद्यालयों में हिन्दी भाषा का अध्ययन–अध्यापन हो रहा है। तकनीकी अध्ययन में और न्यायालयों के निर्णयों में भी हिन्दी का प्रयोग आम होता जा रहा है।

हमारा देष भाषिक दृष्टि से दुनिया के देशों से अधिक समृद्ध देश रहा है। प्राचीन काल से ही संस्कृत प्रमुख भाषा रही है वहीं जहां तक बोलियों और लोकिक उपयोग की भाषा की बात की जाए तो एक मोटे अनुमान के अनुसार करीब 500 बोलियां प्रचलन में रही है। कमोबेस आज भी देश में अनेक बोलियां बोली जाती है। हमारे देष के सौंदर्य को इसी से समझा जा सकता है कि यह कहा जाता है कि हर दो से तीन कोस की दूरी पर अलग तरह की बोली देखने–सुनने को मिल जाती है। खैर अभिजात्य या कामकाज की भाषा की बात की जाए तो मध्यकाल के पहले तक संस्कृत का लगभग एकाधिकार रहा है।

मध्यकाल में फारसी और फिर उर्दू का प्रभाव बढ़ता गया। मुगल काल में फारसी मिश्रित हिन्दी का प्रयोग प्रमुखता से होने लगा बल्कि राजकाज की प्रमुख भाषा बन गई। इसके बाद अंग्रेजों के आने के बाद अंग्रेजी का प्रभाव बढ़ता गया पर फारसी–उर्दू मिश्रित देवनागरी या यों कहें कि देवनागरी भाषा का प्रयोग प्रमुखता से होता रहा। संस्कृत का प्रभाव उस जमाने में दुनिया के अन्य देशों की भाषाओं और लिपियों पर भी देखा जा सकता है। आजादी के बाद भारत के संविधान निर्माताओं ने हिन्दी का महत्व समझते हुए उसे राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में अंगीकार करने की व्यवस्था की थी। संविधान के अनुच्छेद 343 में यह व्यवस्था की गई कि देवनागरी लिपि में लिखी हुई हिन्दी यहां की राजभाषा होगी।

संविधान के अनुच्छेद 351 में इसके लिए आवश्यक निर्देश दिए गये हैं। इन निर्देशों के अनुसार 'हिन्दी भाषा की प्रसार वृद्धि कर उसका विकास करना ताकि वह भारतीय संस्कृति के समस्त तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम हो सके तथा उसकी आत्मीयता में हस्तक्षेप किए बिना हिन्दुस्तानी और अष्टम अनुसूची में उल्लिखित अन्य भारतीय भाषाओं के रूप, शैली और पदावली को आत्मसात करते हुए तथा उसके शब्द भंडार के लिए मुख्यत: संस्कृत से तथा गौणत: उल्लिखित भाषाओं से शब्द ग्रहण करते हुए उसकी समृद्धि सुनिश्चित करना संघ का कर्तव्य होगा।' स्वतंत्रता के बाद प्रारंभ में अंग्रेजी का प्रयोग 1965 तक जारी रखने व हिन्दी को विकसित रूप प्रदान करने की व्यवस्था थी। भाषा के प्रश्न पर 1965 में खेर आयोग की स्थापना की गई और इस आयोग ने हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने की सिफारिश के साथ ही अंग्रेजी का प्रयोग 1965 के बाद भी जारी रखने की सिफारिश की। वर्ष 1963 में संसद द्वारा राजभाषा अधिनियम पास कर यह व्यवस्था की कि संघ के जिन कार्यों के लिए 26 जनवरी, 1965 से पहले अंग्रेजी का प्रयोग किया जाता था उनके लिए हिन्दी के अतिरिक्त अंग्रेजी भाषा का प्रयोग भी किया जा सकता है।

हिन्दी की अपनी एक समृद्ध शब्द संपदा रही है। पर आज धीरे–धीरे हिन्दी हिंग्लिस का रुप लेती जा रही है। नए नए शब्द हिंदी के शब्दकोशों में और भी जुड़ते जा रहे हैं। हिन्दी के विकास की नई दिशा अत्यंत महत्वपूर्ण रही है और भाषा को नए–नए शब्द और अर्थ मिले हैं। हिन्दी शब्दसागर के 11 भागों में लगभग 2 करोड़ 11 लाख 50 हजार शब्द उपलब्ध हैं। विभिन्न राज्यों ने शब्दावली के निर्माण का कार्य किया है और उसके द्वारा बनाए गए अनेक कोश, शब्द संग्रह अथवा शब्द संकलन निरंतर प्रयोग में आ रहे हैं। भले ही बोलचाल की भाषा में कुछ भी प्रयोग हो रहे हो पर लिखने–पढ़ने में भाषा की गरिमा को बरकरार रखना चाहिए।

–डॉ. सुबोध अग्रवाल,
(आईएएस)
अतिरिक्त मुख्य सचिव,
राजस्थान सरकार

प्रवासी दृष्टि: समाज, संस्कृति और सोच

कंटीले तारों के भीतर और बाहर : दो दुनिया, दो भारत

डॉ. पंकज राजवंशी

मुंबई के जुहू में, जब मैं पूलसाइड से होटल के बाहर समुद्र की तरफ़ देख रहा था, तो मेरी निगाहें उस कँटीले तार पर बार–बार टिक रही थीं जो होटल और समुद्र के बीच शायद मेरी ही 'सुरक्षा' के लिए लगाया गया था। उसी तरह, जब मैं शाहरुख़ ख़ान के बंगले 'मन्नत' के बाहर पर्यटकों के झुंड के साथ उस दूसरे कँटीले तार के भीतर झाँकने की कोशिश कर रहा था, तो एक अजीब–सा विरोधाभास महसूस हुआ। बाहर खड़ी भीड़, मोबाइल कैमरे ऊपर उठाए, बस एक झलक पाने के लिए बेताब थी। जैसे तार के उस पार देख लेने भर से ज़िंदगी कुछ और हो जाएगी। शायद हर आम भारतीय अपने जीवन में किसी न किसी कँटीले तार के इस पार से उस पार जाने का सपना देखता रहता है।

मुझे लगा कि यह दृश्य केवल संयोग नहीं, बल्कि प्रतीक है उस गहरे विभाजन का जो अब भारतीय समाज की स्थायी बनावट बन चुका है। यह लेख किसी आर्थिक आँकड़े या जीडीपी की कहानी नहीं है। यह कोई राजनीतिक बयान भी नहीं है। न ही यह भारत की निंदा है। यह वीर दास की 'दो भारत' वाली कविता से भी प्रेरित नहीं है, लेकिन इसमें भी वही दो भारत हैं, एक जो कँटीले तारों के भीतर एसी की हवा में साँस लेता है, और दूसरा जो उन्हीं तारों के बाहर धूप में पसीना बहाता है। यह उन जिंदगियों की बात है जो आँकड़ों के पीछे साँस ले रही हैं।

मैं तीस साल पहले अमेरिका चला गया था। अब जब लौटता हूँ, तो यह फर्क और भी तीखा दिखाई देता है। अमेरिका और भारत दोनों देशों में चुनौतियाँ हैं। वहाँ भी जीवन सरल नहीं है, महँगाई है, तनाव है, स्वास्थ्य सेवाएँ महँगी हैं, लेकिन वहाँ एक ढाँचा है जो किसी भी गिरते व्यक्ति को थाम लेता है। भारत में अक्सर गिरने का मतलब मिट जाना होता है।

मुंबई के किसी चौराहे पर खड़े होकर अगर चारों तरफ़ देखा जाए, तो ऐसा लगता है जैसे दो दुनियाएँ एक–दूसरे से कंधा छूते हुए चल रही हैं, पर एक–दूसरे की भाषा नहीं समझतीं। एक तरफ़ काँच की ऊँची इमारतें हैं, जिनके लॉन में फव्वारे चलते हैं, पार्किंग में विदेशी गाड़ियाँ खड़ी रहती हैं और जिनके अंदर ज़िंदगी वातानुकूलित होती है। दूसरी ओर तंग गलियों में खड़े झोपड़े हैं, जहाँ पंखेफ़ा चलना भी शायद लग्ज़री हो। इन दोनों दुनियाओं के बीच की भौगोलिक दूरी शायद सौ मीटर भी न हो, लेकिन जीवन की गुणवत्ता में यह दूरी सदियों की लगती है। यह विरोधाभास केवल मुंबई का नहीं है। दरअसल पूरा भारत अब शायद दो चेहरों वाला हो गया है। और इन दो चेहरों के बीच की दीवार अब केवल आर्थिक नहीं, मानसिक, सांस्कृतिक और नैतिक भी हो चुकी है।

भारत की आबादी अब डेढ़ अरब के पास पहुँच चुकी है। इतनी बड़ी जनसंख्या ऊर्जा और सम्भावनाओं का स्त्रोत हो सकती थी, अगर उसे समान अवसर, शिक्षा और सुरक्षा मिलती। आर्थिक विकास के आँकड़े ऊपर जा रहे हैं, लेकिन नीचे ज़िंदगी कहीं नहीं जा रही। या तो वह वहीं अटकी हुई है, या और नीचे खिसक रही है।

अमेरिका की आबादी भारत की तुलना में एक–तिहाई भी नहीं है। वहाँ भी गरीबी है, लगभग 15 प्रतिशत, पर वहाँ गरीब को जीने की बुनियादी गारंटी मिलती है। भारत में गरीब को बस ज़िंदा रहने की कोशिश करने का हक़ मिलता है। वह भी तब, जब मौसम, बीमारी और व्यवस्था सब साथ दे दें। काग़ज़ पर देखें तो भारत में सब कुछ सस्ता है, दूध, सब्ज़ी, पेट्रोल। पर यह सस्ती दुनिया कितने लोगों की पहुँच में है? अमेरिका में एक आम व्यक्ति रोज़ दो सौ डॉलर तक कमा सकता है। भारत में वही संख्या सात डॉलर के करीब है। अगर दोनों देशों में एक लीटर दूध लगभग एक डॉलर का है, तो अमेरिका में वह एक आम खर्च है। भारत में वह एक परिवार के साप्ताहिक बजट में सेंध है। इसे ही affordability का भ्रम कहते हैं। चीज़ें सस्ती लगती हैं, लेकिन जब आमदनी उससे भी कम हो, तो वही सस्तापन महँगा बन जाता है। बचपन में जब विजय मोटरसाइकिल पर दूध देने आता था, तो एक दिन माँ ने कहा था, "दूध थोड़ा कम डालना, दाम बढ़ गया है।" तब दूध चालीस पैसे लीटर था। आज वही बात करोड़ों घरों में पचास रुपये प्रति लीटर के साथ दोहराई जा रही है। अनुपात बदल गया है, बोझ नहीं।

मुंबई का किराया न्यूयॉर्क से कम ज़रूर है, पर आमदनी के अनुपात में वह कहीं ज़्यादा भारी है। न्यूयॉर्क में एक बस ड्राइवर साल में चालीस से पचास हज़ार डॉलर कमा सकता है। भारत में वही काम करने वाला व्यक्ति अगर दो हज़ार डॉलर भी कमा ले, तो वह क़ाबिल माना जाता है। टैक्सी चालक, होटल का वेटर, डिलीवरी बॉय, ये वे लोग हैं जो शहर को ज़िंदा रखते हैं, लेकिन जिनकी अपनी ज़िंदगी बस किसी तरह चल रही होती है। हमारा टैक्सी ड्राइवर पूरे दिन के तीन हज़ार रुपये यानी लगभग 34 डॉलर के लिए दो घंटे दूर से आ रहा था।

उसे देख कर, और इरोस थिएटर को भारतीय 'असलीपन' को दिखाने के नाम पर 'स्वदेश' जैसे महँगे डिज़ाइनर स्टोर में बदलते देख कर लगा कि शहर की चमक बरक़रार है, पर उसकी परछाइयाँ अब और लंबी हो गई हैं। भारत में अब समृद्धि केवल एक सीमित वर्ग के बीच सिमट चुकी है। अमीरी अब ऊँची दीवारों के भीतर बंद है। गार्डेड सोसायटीज़, निजी स्कूल, एक्सक्लूसिव क्लब, निजी अस्पताल। दीवारों के बाहर की भूख, गंध, शोर अब सिर्फ़ असुविधा हैं, अपराधबोध नहीं। ऐसा लगता है कि हम एक ऐसे समाज में बदल गए हैं जहाँ सामाजिक दूरी अब स्थायी योजना बन चुकी है। दीवारें जितनी ऊँची होती हैं, संवेदनाएँ उतनी ही छोटी हो जाती हैं। निजी सुरक्षा, निजी स्कूल, निजी स्वास्थ्य, निजी सब कुछ है, और सार्वजनिक कुछ नहीं। जो ज़रूरतमंद हैं, उनके लिए सार्वजनिक प्रणाली सिर्फ़ प्रतीक्षा की घड़ी है।

भारत में अब शिक्षा भी एक विशेषाधिकार बन गई है। गरीब बच्चा सिर्फ़ इसलिए स्कूल से बाहर हो जाता है क्योंकि उसके पास फीस भरने के पैसे नहीं हैं। और अगर स्कूल के बाहर नहीं भी हो, तो कम से कम शिक्षा के माध्यम और गुणवत्ता में दिन और रात का फ़र्क़ है।

यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि नीति की असफलता है। शिक्षा अब भविष्य का निर्माण नहीं, बल्कि भविष्य का अवरोध बनती जा रही है। स्वास्थ्य का हाल भी कुछ ऐसा ही है। एक बीमारी पूरे परिवार को तोड़ सकती है। सरकारी अस्पतालों में इलाज मिलना भाग्य की बात हो गई है और निजी अस्पतालों में दाख़िला किसी जैकपॉट जैसा लगता है। अमेरिका में भी स्वास्थ्य सेवा महँगी है, पर बीमा और सामाजिक सहायता का ढाँचा फिर भी किसी हद तक काम करता है। भारत में एक छोटी सी बीमारी भी आर्थिक आपदा बन सकती है। नानावटी अस्पताल के रेडियोलॉजी विभाग के वेटिंग रूम में, जहाँ मैं शौक़िया अपना पेट का एमआरआई करवा रहा था और 35,000 रुपये खर्च कर रहा था, वहीं मेरे पास बैठे लोग न जाने क्या बेचकर वहाँ पहुँचे थे।

इसी तरह अगर अपराध के आँकड़ों की बात करें तो अमेरिका में हिंसक अपराध ज़्यादा हैं, पर भारत में भूख, बेरोज़गारी और असुरक्षा का डर कहीं गहराई तक बैठा है। वहाँ डर गोली का होता है, यहाँ डर इस बात का कि कल खाना कहाँ से आएगा। क्या यही कारण तो नहीं कि दिल्ली में हिंसक अपराध मुंबई की तुलना में कहीं ज़्यादा तेज़ी से बढ़ रहे हैं?

कँटीले तारों के बाहर जीवन जीने का डर अब भारतीय जीवनशैली का हिस्सा बन गया है। एक ऐसा डर जो सपनों को छोटा कर देता है, बच्चों को स्कूल छोड़कर काम पर लगवा देता है, और पूरे समाज की कल्पना शक्ति को सीमित कर देता है। हमने आर्थिक विकास को केवल इमारतों की ऊँचाई और मॉल की चमक में देखना सीख लिया है। पर हम भूल गए हैं कि असली विकास वह है जो नीचे खड़े व्यक्ति को सुरक्षा और गरिमा दे सके। जब तक एक ही शहर में दो अलग–अलग दुनियाएँ एक–दूसरे से मुँह चुराकर जिएँगी, तब तक कोई भी 'नया भारत' वाकई नया नहीं कहलाएगा।

क्या इस खाई को भरने का कोई मॉडल है? शायद नहीं। या शायद बहुत सारे हैं, लेकिन इच्छाशक्ति नहीं है। मैं अर्थशास्त्री नहीं हूँ, पर इतना जानता हूँ कि किसी देश की सफलता तब तक अधूरी है जब तक उसकी सड़कों पर भूख चलती है। हमें विकास की तेज़ रफ़्तार से ज़्यादा ज़रूरत है समानता की गति की। जब तक हम इस बात को नहीं समझेंगे कि हर दीवार अपने आप में असफलता की निशानी है, तब तक हम सिर्फ़ बिल्डिंग बनाएँगे, समाज नहीं।

हर बार जब मैं अमेरिका से लौटकर भारत की हवा में नमक और धूल की वह जानी–पहचानी गंध महसूस करता हूँ, तो यही सोचता हूँ कि यह देश दो दुनियाओं का नहीं होना चाहिए। यह वह जगह होनी चाहिए जहाँ एक बच्चा, चाहे वह झुग्गी में जन्मा हो या किसी ग्लास टॉवर में, एक जैसा सपना देख सके और उस सपने को छू भी सके। पर शायद हमने तय कर लिया है कि दीवारें ही हमारी सबसे स्थायी वास्तुकला हैं। और इन दीवारों के भीतर हम अपने मन को सुरक्षित मानते हैं, बाहर की सच्चाई से अनजान या फिर उसे अनदेखा करते हुए।

–डॉ. पंकज राजवंशी,
सिएटल (अमरीका) में रह रहे एक गैस्ट्रोएण्ट्रोलॉजिस्ट हैं।

सिंचाई के पानी की चोरी रोकने की मांग

नोहर, (निसं) सिद्धमुख सिंचाई प्रणाली के सी ग्रुप रेगुलेशन के दौरान भादरा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हो रही सिंचाई पानी चोरी को रोककर नोहर क्षेत्र में रासलाना वितरिका नहर टेल पर सिंचाई पानी पहुंचाने की मांग को लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, किसान संगठन के पदाधिकारियों एवं जागरूक किसानों ने मुख्यमंत्री, जल संसाधन मंत्री, जिला प्रभारी मंत्री, जिला कलेक्टर, मुख्य अभियंता को पत्र प्रेषित किये हैं।

पत्रों में बताया गया है कि वर्तमान में रेगुलेशन निर्धारण कमेटी अतिरिक्त जिला क्लेक्टर, नोहर की अध्यक्षता में गठित है, जबकि जिला क्लेक्टर, हनुमानगढ़ की अध्यक्षता में कमेटी गठित की जाए। चूंकि सी ग्रुप का रेगुलेशन रासलाना की आरडी 40–46 किमी से प्रारम्भ होता है तथा राजस्थान की सीमा में सिद्धमुख फीडर 24 किमी तथा रासलाना वितरिका में 40 किमी दूरी तय करने के कारण तमाम चोरी तथा मोगों द्वारा अन्य लोसेज होने के कारण यह देखा गया है कि जब सीपी–5 पर 450 क्यूसेक पानी प्राप्त होता है तो लगभग 100 125 क्यूसेक पानी ही नथवानियां हैड पर पहुंच पाता है। अत: जब तक पानी चोरी पर पूरा अंकुश नहीं लगाया जाता है तब तक रसीर ग्रुप हेतु 450 क्यूसेक की जगह 100 क्यूसेक अतिरिक्त पानी अतार्थ 550 क्यूसेक की मांग की जाये जिससे सी ग्रुप का रेगुलेशन के दौरान टेल तक पानी पहुंच सके। सी ग्रुप रेगुलेशन के दौरान ए व वी ग्रुप के लिए मुख्य नहर सिद्धमुख फीडर, रासलाना वितरिका में बने आउलेट्सों में भी सिंचाई पानी प्रवाहित होता रहता है जो कि जल संसाधन विभाग की विफलता ही नहीं बेहद चिंताजनक भी है है इसलिए उनको सी ग्रुप रेगुलेशन के दौरान रोका जाना अति आवश्यक है। पानी चोरी रोकने हेतू अधीक्षण अभियंता, वृत नोहर के अधीन पानी चोरी रोकथाम प्रकोष्ठ बनाया जाये या जिला कलक्टर स्तर पर गश्ती दलों का गठन किया जाना चाहिए ताकि प्रभावी गश्ती हो सके। जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं अधीक्षण अभियंता को संयुक्त कमेटी भी हो। पत्र प्रेषित करने वालों में निवर्तमान जिला लोकपाल विनोद जांगिड़, पंचायत समिति प्रधान सोहन दिल, भूमि विकास बैंक के चेयरमैन एवं भारतीय किसान संघ अध्यक्ष राजेन्द्र सिहाग, जिला परिषद सदस्य सावित्री दलीप तेतरवाल व विमला घीसाराम नायक, पंचायत समिति सदस्य मंजु सुरेन्द्र प्रताप भारी, कृष्णा जगतपाल सहारण, शारदा प्रताप साहू व मांगीलाल शर्मा, सरपंच देवीलाल रोहिल्ला, दलपतपुरा सहकारी समिति अध्यक्ष मानसिंह सहारण, उपसरपंच मुकेश सिहाग, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अभिषेक पारोक, लक्ष्मीनारायण बेनीवाल, कृष्ण सहारण, मांगेराम बेनिवाल, राजकुमार सुथार, एडवोकेट हंसराज बेनिवाल आदि शामिल रहे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 16 अक्टूबर, 2025

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, आश्लेषा नक्षत्र दिन 12:42 तक, शुभ योग रात्रि 2:11 तक, विष्टि करण दिन 10:36 तक, चन्द्रमा आज दिन 12:42 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–कर्क, मंगल–तुला, बुध–तुला, गुरू–मिथुन, शुक्र–कन्या, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज ज्वालामुखी योग दिन 10:36 तक है। भद्रा प्रात: 10:36 तक रहेगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:36 तक, चर 10:47 से 12:12 तक, लाभ अमृत 12:12 से 3:03 तक, शुभ 4:9 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:31, सूर्यास्त 5:54

मेष
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी और सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कर्क
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन हो सकता है। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात वर्तमान में बना हुआ मानसिक तनाव दूर होने लगेगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव–प्रभुत्व बढ़ेगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृश्चिक
परिवार में शुभ–मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। शुभ–मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा नहीं रहेगा। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मकर
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

Hero
125M
CELEBRATING
125 MILLION CUSTOMERS
आया त्योहार
हीरो पे सवार
HF-Deluxe Pro
Splendor+
XTEC 2.0
पुराना एक्स-शोरूम
₹63 133
शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत
₹58 200#
GST लाभ ₹4 933
पुराना एक्स-शोरूम
₹80 491
शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत
₹74 202#
GST लाभ ₹6 289
सीमित अवधि ऑफर
प्रतिदिन EMI ₹59$ से शुरू
डाउन पेमेंट ₹999$ से शुरू
विशेष कॉर्पोरेट ऑफर्स ₹2 200~ तक
INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY*
*Conditions apply
Hero GoodLife
पाएं जीतने का मौका
100% कैशबैक
24 कैरट सोने का सिक्का
और कई अन्य सुनिश्चित लाभ*
Additional offers on:
Flipkart
amazon.in
Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. $Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. ^T&C apply, Offer available only on limited stores. *Limited period offer, T&C apply. As per cumulative dispatch numbers till August 2025. #Ex-showroom price of Splendor+ and HF Deluxe in Rajasthan.
TOLL FREE
1800 266 0018
अधिकृत डीलर: अजमेर: रेलन हीरो, ब्यावरा रोड़, 9289922455, राजवंश हीरो, 9289233975, नागौर: धारणिया हीरो, 9289922199, ब्यावर: मंगलम हीरो, 9289922700, किशनगढ़: अमित हीरो, 9289923056, मेड़ता सिटी: जय राना हीरो, 9289922841, कुचामन सिटी: राज हीरो, 9289923111, एसोशिएट डीलर: ब्यावर: मंगलम ऑटोमोबाईल, 9251321000, विजय नगर: कमल ऑटोव्हील्स, 7014040994, केकड़ी: अग्रवाल ऑटो स्पेयर्स, सावर रोड़, 7023812796, डीडवाना: जाँगिड मोटर्स, 01580 223043 सरवड़: कृष्णा मोटर्स,9214030048, गोटन: मारुति मोटर्स, 9414603017, मसूदा: बालाजी मोटर्स, 9950437559, डेगाना: शुभम मोटर्स, 8107676760, मकराना: राज ऑटो एजेंसी, 9462523111, परबतसर: शिवम मोटर, 9166362402, मौलासर: सुजान मोटर्स, 9413929633/ 9166578910, बांदनवाड़ा: पार्श्वनाथ मोटर्स, 9251050200 (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) अजमेर: रेलन हीरो, ब्यावरा रोड़, 9289922455, ब्यावर: मंगलम हीरो, 9289922700.

जीएसटी सुधारों, आत्मनिर्भर भारत और लोकल फॉर वोकल पर हुआ मंथन

■ जीएसटी सुधारों से व्यापार और उपभोक्ता दोनों को मिला लाभ : भदेल

अजमेर, (कासं)। अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में बुधवार को ऐतिहासिक व्यापारिक सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल के सान्निध्य में होटल दाताईन श्रीनगर रोड पर संपन्न हुए, जिसमें क्षेत्र के व्यापारियों, उद्योगपतियों, समाजसेवी एवं विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य व्यापारिक वर्ग को केंद्र व राज्य सरकार की जनहितैषी नीतियों से अवगत कराना, जीएसटी सुधारों की विस्तृत जानकारी प्रदान करना और आत्मनिर्भर भारत व लोकल फॉर वोकल की भावना को जन-जन तक पहुंचाना रहा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा के पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष श्याम अठावाल उपस्थित रहे। उन्होंने जीएसटी रिफार्म, व्यापारिक नीतियों, आत्मनिर्भर भारत अभियान और मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं पर विस्तार चर्चा की तथा व्यापारिक वर्ग को नए अवसरों की दिशा में आगे बढने का आव्हान किया।

व्यापार और उपभोक्ता दोनों को मिला लाभ: विधायक भदेल ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने व्यापारियों और उपभोक्ताओं, दोनों के हित में ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि जीएसटी में किए गए सुधारों से कर प्रणाली सरल, पारदर्शी और जनसुलभ बनी है। भदेल ने बताया कि अब तक 400 से अधिक वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कमी की गई है, जो वस्तुएँ पहले 28 प्रतिशत या 18 प्रतिशत के उच्च स्लैब में थीं वे अब 12 प्रतिशत, 5 प्रतिशत या 0 प्रतिशत की श्रेणी में लाई गई हैं। इन सुधारों से आम उपभोक्ता का खर्च घटा है और व्यापारी वर्ग के लिए कारोबार करना अधिक सहज हुआ है। उन्होंने कहा व्यापारिक समुदाय को चाहिए कि वे इन सुधारों की जानकारी आमजन तक पहुंचाए, यह केवल सरकार का नहीं, बल्कि हम सबका सामूहिक दायित्व है कि जनता तक इन जनहितैषी निर्णयों का लाभ पहुंचे।

आत्मनिर्भर भारत हमारा संकल्प : मुख्य वक्ता भाजपा के पूर्व कोषाध्यक्ष श्री श्याम अग्रवाल ने कहा कि हम सभी को संकल्प लेना होगा कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाएं। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता की परिकल्पना भारत में पौराणिक काल से ही निहित रही है। हमें संकुचित सोच से ऊपर उठकर बदलते विश्व परिदृश्य के अनुरूप विकास की दिशा में अग्रसर होना होगा। उन्होंने कहा कि देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था आज विश्व में अग्रणी है।

वस्तुओं को दो स्लैब में किया विभाजित: जीएसटी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वस्तुओं को दो स्लैब में विभाजित किया गया है। इनमें अधिकांश रोजमर्रा की वस्तुएं 5 प्रतिशत के कर दायरे में हैं, जबकि जीवन रक्षक दवाओं को पूर्णतः करमुक्त किया गया है। निर्माण कार्यों में उपयोग होने वाली सीमेंट जैसी वस्तुओं की दरों में भी कमी की गई है। इससे आवास निर्माण आमजन के लिए और सुलभ हो गया है। इस अवसर पर शहर जिला महामंत्री राजेश घाटे, जिला उपाध्यक्ष रवींद्र सिंह जादोन, आदर्श मण्डल अध्यक्ष हितेश डाबरिया, झलकारी बाई मण्डल अध्यक्ष रजनीश चौहान, आर्य मण्डल अध्यक्ष भवानी सिंह जेदीया, कार्यक्रम संयोजक दिलावर चौहान, सजी, सटी अधिकारी जितेन्द्र राठौड़, सीजी, सटी नाथूलाल, अजीत चौधरी, संदीप माखीजानी, रणजीत , रोहित सोगरा, अजमेर दक्षिण विधानसभा व्यापारिक संघ सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शहर में दीपावली पर्व पर फूलों की मांग बढ़ी

■ 18 अक्टूबर धनतेरस से होगी खरीददारी शुरू, लक्ष्मी, विष्णु कमल और गुलाब के फूलों की डिमांड ज्यादा

■ फूल व्यापारियों ने कोलकाता से मंगाए 50 हजार से ज्यादा कमल फूल

अजमेर, (कासं)। दीपावली पर्व के मद्देनजर धनतेरस से दीपावली पर महालक्ष्मी के पूजन के लिए त्योंहारी सीज में शहर में फूलों की मांग बढ़ेगी, खास कर लक्ष्मी पूजा अनुष्ठान के लिए श्रेष्ठ माने जाने वाले लक्ष्मी कमल विष्णु कमल सहित गुलाब व अन्य फूलों की जमकर खरीददारी होगी। फूलों की खरीददारी के लिए शहर की सबसे बड़ी फूल मंडी मदार गेट के फूल व्यापारियों ने कोलकाता से 50 हजार से ज्यादा लक्ष्मी कमल मंगाए हैं, जबकि सवा लाख कमली के फूल भी। फूल मंडी 18 अक्टूबर धनतेरस से ब्रिकी शुरू हो जाएंगे। इस बार ज्यादा बारिश से व्यापरियों को परेशानी भी हुई हैं। जबकि अजमेर से गेंदा कानपूर, दिल्ली, लखनऊ, अमृतसर सहित अन्य राज्यों में सप्लाई किया जा रहा है।

मदार गेट फूल मंडी के थोक व्यापारियों ने बताया कि लक्ष्मी पूजन के लिए शहर में कमल पुष्प की मांग अधिक रहती है, जिसके चलते कोलकाता, केरल और बेंगलुरु से कमल पुष्पों की मंगाए गए हैं। शहर के 10 से ज्यादा बड़े व्यापारियों ने कमल पुष्प की एडवांस बुकिंग कराई है। थोक में खरीदने के बाद बाजार में रिटेल दुकानदार इन्हें मुनाफ के अनुसार बेचान करते हैं। वहीं गुलाब की खपत धनतेरस से दीपावली तक गुलाब के फूलों में भी तेजी रहेगी। जानकारी के अनुसार अभी 120 रुपए किलो बिक रहे गुलाब के दाम 300 रुपए तक पहुंच सकते है, पिछले वर्ष दीपावली के दिन मंडी में गुलाब के भाव 300 रुपए किलो थे। अति वर्षा के कारण इस बार गेंदा 40 से 50 रुपए किलो है, जो 70-80 रुपए बिक सकता है। इसी प्रकार गुलदावरी फूल के भाव 200 रुपए तक पहुंच सकते हैं।

कारागृह का निरीक्षण

ब्यावर (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक्शन प्लान के अनुसार एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश सं. 1, ब्यावर डॉ. वीनू नागपाल व सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ब्यावर कमल कुमार द्वारा जिला कारागृह, ब्यावर का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान कारागृह में बंदियों को प्रदान की जा रही भोजन, चिकित्सा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया गया। सभी बंदियों से व्यक्तिगत रूप से वार्ता कर उनके प्रकरणों में अधिवक्ता की उपलब्धता के संबंध में जानकारी प्राप्त की। बंदियों को निशुल्क विधिक सहायता योजना के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। बंदियों को बताया कि अधीनस्थ न्यायालयों में पारित जमानत आदेश अथवा निर्णय के विरुद्ध उच्च न्यायालय एवं उच्चतम न्यायालय में अपील, एस.एल.पी. दायर करने हेतु भी प्राधिकरण द्वारा निशुल्क अधिवक्ता सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

राष्ट्रपति द्वारा नई दिल्ली में आयोजित समारोह में जिला कलेक्टर होंगे सम्मानित

■ धरती आभा योजना के तहत आदि कर्मयोगी अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने पर मिलेगा सम्मान

भीलवाड़ा (निसं)। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू को धरती आभा योजना के तहत संचालित आदि कर्मयोगी अभियान में उत्कृष्ट कार्य के लिए भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा जाएगा। यह सम्मान राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा शुक्रवार, 17 अक्टूबर को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया जाएगा। भीलवाड़ा जिले में आदि कर्मयोगी अभियान के तहत आसींद, बनास, शाहपुरा, कोटड़ी, जहाजपुर, मांडलगढ़ और बिजोलिया ब्लॉक में अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया गया, जिनमें 141 राजस्व ग्रामों में आदिवासी सेवा केंद्रों की स्थापना की गई साथ ही विभिन्न गतिविधियों आयोजित हुई। इस अभियान का उद्देश्य वर्ष 2030 तक जिले के एसटी बाहुल्य क्षेत्रों में 100 प्रतिशत समावेशी विकास सुनिश्चित करना है।

दीपावली पर्व से पूर्व किसानों को मिली संजीवनी

अजमेर (कासं)। प्रदेश भर के लाखों दुग्ध उत्पादकों को दीपावली से पूर्व 369 करोड़ रुपए संजीवनी की सौगात मिली है। मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के अंतर्गत केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डीबीटी राशि जारी की। सरकार के निर्णय पर अजमेर डेयरी अध्यक्ष रामचन्द्र चौधरी ने आभार जताते हुए, कहा कि देर भले हुई, पर यह कदम पशुपालकों के लिए दीपावली से पहले संजीवनी साबित होगा।

दुग्ध उत्पादकों में हर्ष - अजमेर डेयरी अध्यक्ष रामचंद चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के अंतर्गत लगभग साढ़े नौ माह से लंबित 5 रुपए प्रतिशत प्रति लीटर सब्सिडी का भुगतान जारी किया है। पूर्ववर्ती सरकार के समय यह भुगतान प्रति माह नियमित रूप से दिया जाता था, जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2023-24 में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर रहा। लेकिन अब 4 माह, 5 माह और अब 8 माह के अंतराल में भुगतान जारी होने से उत्पादन प्रभावित हुआ है, जिससे राज्य देश में दूसरे स्थान पर खिसक गया है। चौधरी ने कहा कि भुगतान हर माह समय पर जारी हो तो प्रदेश पुनः शीर्ष स्थान पर होग और दूध उत्पादकों की आय में वृद्धि होगी। चौधरी ने कहा कि अतिवृष्टि से किसानों की फसलें चौपट हो गई हैं और चारे का गंभीर संकट उत्पन्न हुआ है, ऐसे कठिन समय में एकमुश्त भुगतान किसानों और पशुपालकों के लिए दीपावली से पहले राहत भरा सिद्ध होगा। उन्होंने सरकार से आठाह किया कि आपदा प्रबंधन के तहत चारे पर विशेष अनुदान और फसली ऋण बीमा मुआवजा शीघ्र जारी की जाए।

चौधरी ने राज्य सरकार से अनुरोध किया कि मिड डे मील एवं पन्नाधाय योजना के अंतर्गत जिला दुग्ध संघों के लगभग 350 करोड़ के बकाया भुगतान को तुरंत जारी करने, ढाई हजार रिक्त पदों पर लंबित भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र शुरू करने, डेयरी को कृषि क्षेत्र में शामिल करने और पशुपालक क्रेडिट कार्ड पर 4 प्रतिशत ब्याज ऋण सहित लंबित मांगों के निस्तारण की मांग की।

एकल अभियान ग्राम आसान मैं वनयात्रा भ्रमण

ब्यावर (निसं)। एकल अभियान अंचल अजमेर के बर संच के विद्यालय ग्राम आसान मैं वनयात्रा भ्रमण कार्यक्रम रहा। कार्यक्रम शुरुआत मां भारती के चरणों में दीप प्रचलित करके विद्यालय संचालन किया गया जिसमें 30 बच्चे और मातृशक्ति उपस्थित थे। ग्राम वासियों ने महिला समिति का स्वागत बड़े जोश के साथ पुष्प वर्षा करके किया गया। एकल विद्यालय के बच्चों के लिये दीपावली के अवसर पर मिठाई व दीपक, बच्चों के लिये बैग, सर्दी के कपड़े, पेन, रबड़, पेन्सिल आदि वितरित किये गए।

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/भवन /25-26/385 — आपत्ति सूचना — दिनांक: 15/10/25

श्री मोटूमल प्रेमचन्दानी पुत्र स्व. श्री भोजूमल निवासी संस्कृत कॉलेज के पास गंज अजमेर द्वारा एक भूखण्ड संख्या 2 जिसका ए.एम.सी. नं. 6/427 नया 288/9 का उत्तरी भाग है जो वाके गंज अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 16.51 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार हैं।

पूर्व - संस्कृत कॉलेज परिसर — उत्तर - सम्पति का शेष भाग शिव कुमार का

पश्चिम - 30 फुट चौड़ा रास्ता आम — दक्षिण - संस्कृत कॉलेज परिसर

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। — उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/भवन /25-26/384 — आपत्ति सूचना — दिनांक: 15/10/25

श्री शिव कुमार पुत्र स्व. श्री भोजूमल निवासी शिव नगर फाईसागर रोड अजमेर द्वारा एक भूखण्ड संख्या 2 जिसका ए.एम.सी. नं. 6/427 नया 288/9 का उत्तरी भाग है जो वाके गंज अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 15.56 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार हैं।

पूर्व - संस्कृत कॉलेज का परिसर — उत्तर - जानीमल की टाल परिसर

पश्चिम - 30 फुट चौड़ा रास्ता — दक्षिण - सम्पति का शेष भाग मोटूमल

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। — उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/भवन /25-26/383 — आपत्ति सूचना — दिनांक: 15/10/25

श्री तृप्ति भाटिया पत्नी श्री मुकेश भाटिया निवासी ए.एम.सी. नं. 409/19 उतार घसेटी अजमेर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी. नं. 3/159 जो वाके कुम्हार मौहल्ला धानमण्डी अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 90.22 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार हैं।

पूर्व - अशोक का मकान — उत्तर - गंगाराम व पन्नालाल की सम्पति

पश्चिम - गली — दक्षिण - रामेश्वर का मकान व चौक

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। — उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

Tel. No.: 01462-258665, 257509 — आम सूचना — E-mail Id: npbeawar@gmail.com

क्रमांक: 69A/2025-26/8657 — दिनांक-13-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री जितेन्द्र जोशी, शिवेन्द्र जोशी पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण जोशी व आशुतोष जोशी, रविन्द्र जोशी पुत्र श्री रमेशचन्द्र जोशी व बाबूलाल जोशी पुत्र श्री पुखराज जोशी निवासी साकेत नगर, हाऊसिंग बोर्ड ब्यावर ने 69 ए के तहत आवेदन प्रस्तुत कर नगर परिषद ब्यावर की सीमा में मेवाड़ी गेट बाहर, ब्रह्मानंद मार्ग, रामदेव जी के मंदिर के पास, ब्यावर में स्थित जायदाद पार्ट-बी क्षेत्रफल 170.52 वर्गमीटर का आवासीय पट्टा लेने बाबत आवेदन किया है। अतः उपरोक्त को आवासीय पट्टा विलेख जारी किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के 07 दिवस के अंदर-अंदर आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा बाद मियाद आपत्ति विचारणीय नहीं होगी। -आयुक्त, नगर परिषद ब्यावर

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान

क्रमांक: न.प.कि/कृषि भूमि नियमन /2025/2510 — आम सूचना — दिनांक:11-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जात है नगर परिषद किशनगढ़ में राजस्व ग्राम मदनगंज के खसरा 107/1 का भूखण्ड संख्या ....का कुल 97.59 वर्गगज (आवासीय प्रयोजनार्थ) हेतु पट्टा चाहने हेतु कृषि भूमि नियमन के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदित भूखण्ड के नियमन में संबंधित किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित में आपत्तियां/मय साक्ष्य/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें।

क. सं.	प्रार्थी का नाम	राजस्व ग्राम का नाम एंव खसरा नं व क्षेत्रफल	प्रस्तावित कृषि भूमि नियमन
1.	1. श्री महबुब शेख पुत्र श्री स्व. श्री गुलाब खां, 2. श्रीमती सरबती पत्नि श्री महबुब खां निवासी रामनेर रोड, बिल्ला पेंटर के पास गांधी नगर मदनगंज किशनगढ	मदनगंज खसरा 107/1 97.59 वर्गगज	(औद्योगिक प्रयोजनार्थ) पट्टा चाहने हेतु

-आयुक्त, नगर परिषद किशनगढ़

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान

क्रमांक: न.प.कि/कृषि भूमि नियमन /2025/2637 — आम सूचना — दिनांक:15-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद किशनगढ़ में राजस्व ग्राम किशनगढ़-बी के खसरा 259 का भूखण्ड संख्या 08 का क्षे. 888.88 वर्गगज व भूखण्ड संख्या 09 का क्षे. 1055.55 वर्गगज दोनों का संयुक्त क्षेत्रफल 1944.43 वर्गगज का औद्योगिक प्रयोजनार्थ पट्टा चाहने हेतु कृषि भूमि नियमन के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदित भूखण्ड नियमन में संबंधित किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित में आपत्तियां/मय/साक्ष्य/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें।

क. सं.	प्रार्थी का नाम	राजस्व ग्राम का नाम एंव खसरा नं व क्षेत्रफल	प्रस्तावित कृषि भूमि नियमन
1.	1. श्री अशोक गोयल पुत्र स्व. श्री सीताराम गोयल 2. श्रीमती अंजना गोयल पत्नि श्री अशोक गोयल निवासीगण केशव नगर वैशाली नगर जिला अजमेर राज.।	मदनगंज 259 खसरा 1944.43 वर्गगज	औद्योगिक प्रयोजनार्थ पट्टा चाहने हेतु

-आयुक्त, नगर परिषद किशनगढ़

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

टैलीफोन नम्बर- 01462-230051 — गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर — ई-मेल-npvijaynagar@gmail.com

क्रमांक- न.पा.बि./भूमि/2025/3989 — आम सूचना — दिनांक: 07-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित आवेदक ने कृषि भूमि पर बसी निम्न कॉलोनियों में कृषि भूमि नियमन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दिये जायेगें। अतः इन भूखण्डों के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजो/प्रमाण के 7 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देवें। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क. सं.	आवेदन क्रमांक	आवेदक का नाम	योजना/ग्राम का नाम	खसरा सं.	भू. सं.	क्षेत्र
1	LD/VJNR/2025-26/283516	रमेशचन्द तेली/ बद्रीलाल	चौसला राजनगर बिजयनगर	4161/3	41	92.90 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

टैलीफोन नम्बर- 01462-230051 — गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर — ई-मेल-npvijaynagar@gmail.com

क्रमांक- न.पा.बि./भूमि/2025/4241 — आम सूचना — दिनांक: 14-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित आवेदक ने कृषि भूमि पर बसी निम्न कॉलोनियों में कृषि भूमि नियमन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दिये जायेगें। अतः इन भूखण्डों के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजो/प्रमाण के 7 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देवें। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क. सं.	आवेदन क्रमांक	आवेदक का नाम	योजना/ग्राम का नाम	खसरा सं.	भू. सं.	क्षेत्र
1	LD/VJNR/2025-26/285727	बुद्धराज कुम्हार/ चांदमल कुम्हार	कृष्णा कॉलोनी चौसला बिजयनगर	4490/4161	31	92.90 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

टैलीफोन नम्बर- 01462-230051 — गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर — ई-मेल-npvijaynagar@gmail.com

क्रमांक- न.पा.बि./भूमि/2025/4247 — आम सूचना — दिनांक: 14-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित आवेदक ने कृषि भूमि पर बसी निम्न कॉलोनियों में कृषि भूमि नियमन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दिये जायेगें। अतः इन भूखण्डों के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजो/प्रमाण के 7 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देवें। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क. सं.	आवेदन क्रमांक	आवेदक का नाम	योजना/ग्राम का नाम	खसरा सं.	भू. सं.	क्षेत्र
1	LD/VJNR/2025-26/288113	सुशीला सोनी/ सत्यनारायण सोनी	शिवनगर कॉलोनी बरल द्वितीय	1018	15	132.93 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

टैलीफोन नम्बर- 01462-230051 — गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर — ई-मेल-npvijaynagar@gmail.com

क्रमांक- न.पा.बि./भूमि/2025/4224 — आम सूचना — दिनांक: 14-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित आवेदक ने कृषि भूमि पर बसी निम्न कॉलोनियों में कृषि भूमि नियमन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दिये जायेगें। अतः इन भूखण्डों के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजो/प्रमाण के 7 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देवें। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क. सं.	आवेदन क्रमांक	आवेदक का नाम	योजना/ग्राम का नाम	खसरा सं.	भू. सं.	क्षेत्र
1	LD/VJNR/2025-26/293092	फिरोज/ शकूर मोहम्मद	चौसला बिजयनगर	4114	07	111.48 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

टैलीफोन नम्बर- 01462-230051 — गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर — ई-मेल-npvijaynagar@gmail.com

क्रमांक- न.पा.बि./भूमि/2025/3776 — आम सूचना — दिनांक: 01-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित आवेदक ने कृषि भूमि पर बसी निम्न कॉलोनियों में कृषि भूमि नियमन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दिये जायेगें। अतः इन भूखण्डों के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजो/प्रमाण के 7 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देवें। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क. सं.	आवेदन क्रमांक	आवेदक का नाम	योजना/ग्राम का नाम	खसरा सं.	भू. सं.	क्षेत्र
1	LD/VJNR/2025-26/262960	मेहरबान मंसूरी/ घीसा मंसूरी	कृष्णा कॉलोनी चौसला बिजयनगर	4490/4161	22	92.90 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

NAME CHANGE

I Army No JC-733411L, SUB , Bodu Ram Arya,Residing Village & Po - Barsinghpura, Teh:- Khandela, Dist - Sikar, Rajasthan, 332709 Have changed my Son's name From Vijay to Vijay Singh Arya vide affidavit no CA 927894 Dt 15/10/2025 before court Campus Nasirabad

NAME CHANGE

I Army No.14846981L, NK, Chaudhari Yogeshkumar Madhubhai, Residing at Basana, Visngar, Mahesana, GJ 384001 have change my Son's name from Chaudhari Ridham Yogesh Kumar to Chaudhari Ridham Yogesh kumar at court campus Nasirabad

NAME CHANGE

I Army No.14846981L, NK, Chaudhari Yogeshkumar Madhubhai, Residing at Basana, Visngar, Mahesana, GJ 384001 have change my daughter's name from Chaudhari Neerja Yogesh Kumar to Chaudhari Neerja Yogesh kumar at court campus Nasirabad

अजमेर विकास प्राधिकरण,अजमेर

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की गणेश गुवाडी योजना के भूखण्ड संख्या जी-159 क्षेत्रफल 50 वर्गगज के आवंटी/अन्तरिति श्री कन्हैयालाल जीनगर पुत्र श्री मदन लाल जीनगर निवासी सदर बाजार, गंगापुरा (भीलवाड़ा) मुख्त्यारआम (अपंजीकृत दिनांक 19/4/2023) श्री सम्पततलाल जीनगर पुत्र श्री मदन लाल जीनगर सिविल लाईन अजमेर द्वारा जरिए मुख्यारआम के आधार पर लीज डीड हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त लीज डीड जारी किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदक के नाम जरिए मुख्त्यारनामा के लीज डीड जारी करने की कार्यवाही जायेगी।

-उपायुक्त, अजमेर विकास प्राधिकरण,अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/भवन /25-26/386 — आपत्ति सूचना — दिनांक: 15/10/25

श्री नितेश कुमार आत्रेय पुत्र श्री गिरीराज प्रसाद शर्मा निवासी 34 भगवत कृपा ब्रज विहार कॉलोनी उत्सव मैरिज गार्डन के पास गुलाबबाड़ी अजमेर एवं श्री कमल शर्मा पुत्र स्व. श्री गुलाब चन्द शर्मा निवासी 430/27 त्रिवेणी संगम बापू नगर एवं श्री अनिल पुत्र श्री मदनलाल निवासी गली नं. 1 नवल मंदिर के पास लौगिया मौहल्ला अजमेर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी. नं. 3/182 का एक भाग है जो वाके शनि मंदिर के पीछे कुम्हार मौहल्ला अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 81.15 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार हैं।

पूर्व - सम्पति ए.एम.सी. नं. 3/182 — उत्तर - सम्पति ए.एम.सी. नं. 3/183 3/90 अन्य की व रास्ता

पश्चिम - रास्ता आम गली — दक्षिण - सम्पति ए.एम.सी. नं. 3/181 का शेष भाग सम्पति श्री बजरंग की व रास्ता आम गली

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। — उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/भवन /25-26/388 — आपत्ति सूचना — दिनांक: 15/10/25

श्री परमाराम पुत्र स्व. श्री छोगाराम प्रजापति निवासी शिव मंदिर वाली गली कृष्णापुरी किशनगढ़ जिला अजमेर एवं श्री ओमप्रका श प्रजापत स्व. श्री सुखाराम प्रजापत निवासी कुम्हारों का वास नागौर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी. नं. 253/8 पुराना 178/3 नया जो वाके कुम्हार मोहल्ला देहलीगेट के अंदर अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 61.90 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार हैं।

पूर्व - 5 फुट चौड़ी आम गली — उत्तर - सम्पति संख्या 179/3

पश्चिम - 7 फुट चौड़ी आम गली — दक्षिण - सम्पति संख्या 177/3

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। — उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

Tel. No.: 01462-258665, 257509 — आम सूचना — E-mail Id: npbeawar@gmail.com

क्रमांक: 69A/2025-26/8688 — दिनांक-14-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री आशुतोष जोशी, रविन्द्र जोशी पुत्र श्री रमेश चन्द जोशी, श्री बाबूलाल जोशी पुत्र श्री पुखराज जोशी, श्री जितेन्द्र जोशी, श्री शिवेन्द्र जोशी पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण जोशी, निवासी ब्यावर ने 69 ए के तहत आवेदन प्रस्तुत कर नगर परिषद ब्यावर की सीमा में प्रा. नं. ए मेवाड़ी गेट, ब्रह्मानंद मार्ग ब्यावर में स्थित जायदाद क्षेत्रफल 167.47 वर्गमीटर का आवासीय पट्टा लेने बाबत आवेदन किया है। अतः उपरोक्त को आवासीय पट्टा विलेख जारी किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के 07 दिवस के अंदर-अंदर आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा बाद मियाद आपत्ति विचारणीय नहीं होगी। -आयुक्त, नगर परिषद ब्यावर

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

Tel. No.: 01462-258665, 257509 — आम सूचना — E-mail Id: npbeawar@gmail.com

क्रमांक: 69A/2025-26/8655 — दिनांक-13-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री जितेन्द्र जोशी, शिवेन्द्र जोशी पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण जोशी व आशुतोष जोशी, रविन्द्र जोशी पुत्र श्री रमेशचन्द्र जोशी व बाबूलाल जोशी पुत्र श्री पुखराज जोशी निवासी साकेत नगर, हाऊसिंग बोर्ड ब्यावर ने 69 ए के तहत आवेदन प्रस्तुत कर नगर परिषद ब्यावर की सीमा में मेवाड़ी गेट बाहर, ब्रह्मानंद मार्ग, रामदेव जी के मंदिर के पास, ब्यावर में स्थित जायदाद पार्ट-सी क्षेत्रफल 170.52 वर्गमीटर का आवासीय पट्टा लेने बाबत आवेदन किया है। अतः उपरोक्त को आवासीय पट्टा विलेख जारी किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के 07 दिवस के अंदर-अंदर आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा बाद मियाद आपत्ति विचारणीय नहीं होगी। -आयुक्त, नगर परिषद ब्यावर

आम सूचना

मेरी बहन काली देवी पुत्री चन्द्रनाथ जाति जोगी निवासी ग्राम जोगीनाड़ा डॉग की मृत्यु दिनांक 5/6/1989 को मेरे स्थान पर ग्राम जोगीनाड़ा डॉग में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत भामोलाव में नहीं करवाया था। अब मैं मेरी बहन काली देवी का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अराई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने बाबत जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज के साथ अराई तहसीलदार के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

- प्रार्थी- रूपचन्द योगी पुत्र चन्द्रनाथ जोगी, निवासी ग्राम जोगीनाड़ा डॉग तहसील अराई, अजमेर

आम सूचना

मेरे दादाजी बोदू पुत्र भीया जाति रेगर निवासी ग्राम ढसूक की मृत्यु दिनांक 05/02/1985 को मेरे निवास स्थान पर ग्राम ढसूक में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत ढसूक में नहीं करवाया था। अब मैं मेरे दादाजी बोदू रेगर का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अराई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने बाबत जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज के साथ अराई तहसीलदार के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

-प्रार्थी- कैलाश पुत्र भूरा रेगर, निवासी ग्राम ढसूक तहसील अराई, अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी / अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों के पक्ष में नामांतरण हेतु आम सूचना

-आम सूचना-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की आजाद नगर कोटडा, अजमेर के आवासगृह सं. 206, श्री सुधीर पुत्र श्री विश्वेश्वर भार्गव के नाम पर आवंटित है जिनका स्वर्गवास 26.09.2018 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट संलग्न कर मृतक के वारिसो क्रमशः 1. श्रीमति सीमा भार्गव पत्नि स्व. श्री सुधीर भार्गव 2. कुमारी गरिमा भार्गव पुत्री स्व. श्री सुधीर भार्गव 3. गौरव भार्गव पुत्र स्व. श्री सुधीर भार्गव, निवासीगण :- 206 आजाद नगर, कोटड़ा, अजमेर द्वारा नामांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामांतरण किये जाने के सम्बंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें । उक्त नियत अवधि के पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदकों के नाम नामांतरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

-योजना प्रभारी,अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

आम सूचना

मैं प्रेमा राम तेतरवाल पुत्र श्री बेगा राम तेतरवाल जाति जाट निवासी नेतड़ों की ढाणी, ललासरी तहसील डीडवाना जिला- डीडवाना कुचामन राजस्थान यह शपथपूर्वक बयान करता हूं कि मनोहर और महेन्द्र मेरे जायन्दा पुत्र है और दोनों विवाहित है। मेरे दोनों पुत्र पिछले दो वर्षो से मेरे कहने सुनने में नहीं है एवं उनकी पत्नियां सुनीता एवं सुमन वो भी मेरे कहने सुनने में नहीं है इन सभी ने मुझसे व मेरी धर्मपत्नी विमला से संबंध समाप्त कर लिया है, अतः अब मैं मेरी व मेरी धर्मपत्नी की सम्पूर्ण चल-अचल सम्पत्ति से मेरे दोनों पुत्रों मनोहर व महेन्द्र व उनकी पत्नि सुनीता व सुमन को बेदखल करता हूं। आज दिन से कोई व्यक्ति इनसे कोई लेन-देन, व्यवहार संबंध करता है, तो उससे मेरी व मेरी धर्मपत्नी की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

क्रमांक- न.पा.बि./भूमि/2025/2246 — आम सूचना — दिनांक: 14-10-25

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, बाद मियाद गुजरने पर कोई उज्र/आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

फाईल नं.	आवेदक नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
70	मुकेश कुमार माली पुत्र गोवर्धन लाल माली	विष्णुनगर बिजयनगर ख.स. 46/1 व 47/1 भू.सं. 24	116.17 SQ.MTR	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

टैलीफोन नम्बर- 01462-230051 — गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर — ई-मेल-npvijaynagar@gmail.com

क्रमांक- न.पा.बि./भूमि/2025/4259 — आम सूचना — दिनांक: 14-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित आवेदक ने कृषि भूमि पर बसी निम्न कॉलोनियों में कृषि भूमि नियमन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दिये जायेगें। अतः इन भूखण्डों के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजो/प्रमाण के 7 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देवें। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क. सं.	आवेदन क्रमांक	आवेदक का नाम	योजना/ग्राम का नाम	खसरा सं.	भू. सं.	क्षेत्र
1	LD/VJNR/2025-26/285526	रामनिवास/ मोहनलाल बैरवा	तारों का खेड़ा चौसला बिजयनगर	515,517, 519	44 का हिस्सा	74.32 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

टैलीफोन नम्बर- 01462-230051 — गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर — ई-मेल-npvijaynagar@gmail.com

क्रमांक- न.पा.बि./भूमि/2025/4269 — आम सूचना — दिनांक: 14-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित आवेदक ने लीज डीड पट्टा से लीज फ्री होल्ड पट्टा हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दिये जायेंगे। अतः इन भूखण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजों/ प्रमाण के 7 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देवें। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र. सं.	लीज फ्री होल्ड पट्टा हेतु आवेदक का नाम	मूल पट्टाधारक का नाम	कॉलोनी/ब्लॉक/मोहल्ला /भूखंड का विवरण	क्षेत्र
1	सुशीला रांका पत्नी नेमीचंद रांका	मदन मोहन पुत्र भंवरलाल झंवर (माहेश्वरी)	ग्राम बरल द्वितीय आबादी क्षेत्र 27 मील चौराहा ब्यावर रोड खसरा नं. पुराना 23 व नया 2622/1660 में आबादी भूखंड	109.52 वर्गमीटर
2	नेमीचंद रांका पुत्र बस्तीमल रांका	मदन मोहन पुत्र भंवरलाल झंवर	ग्राम बरल द्वितीय आबादी क्षेत्र 27 मील चौराहा ब्यावर रोड खसरा नं. पुराना 23 व नया 2622/1660 में आबादी भूखंड	22.96 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज०

क्रमांक- न.पा.बि./भूमि/2025/4260 — लोक सूचना — दिनांक: 14-10-25

श्रीमती जया जैन पत्नी श्री राकेश जैन निवासी बिजयनगर तहसील बिजयनगर जिला ब्यावर(राजस्थान) हाल निवासी फ्लैट नंबर 202 शत्रुजय टॉवर, विट्ठल चौहान मार्ग,परेल ईस्ट मुंबई ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तु किया है, अर्थात-

जिले सहित तहसील का नाम	राजस्व ग्राम	खसरा सं.	क्षेत्र
जिला ब्यावर तहसील बिजयनगर	बरल द्वितीय	2120/1083	2184.00 वर्गमीटर आवासीय प्रयोजनार्थ

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोवत प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक........को जारी की गयी।

- प्राधिकारी अधिकारी एवं अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

क्रमांक-न.पा.बि./नामा/2025/4132 — आम सूचना — दिनांक: 10.10.25

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद गुजरने पर कोई उज्र/आपत्ति मान्य नहीं होगी।

नामान्तरण

फाईल नं.	आवेदक नाम	मूल आवंटी/ नामान्तरण	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
253	कमलादेवी पत्नी व भंवरलाल व सांवरलाल मुकेश कुमार पुत्रगण कल्याणमल जांगिड	मोहन लाल पुत्र मगनीराम जांगिड	मगनीराम जांगिड कॉलोनी ख.सं. 113 व 104 व 115 व 116 भू.सं.20	138.88 SQ.Yard	आवासीय
254	कमलादेवी पत्नी व भंवरलाल व सांवरलाल मुकेश कुमार पुत्रगण कल्याणमल जांगिड	मोहन लाल पुत्र मगनीराम जांगिड	मगनीराम जांगिड कॉलोनी ख.सं. 113 व 104 व 115 व 116 भू.सं.21	138.88 SQ.Yard	आवासीय
255	कमलादेवी पत्नी व भंवरलाल व सांवरलाल मुकेश कुमार पुत्रगण कल्याणमल जांगिड	मोहन लाल पुत्र मगनीराम जांगिड	मगनीराम जांगिड कॉलोनी ख.सं. 113 व 104 व 115 व 116 भू.सं.22	138.88 SQ.Yard	आवासीय
256	कमलादेवी पत्नी व भंवरलाल व सांवरलाल मुकेश कुमार पुत्रगण कल्याणमल जांगिड	मोहन लाल पुत्र मगनीराम जांगिड	मगनीराम जांगिड कॉलोनी ख.सं. 113 व 104 व 115 व 116 भू.सं.29	138.88 SQ.Yard	आवासीय
257	कमलादेवी पत्नी व भंवरलाल व सांवरलाल मुकेश कुमार पुत्रगण कल्याणमल जांगिड	मोहन लाल पुत्र मगनीराम जांगिड	मगनीराम जांगिड कॉलोनी ख.सं. 113 व 104 व 115 व 116 भू.सं.30	138.88 SQ.Yard	आवासीय
258	कमलादेवी पत्नी व भंवरलाल व सांवरलाल मुकेश कुमार पुत्रगण कल्याणमल जांगिड	मोहन लाल पुत्र मगनीराम जांगिड	मगनीराम जांगिड कॉलोनी ख.सं. 113 व 104 व 115 व 116 भू.सं. 31	138.88 SQ.Yard	आवासीय
259	कमलादेवी पत्नी व भंवरलाल व सांवरलाल मुकेश कुमार पुत्रगण कल्याणमल जांगिड	मोहन लाल पुत्र मगनीराम जांगिड	मगनीराम जांगिड कॉलोनी ख.सं. 113 व 104 व 115 व 116 भू.सं. 54	138.88 SQ.Yard	आवासीय
260	कमलादेवी पत्नी व भंवरलाल व सांवरलाल मुकेश कुमार पुत्रगण कल्याणमल जांगिड	मोहन लाल पुत्र मगनीराम जांगिड	मगनीराम जांगिड कॉलोनी ख.सं. 113 व 104 व 115 व 116 भू.सं. 55	138.88 SQ.Yard	आवासीय
261	कमलादेवी पत्नी व भंवरलाल व सांवरलाल मुकेश कुमार पुत्रगण कल्याणमल जांगिड	मोहन लाल पुत्र मगनीराम जांगिड	मगनीराम जांगिड कॉलोनी ख.सं. 113 व 104 व 115 व 116 भू.सं. 113	138.88 SQ.Yard	आवासीय
262	कमलादेवी पत्नी व भंवरलाल व सांवरलाल मुकेश कुमार पुत्रगण कल्याणमल जांगिड	मोहन लाल पुत्र मगनीराम जांगिड	मगनीराम जांगिड कॉलोनी ख.सं. 113 व 104 व 115 व 116 भू.सं. 114	138.88 SQ.Yard	आवासीय
263	कमलादेवी पत्नी व भंवरलाल व सांवरलाल मुकेश कुमार पुत्रगण कल्याणमल जांगिड	मोहन लाल पुत्र मगनीराम जांगिड	मगनीराम जांगिड कॉलोनी ख.सं. 113 व 104 व 115 व 116 भू.सं. 115	138.88 SQ.Yard	आवासीय
264	कमलादेवी पत्नी व भंवरलाल व सांवरलाल मुकेश कुमार पुत्रगण कल्याणमल जांगिड	मोहन लाल पुत्र मगनीराम जांगिड	मगनीराम जांगिड कॉलोनी ख.सं. 113 व 104 व 115 व 116 भू.सं. 116	138.88 SQ.Yard	आवासीय
265	कमलादेवी पत्नी व भंवरलाल व सांवरलाल मुकेश कुमार पुत्रगण कल्याणमल जांगिड	मोहन लाल पुत्र मगनीराम जांगिड	मगनीराम जांगिड कॉलोनी ख.सं. 113 व 104 व 115 व 116 भू.सं. 117	138.88 SQ.Yard	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

राजस्थान मंडपम् व यूनिटी मॉल के खिलाफ दायर पी.आई.एल. सुप्रीम कोर्ट में खारिज

शीर्ष अदालत ने कहा कि, ''जयपुर की यह विवादित भूमि, वन भूमि नहीं है और आवेदन में कोई औचित्य नहीं पाया गया है''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । सुप्रीम कोर्ट ने जयपुर में राज्य सरकार की दो योजनाओं राजस्थान मंडपम व यूनिटी मॉल का निर्माण रोकने और इस जमीन को वन भूमि घोषित करने के लिए दायर पीआईएल को खारिज कर दिया। सीजेआई बी.आर.गवई व जस्टिस के. विनोद चन्द्रन ने यह आदेश टी.एन. गोदावर्मन मामले में दायर एक पीआईएल पर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि विवादित भूमि वन भूमि नहीं है और आवेदन में कोई औचित्य नहीं पाया गया है।

याचिका इस आधार पर दायर की गई थी कि जयपुर की सांगानेर तहसील स्थित डोल का बाड़ क्षेत्र में इन परियोजना की जमीन वन भूमि है, और

- **ज्ञात रहे कि यूनिटी मॉल, जो प्रधानमंत्री की वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट पहल का हिस्सा है, तथा राजस्थान मंडपम, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, आईटी टॉवर, फाइव स्टार और फोर स्टार होटल्स तथा रिहायशी टावर्स - ये सभी परियोजनाएं राज्य मंत्रिमंडल द्वारा 95 एकड़ रीको भूमि पर अनुमोदित की गई है।**

ऐसे में इसे वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के तहत संरक्षण दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही यहां पर इन परियोजनाओं के निर्माण पर पाबंदी लगाई जाए।

जवाब में राज्य सरकार व रीको की ओर से एएजी शिवमंगल शर्मा ने कहा कि संबंधित भूमि 1979 में औद्योगिक प्रयोजन के लिए अधिग्रहित की गई थी। इसकी वैधता को सुप्रीम कोर्ट तक तय किया जा चुका है। यह भूमि 1991, 2011 और 2025 के मास्टर प्लान में औद्योगिक क्षेत्र के रूप में अंकित है। इन परियोजनाओं को रोकने के लिए एक समूह के लोग बार-बार याचिकाएं दायर कर रहे हैं। ऐसी याचिकाएं पूर्व में भी एनजीटी व राजस्थान हाईकोर्ट में भी दायर हो चुकी हैं। इन याचिकाओं को हाईकोर्ट ने खारिज कर तथ्य छिपाने पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था। राज्य सरकार ने परियोजना वाली जगह पर कोई पेड़ नहीं काटे हैं और केवल 56 पेड़ों को ही मंजूरी लेकर प्रत्यारोपित किया है। वहीं उनकी संख्या से 10 गुना अधिक पौधे वृक्षारोपण के तौर पर लगाए हैं। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने याचिका को खारिज कर दिया है। ज्ञात रहे कि यूनिटी मॉल, जो प्रधानमंत्री की वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट पहल का हिस्सा है, तथा राजस्थान मंडपम, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, आईटी टॉवर, फाइव स्टार और फोर स्टार होटल्स तथा रिहायशी टावर्स - ये सभी परियोजनाएं राज्य मंत्रिमंडल द्वारा 95 एकड़ रीको भूमि पर अनुमोदित की गई है।

'कागजों में नहीं धरातल पर काम चाहिए, स्कूलों की मरम्मत का निरीक्षण स्वतंत्र बॉडी से भी हो'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश की जर्जर स्कूलों को लेकर कहा है कि उन्हें कागजों में काम नहीं चाहिए, बल्कि काम धरातल पर दिखना चाहिए। इसके साथ ही अदालत ने स्कूलों में कराए जा रहे रिपेयरिंग के काम का निरीक्षण स्वतंत्र बॉडी से कराने की मंशा जताते हुए न्यायमित्र सहित सभी पक्षों को इसके लिए नाम सुझाने को कहा है। वहीं अदालत ने 31 अक्टूबर तक राज्य सरकार को प्रकरण में विस्तृत योजना पेश करने को कहा है। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह आदेश झालावाड़ में स्कूल बिल्डिंग गिरने से विद्यार्थियों की मौत के बाद प्रकरण में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता ने शपथ पत्र के जरिए

- **राजस्थान में जर्जर स्कूलों के मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने 31 अक्टूबर तक राज्य सरकार को विस्तृत कार्य योजना पेश करने के आदेश दिए**
- **अदालत ने यह आदेश झालावाड़ में स्कूल बिल्डिंग गिरने से विद्यार्थियों की मौत के बाद प्रकरण में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए**

जर्जर स्कूलों की मरम्मत को लेकर अदालत में जानकारी दी। महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि अधिक जर्जर स्कूलों की मरम्मत के लिए पांच लाख रुपए का बजट तय किया गया है और आगामी मार्च माह तक काम पूरा कर लिया जाएगा। वहीं शेष स्कूलों में मरम्मत का काम नवंबर, 2026 तक पूरा कर लेंगे। अदालत ने कहा कि 5 लाख रुपए में मरम्मत कैसे होगी, लाखों रुपए तो रंग-सफेदी में ही लग जाते हैं। ऐसा लगता है कि बिना परीक्षण किए सतही तौर पर यह राशि तय की गई है। इस पर महाधिवक्ता ने कहा कि जरूरत पडेगी तो और बजट जारी किया जाएगा। इसके अलावा स्कूलों के लिए कुल बजट का 11.46 फीसदी बजट स्वीकृत किया गया है। अदालत ने मरम्मत के काम के निरीक्षण का काम स्वतंत्र एजेंसी से कराने की मंशा जताते हुए कहा कि ठेकेदार की गलती से घटनाएं होती हैं। ऐसे में पीडब्ल्यूडी से निरीक्षण कराने के बजाए स्वतंत्र एजेंसी से कराया जाना चाहिए। अदालत ने महाधिवक्ता को कहा कि आप काम करने की बात कह रहे हैं, लेकिन धरातल पर कुछ दिखाई नहीं दे रहा। आज भी टीन शेड के नीचे स्कूल संचालित हो रही हैं। सभी जिलों की स्कूलों की ग्रेडिंग तय हो ताकि, काम को लेकर प्राथमिकता तय हो सके। इस पर अदालत ने कहा कि फिलहाल फोकस सुरक्षा को लेकर है। अदालत मामले की मॉनिटरिंग कर रहा है। वहीं स्वतंत्र संस्था से रिपेयरिंग का निरीक्षण स्वतंत्र एजेंसी से कराने के संबंध में सरकार से निर्देश लेने पडेंगे। एजी ने कहा कि नवंबर माह में केन्द्र सरकार से भी पैसा जारी होगा और उन्हें रोडमैप पेश करने के लिए समय दिया जाए। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई 31 अक्टूबर को तय करते हुए सभी पक्षों को स्वतंत्र एजेंसी का नाम सुझाने को कहा है।

सार-समाचार

डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग के ट्रायल्स संपन्न

जयपुर । एसबीआई डीबीएल सीजन 7 के खिलाड़ियों के ट्रायल्स स्पॉफ़िट एकेडमी में संपन्न हुए। डीबीएल चेयरमैन डॉ. अनिल यादव ने बताया कि इसमें किड्स,बॉयज़ ,मेन्स व वुमेन्स केटेगरी में ट्रायल्स हुए। लीग संयोजक डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि मेन्स केटेगरी में डॉ. बन, डॉ. अक्षत, डॉ. शुभम, डॉ. रवि शर्मा, डॉ. श्रेय गुप्ता व डॉ. महेंद्र मीना ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया व चयनित हुए । आयोजन सचिव डॉ. हनुमान खोजा ने बताया कि वूमेंस केटेगरी में डॉ. दिव्या, डॉ. काशवी, डॉ. नेहा जांगिड, डॉ. नेहा शर्मा, डॉ. लावण्या व डॉ. रिशिता ने अच्छा प्रदर्शन कर प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान पक्का किया । लीग कोऑर्डिनेटर निधि पूनिया ने बताया कि बॉयज केटेगरी में देवांश, आदित्य, दर्शील, मोहित, विनय व महेंद्र ने प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाई। लीग कॉर्डिनेटर डॉ. दिलीप गुप्ता ने बताया कि किड्स केटेगरी में मित्रुका, रैना, दहीर, नयनिका, पूर्णव राशीष, अविन, क्षितिज, अदविल व प्रियांश ने प्रतियोगिता के लिए क्वालीफ़ाई किया । लीग कॉर्डिनेटर डॉ. सुधांशु शर्मा ने बताया की यह लीग 21 से 30 नवंबर तक

आयोजित होगी जिसमें जयपुर समेत लगभग 400 खिलाड़ी भाग लेंगे।

जेसीटीएसएल यूनियन ने सौंपा ज्ञापन

जयपुर । पुरानी पेंशन योजना के संबंध में 9 अक्टूबर को राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश को वापिस लेने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम का ज्ञापन जेसीटीएसएल एम्पलाईज यूनियन एटक ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रथम विनीता सिंह को सौंपा। यूनियन के अध्यक्ष बोदूराम वर्मा ने बताया कि वित्त विभाग ने गत 9 अक्टूबर को आदेश निकाला था कि, आर्थिक रूप से कमजोर राज्य के बोर्ड, निगम, राजकीय उपक्रम, विश्वविद्यालय एवं स्वायत्तशासी संस्थाओं में सेवानिवृत्त व मृतक कर्मचारियों के आश्रितों एवं सेवारत कर्मचारियों को जीपीएफ लिंक्ड पेंशन स्कीम के तहत जमा राशि लौटने और पुरानी पेंशन योजना बन्द करने की छूट दी गई है। इस आदेश से कर्मचारियों में सामाजिक असुरक्षा का भाव उत्पन्न हो रहा है, जिससे कर्मचारियों में सरकार के प्रति गहरा आक्रोश है। पुरानी पेंशन योजना कर्मचारियों के लिये बुढापे का सहारा और सामाजिक सुरक्षा का आधार है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा जारी आदेश पुरानी पेंशन योजना से वंचित करने का अवांछनीय प्रयास है। इस आदेश में सार्वजनिक उपक्रमों व स्वायत्तशासी संस्थाओं को अपनी वित्तीय स्थिति के आधार पर पुरानी पेंशन योजना बन्द करने का आधार मिल रहा है। अगर ऐसा हुआ तो लाखों कर्मचारियों का भविष्य अंधकारमय हो जायेगा, जो कि उनके साथ अन्याय होगा।

30 से ज्यादा बसों के काटे चालान

जयपुर । जैसलमेर में बस में आग लगने के बाद राजस्थान परिवहन विभाग ने बसों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया है। इस अभियान की शुरु डीटीओ आदर्श राघव के निर्देशन में की गई है। डीटीओ ने पांच टीमों के साथ मिलकर विशेष अभियान चलाया है। टीम ने करीब डेढ से अधिक बसों की जांच है। आरटीओ प्रथम राजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि जिन बसों परमिट ,फिटनेस और टैक्स जमा नहीं है। उन बसों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया है। जिसके लिए पांच टीम बनाई गई है। पांचों ने करीब 150 से अधिक बसों की जांच की है। जांच के दौरान लगेज और क्षमता से अधिक सवारियां लेकर चलने वाली बसों के साथ ही बिना परमिट, फिटनेस और टैक्स के संचालित बसों पर कार्रवाई की है। अभियान के तहत राजस्थान परिवहन विभाग ने 30 बसों के चालान बनाए है। राजेंद्र शेखावत ने बताया कि यह विशेष अभियान दीपावली तक जारी रहेगा।

रीजीविका सदस्यों ने देखी प्रदर्शनी

जयपुर । राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका), जयपुर के तहत लगभग 1000 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने राजस्थान पुलिस द्वारा जयपुर एग्ज़िबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर सीतापुरा में आयोजित नए आपराधिक कानूनों पर लाइव प्रदर्शनी में भाग लिया। यह प्रदर्शनी 13 अक्टूबर से 21 अक्टूबर 2025 तक आयोजित की जा रही है, जिसका उद्देश्य नए आपराधिक कानूनों के प्रावधानों तथा उनकी नागरिकों, विशेषकर महिलाओं के लिए प्रासंगिकता के बारे में जन-जागरूकता बढ़ाना है। प्रदर्शनी को इस प्रकार तैयार किया गया है कि जटिल कानूनी प्रावधानों को इंटरैक्टिव डिस्प्ले, ऑडियो-विज़ुअल प्रस्तुतियों और लाइव डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से सरल और समझने योग्य बनाया जा सके। विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा, साइबर एवं डिजिटल अपराध तथा न्याय प्रणाली में सुधार से जुड़े प्रावधानों पर विशेष ध्यान दिया है।

एफएमडी नेटवर्क लेबारेट्री की समीक्षा बैठक

जयपुर । देश में पशुधन स्वास्थ्य सुरक्षा को सुदृढ करने तथा खुरपका मुंहपका रोग (एफएमडी) नियंत्रण कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा के लिए एफएमडी नेटवर्क लेबोरेट्री की 32वीं वार्षिक समीक्षा बैठक का दो दिवसीय आयोजन आज जयपुर में राज्य रोग निदान केंद्र, पशुपालन विभाग के तत्वावधान में संपन्न हुआ। संयुक्त निदेशक राज्य रोग निदान केंद्र डॉ. लोकेश कुमार शर्मा ने बताया कि ।

प्रसारण निगम का नया पेंशन पोर्टल शुरू

जयपुर। राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम ने पेंशनधारी कर्मचारियों के लिए एक नया ऑनलाइन पेंशन पोर्टल शुरू किया है। अब पेंशन से जुडी जानकारी या दस्तावेजों के लिए कर्मचारियों को अब दफ्तर के चक्कर नहीं लगाने पड़ेगे, वे घर बैठे ही पेंशन सम्बन्धी सेवायें ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे।प्रसारण निगम के प्रबन्ध निदेशक श्री सिद्धार्थ सिहाग ने बताया कि इस पोर्टल के माध्यम से पेंशनधारी कर्मचारी जीवित प्रमाण पत्र, पेंशन से जुड़ी रिपोर्ट, आदेश और भुगतान की जानकारी आसानी से ऑनलाइन देख व डाउनलोड कर सकेंगे।

एस.एम.एस. अस्पताल में रिश्वतकांड के बाद तीन पुराने कर्मचारी हटाए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । रिश्वत कांड में पकड़े गए सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के डॉ मनीष अग्रवाल के बाद एसएमएस मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने स्टोर शाखा में फेरबदल किया है।

- **स्टोर कीपर को हटाकर स्टोर इंचार्ज का सौंपी जिम्मेदारी**

जिसमें प्रिंसिपल ने स्टोर शाखा के तीन कर्मचारियों को वहां से हटा कर उनकी जगह नए कर्मचारियों को नियुक्त किया है। इसके अलावा जो कर्मचारी सालों से स्टोर कीपर के पद पर कार्यरत था, उसे हटाकर स्टोर इंचार्ज बना दिया गया है। कॉलेज के आदेशों के अनुसार, स्टोर शाखा (उपापन) में कार्यरत जगदीश प्रसाद यादव को हटाकर स्टोर कीपर बनाया गया है।

वहीं केदार प्रसाद स्वर्णकार (सामान्य शाखा) और ऋषि कुमार (संस्थापन शाखा) को स्टोर शाखा (उपापन) में नियुक्त किया गया है। सुरेन्द्र कुमार पाटीदार को स्टोर शाखा (उपापन) से सामान्य शाखा में, प्रमोद सिंह को लेखा शाखा से भंडार शाखा में और धनंजय सिंह को भंडार शाखा से लेखा शाखा में स्थानांतरित किया गया है।

इसके अलावा, शंकर लाल जलुथरिया, जो पिछले कई सालों से स्टोर कीपर के पद पर कार्यरत थे, शंकर लाल जलुथरिया को अब स्टोर इंचार्ज बनाया गया है।

बताया जा रहा है कि रिश्वत कांड में पकड़े गए डॉ मनीष अग्रवाल पर 11 शाखाओं का भार था , वो 11 शाखाओं का काम देखते थे। डॉ मनीष अग्रवाल के पास आईटी सेल, आरटीआई एवं लीगल सेल, महिला एवं जनाना हॉस्पिटल के सुपरविजन, पैरा क्लिनिक डिपार्टमेंट समेत कई अन्य विभागों का प्रभार था।बताया जा रहा है।

कि मेडिकल कॉलेज में स्टोर शाखा का महत्वपूर्ण रोल है। मेडिकल कॉलेज के अलावा इससे अटैच 7 अन्य अस्पताल में मेडिकल से जुड़े उपकरण तमाम सामान और दवाईयां सप्लाई होती है।

दिवाली से पूर्व 159 आवंटियों को मिले सपनों के घर के आवंटन पत्र

यू.डी.एच. मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने लाभार्थियों को सौंपे दस्तावेज

जयपुर। राजस्थान हाउसिंग बोर्ड द्वारा निर्मित समृद्धि अपार्टमेंट, जयपुर के 159 पात्र आवंटियों को बुधवार को उनके आवंटन पत्र सौंपे गए। इस अवसर पर नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने लाभार्थियों को उनके सपनों के घर के दस्तावेज़ सौंपे ।

यह आयोजन प्रताप नगर स्थित

- **शहरी सेवा शिविर 2025 में राजस्थान हाउसिंग बोर्ड ने अब तक 2200 से ज्यादा प्रकरणों को निस्तारण किया**

मण्डल के वृत प्रथम कार्यालय में चल रहे शहरी सेवा शिविर 2025 अभियान के अंतर्गत किया गया। मंत्री खर्रा ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल मकान बनाना नहीं, बल्कि हर परिवार को सम्मानजनक जीवन देना है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में हर सर को छत के संकल्प को साकार करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। मंत्री खर्रा ने सभी 159 आवंटियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह घर केवल चार दीवारें नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत और आत्मनिर्भर जीवन की नींव

नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बुधवार को हाऊसिंग बोर्ड की ओर से आयोजित शहरी सेवा शिविर में लाभार्थियों को आवंटन पत्र सौंपे। इस मौके पर आवासन अध्यक्ष देबाशीष पृष्टि भी मौजूद थे।

हैं। उल्लेखनीय है की शहरी सेवा शिविर 2025 के माध्यम से हाऊसिंग बोर्ड ने अब तक लगभग 2200 से ज्यादा प्रकरणों का निस्तारण किया है ।

आवासन अध्यक्ष देबाशीष पृष्टि ने कहा कि राजस्थान हाउसिंग बोर्ड ने अपनी योजनाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता को प्राथमिकता दी है। समृद्धि अपार्टमेंट परियोजना आम नागरिकों को किफायती दरों पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त आवास प्रदान करने का सफल उदाहरण है। हाऊसिंग बोर्ड बोर्ड अब पारंपरिक निर्माण से आगे बढ़कर तकनीकी नवाचार व नागरिक सुविधा केंद्रित परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है। आगामी समय में बोर्ड द्वारा राज्यभर में कई नई आवासीय परियोजनाएँ प्रारंभ की जाएंगी।

आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया की समृद्धि आवासीय योजना में प्रति फ्लैट की कीमत 35 लाख अनुमानित थी, लेकिन मण्डल ने उसी उच्च गुणवत्ता के साथ प्रत्येक फ्लैट 31 लाख में दिया है। मण्डल भविष्य में भी विभिन्न आय वर्ग के लिए इसी तरह किफायती दरों पर उच्च गुणवत्ता वाले आवास उपलब्ध करवाता रहेगा ।

एक अप्रैल से नवीन शैक्षिणक सत्र शुरू करने पर मंथन

जयपुर । बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण उपलब्ध कराने और पढ़ाई के दिवसों की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग आगामी सत्र से एक बड़ा नवाचार करने की ओर अग्रसर है। इसके तहत विभाग अगला शैक्षिक सत्र 1 अप्रैल से आरंभ करने पर विचार कर रहा है। इस बाबत शिक्षा संकुल में शासन सचिव, स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, जिसमें विभाग के पदाधिकारियों एवं शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों से नए सत्र को एक अप्रैल से शुरू करने पर मंथन किया गया। बैठक में शासन सचिव कुणाल ने इस नवाचार के उद्देश्य बताते हुए कहा कि शैक्षिक सत्र में परिवर्तन से एनईपी 2020 के अनुरूप शिक्षण संभव होगा। इससे न केवल शिक्षण दिवसों की संख्या 180 से बढ़कर 210-220 दिवस तक हो जाएगी, बल्कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अधिक समय भी मिलेगा। इसके साथ ही सीबीएसई के शैक्षिणक कैलेंडर से एकरूपता स्थापित होने से विद्यालयों में नामांकन दर में वृद्धि की भी संभावना है।

इस दौरान उन्होंने शिक्षकों की कथित समस्याओं को भी ध्यान पूर्वक सुना और उनके जल्द समाधान का आश्वासन दिया। बैठक में निदेशक, माध्यमिक शिक्षा सीताराम जाट ने उपस्थित प्रतिनिधियों से आवश्यक सुझाव आमंत्रित किए और विभाग की ओर से सभी आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया।

आयकर विभाग जयपुर रेंज प्रथम का एमटीएस गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय की जयपुर नगर तृतीय जयपुर टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए आयकर विभाग जयपुर रेंज-प्रथम एमटीएस (मल्टी टास्किंग स्टाफ) के विष्णु पारीक को दस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी चौकी जयपुर नगर तृतीय जयपुर को परिवादी ने शिकायत दी कि उसकी फर्म साकेत जेम्स के आयकर रिटर्न वर्ष 2014-15 के आयकर अपीलीय

अधिकरण न्यायपीठ जयपुर द्वारा दिये गये फैसले में परिवादी के करीब 58 लाख रुपये आयकर विभाग को लौटाने का आदेश जून 2024 में दिये।

''विकसित राजस्थान 2047'' के विजन डॉक्यूमेंट पर काम कर रही भजनलाल सरकार

जयपुर (कासं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''विकसित भारत 2047'' के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने भी ''विकसित राजस्थान 2047'' विज़न डॉक्यूमेंट तैयार किया है। इसमें प्रदेश की अर्थव्यवस्था वर्ष 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। भजनलाल सरकार गरीब, युवा, महिला और किसानों के सशक्तीकरण को केन्द्र में रखते हुए इस विजन डॉक्यूमेंट के मुताबिक काम कर ही है।

- **वर्ष 2047 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था 4.3 ट्रिलियन डॉलर बनाने का लक्ष्य**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बने इस विज़न डॉक्यूमेंट में राजस्थान में शिक्षा, स्वास्थ्य, जल प्रबंधन, शहरी विकास, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक व आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में विकास के लिए लक्ष्य तय किये गए हैं। इनके अनुरूप प्रदेश में शत-प्रतिशत साक्षरता, कौशल आधारित शिक्षा, सुलभ एवं आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, जलवायु अनुकूल-जल प्रबंधन, स्मार्ट शहरीकरण और किफायती आवास सुनिश्चित किए जाएंगें। साथ ही, महिलाओं और युवाओं को कौशल, उद्यमिता एवं नेतृत्व के अवसर प्रदान कर उनकी राज्य के विकास यात्रा में भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी।

यह विजन चार प्रमुख थीम और 13 सेक्टर्स पर आधारित है। पहली थीम जनकल्याण और सामाजिक सशक्तीकरण है, जिसमें कृषि-खाद्य प्रणाली, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक समावेशन जैसे आयाम शामिल हैं। दूसरी थीम त्वरित विकास, समृद्धि और रोजगार सृजन पर केंद्रित है, जिसके अंतर्गत औद्योगिक, खनन और पर्यटन क्षेत्रों में नई संभावनाएं विकसित की जा रही हैं। तीसरी थीम भविष्य उन्मुख राजस्थान की है, जिसमें आधारभूत अवसंरचना, जल सुरक्षा, पर्यावरणीय स्थायित्व और जलवायु अनुकूलता को प्राथमिकता दी गई है। चौथी थीम संवर्धक नीति, वित्त और शासन की है, जो ग्रामीण व शहरी विकास, प्रभावी शासन, डिजिटल सेवाओं और वित्तीय प्रबंधन को मजबूत करने पर केंद्रित है।

राज्य सरकार ने वर्ष 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस विजन डॉक्यूमेंट में वर्ष 2047 तक कृषि क्षेत्र में जलवायु अनुकूल और तकनीक आधारित खेती के माध्यम से उत्पादकता में 40 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य रखा गया है। हर नागरिक को स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच में लाने, मातृ मृत्यु दर को 15 तक लाने, शिशु मृत्यु दर को प्रति हजार जीवित जन्मों पर 10 से कम करने और जीवन प्रत्याशा को 77 वर्ष तक पहुंचाने की योजना बनाई गई है। विजन डॉक्यूमेन्ट के अनुसार औद्योगिक विकास के माध्यम से राज्य में एक करोड से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। महिलाओं की कार्यबल भागीदारी 60 प्रतिशत से अधिक करने का संकल्प लिया गया है। राज्य सरकार द्वारा निर्यात को भी पांच गुना बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। ऊर्जा क्षेत्र को 33 गीगावाट से बढ़ाकर 290 गीगावाट करने का लक्ष्य है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में तैयार यह विज़न डॉक्यूमेंट राजस्थान इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन एंड इनोवेशन द्वारा नीति आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार किया है, जिसे राज्य मंत्रिमंडल ने 23 अगस्त को अनुमोदित किया था। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी13 अक्टूबर को विकसित राजस्थान-2047 की कार्ययोजना विमोचन किया।

इस दस्तावेज को राज्य, संभाग और जिला स्तर पर 1156 बैठकों के माध्यम से सुझाव प्राप्त कर तैयार किया गया है। विभिन्न स्तरों पर हितधारकों, विषय विशेषज्ञों, विभागीय अधिकारियों से गहन चर्चा तथा आमजन से प्राप्त सुझावों के आधार पर वर्ष 2030, 2035, 2040 और 2047 के लक्ष्य तय किए गए हैं। विजन के सफल क्रियान्वयन की दृष्टि से मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी बनाई गई है। साथ ही, 45 विभागों को 13 सेक्टरों में विभाजित करते हुए नोडल विभाग नामित किए गए हैं तथा विभागीय स्तर पर परियोजना प्रबंधन इकाइयां भी स्थापित की गई हैं।

पंचायतीराज विभाग का अधिशाषी अभियंता रामवतार मीणा निकला करोडों का मालिक

ए.सी.बी. की टीमों ने ऑपरेशन ''भूदेव'' चलाकर रामवतार मीणा के जयपुर, करौली, गंगापुर सिटी और उदयपुर में एक दर्जन से ज्यादा ठिकानों पर सर्च अभियान चलाया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ए.सी.बी.) ने कार्रवाई करते हुए पंचायती राज विभाग इन्दिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान जयपुर के अधिशाषी अभियंता हाल एसोसियट प्रोफेसर रामावतार मीणा के विरूद्ध आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज कर ऑपरेशन ''भूदेव'' चलाया। ए.सी.बी. ने रामवतार के जयपुर, करौली, गंगापुर सिटी व उदयपुर में स्थित एक दर्जन ठिकानों पर सर्च अभियान चलाया। एसीबी को सर्च कार्यवाही में करोड़ों रूपये के आलीशान मकान और फार्म हाउस होने की पुष्टि हुई।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि ब्यूरो मुख्यालय को गोपनीय शिकायत प्राप्त हुई थी कि पंचायती राज विभाग,इन्दिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान जयपुर के अधिशाषी अभियंता हाल एसोसियट प्रोफेसर रामावतार मीणा द्वारा पद पर रहते हुए रिश्वत प्राप्त की जाकर भ्रष्ट तरीके से भ्रष्टाचार के द्वारा स्वयं एवं अपने परिवारजनों के नाम से अपनी वैद्य आय से अनुपातिक रूप से अधिक चल-अचल सम्पतियां

आरोपी रामवतार मीणा

अर्जित की गई हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करोड़ों रुपए है।

इस शिकायत का एसीबी की इंटेलिजेंस टीम ने गोपनीय रूप से सत्यापन किया गया तथा अधिकारी द्वारा जयपुर, गंगापुर सिटी, करौली, उदयपुर के विभिन्न स्थानों पर आवासीय भूखण्ड, प्लांट्स, फार्म हाउस, कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, अर्जित करने के तथ्य प्रकट हुए। जिस पर विस्तृत रूप से तथ्य संकलित किये गये एवं तथ्यों की जाँच होने पर करीब 2.77 करोड़ (करीब 115 प्रतिशत) की परिसम्पत्तियां वैद्य आय से अधिक अर्जित का मामला बनना पाया जाने पर

- **करोड़ों रूपये के आलीशान मकान और फार्म हाउस होने की पुष्टि हुई**

प्रकरण दर्ज किया गया।

जिस पर ए.सी.बी. जयपुर नगर प्रथम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र अनुसंधान अधिकारी के नेतृत्व में सक्षम न्यायालय से तलाशी वारंट प्राप्त कर एसीबी की एक दर्जन से अधिक टीमों ने एक साथ बुधवार अल सुबह अधिशाषी अभियंता हाल एसोसियट प्रोफेसर रामावतार मीणा के जयपुर, गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर एवं उदयपुर के विभिन्न स्थानों पर आवासीय भूखण्ड, प्लाट्स, फार्म हाउस, केसर, कन्स्ट्रक्शन कम्पनी करीब एक दर्जन विभिन्न ठिकानों पर तलाशी की कार्यवाही की गयी।

अब तक कि गयी सर्च कार्यवाही प्रथम सूचना रिपोर्ट में अंकित जयपुर शहर में इन्दिरा गांधी नगर में प्राइम लोकेशन पर 6 बडे प्लाट/मकान, जयपुर के जगतपुरा क्षेत्र में रोहिणी नगर टीलावाला में करोड़ों रूपये की बेनामी सम्पति, जयपुर के अचलपुरा कोटखावदा में मुख्य मार्ग पर बेशकीमती व्यावसायिक उपयोग के लिए लाखो रूपये की कृषि भूमि में निवेश, खिरखिड़ा गांव करौली में करीब 5 बीघा का खेत/फार्म हाउस, जिसमे लाखों रुपये का निर्माण कार्य हो रखा है। गंगापुर सिटी में दो मंजिला मकान एवं गंगापुर सिटी के जमीन चल-अचल संपत्ति होने की पुष्टि हुयी।

आरोपी द्वारा इन्दिरा गांधी नगर जयपुर में करीब 7500 वर्गफीट में एक आलीशान कोठी का निर्माण करवाया जा रहा है, जिसमें अब तक करीब एक करोड़ रुपये का व्यय करना प्रकट हुआ है। जयपुर स्थित आलीशान मकान व खिरखिड़ा करौली स्थित फार्म हाउस, गंगापुर सिटी स्थित आलीशान दो मंजिला मकान आदि में करोडो रुपये व्यय होने का अनुमान है। मकान, फार्म हाउस की कीमत का आकलन तकनीकी विशेषज्ञ अग्रूव्ड वैल्यू के अनुसार करवाया जा रहा है। तलाशी के दौरान करीब 3 लाख रुपये एवं लाखो रूपये का महंगी लग्जरी वाहन, जीप कम्पास होने की पुष्टि हुयी। सर्च कार्यवाही में आरोपी द्वारा अपनी पत्नी के नाम से कन्स्ट्रक्शन कम्पनी एवं माइनिंग लीज होने की पुष्टि हुई। जिसमें आरोपी द्वारा करोड़ों रुपये का निवेश करना सामने आया।

विराट कोहली आईपीएल से रिटायर नहीं हो रहे हैं, विराट ने वादा किया था कि वह अपना पहला और आखिरी मैच सिर्फ बेंगलुरु के लिए ही खेलेंगे। - मोहम्मद कैफ

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, विराट कोहली के रिटायरमेंट को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मेहदी हसन

बंगलादेश के वनडे कप्तान मेहदी हसन का मानना है कि टीम अपनी गलतियों से नहीं सीख रही है, जिसका खामियाजा उन्हें 50 ओवरों के प्रारूप में भुगतना पड़ रहा है। अफ़ग़ानिस्तान ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में बंगलादेश का सफाया कर दिया, जिसमें बंगलादेश टीम की बल्लेबाजी बुरी तरह चरमरा गई। मेहदी ने कहा, ''हम हर हार से नहीं सीख रहे हैं। हम जरूरत के मुताबिक सुधार नहीं कर पा रहे हैं। हममें कुछ क्षेत्रों में जरूर कमी है, लेकिन हमें इन खिलाड़ियों के साथ आगे बढ़ना होगा।'' उन्होंने आगे कहा, ''हमारे पास (टीम के) बाहर ज़्यादा खिलाड़ी नहीं हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय एथलीट विस्पी खराडी ने दुनिया में अपनी ताकर का डंका बजा दिया है। खराडी ने हरक्यूलिस पिलर को लंब समय तक अपने हाथों से होल्ड कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज करा दिया है।

अहमदाबाद, भारत की 2030 शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों के मेजबान के रूप में सिफारिश

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स के कार्यकारी बोर्ड ने आज पुष्टि की है कि वह 2030 शताब्दी कॉमनवेल्थ गेम्स के प्रस्तावित मेजबान शहर के रूप में भारत के अहमदाबाद की सिफारिश करेगा। अमदावाद (जिसे भारत के गुजरात राज्य में अहमदाबाद के नाम से भी जाना जाता है) को अब पूर्ण कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स सदस्यता के लिए प्रस्तावित किया जाएगा, जिसका अंतिम निर्णय 26 नवंबर 2025 को ग्लासगो में कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स महासभा में लिया जाएगा।

अमदावाद की सिफारिश कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स मूल्यांकन समिति द्वारा देखरेख में की गई एक विस्तृत प्रक्रिया के बाद की गई है, जिसमें तकनीकी वितरण, एथलीट अनुभव, बुनियादी ढाँचा, शासन और कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स मूल्यों के साथ संरेखण सहित कई मानदंडों के आधार पर उम्मीदवार शहरों का मूल्यांकन किया गया था।

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स के गेम्स रीसेट सिद्धांतों के तहत, जो संभावित मेजबानों को नवोन्मेषी बनने और सहयोगात्मक रूप से काम करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, अहमदाबाद, भारत और अबुजा, नाइजीरिया, दोनों ने आकर्षक प्रस्ताव प्रस्तुत किए जो कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स मूवमेंट की महत्वाकांक्षा और क्षमता को दर्शाते हैं। यह सिफारिश कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स मूवमेंट के लिए एक ऐतिहासिक क्षण का प्रतिनिधित्व करती है।

2030 के खेल, 1930 में हैमिल्टन, कनाडा में आयोजित उद्घाटन समारोह का शताब्दी वर्ष मनाएंगे। ग्लासगो 2026 तेजी से नजदीक आ रहा है और एथलीटों और प्रशंसकों, दोनों के लिए एक वाह कारक लाने का वादा करता है, आज की सिफारिश शताब्दी खेलों और उससे आगे के लिए एक रोमांचक मंच प्रदान करती है, जो दीर्घकालिक स्थिरता और गति प्रदान करती है। भारत, जो राष्ट्रमंडल में सबसे अधिक आबादी वाला देश है, का एक गौरवशाली खेल इतिहास और राष्ट्रमंडल खेलों की सफलता का एक मज़बूत रिकॉर्ड है, बर्मिंघम 2022 में पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा। अहमदाबाद का प्रस्ताव राष्ट्रमंडल के मूल्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और आधुनिक खेलों के पैमाने और विविधता को दर्शाने वाले खेलों का आयोजन करने की उसकी क्षमता पर ज़ोर देता है।

कतर, सऊदी अरब ने 2026 फीफा विश्वकप के लिए क्वालीफाई किया

बीजिंग, 15 अक्टूबर। कतर और सऊदी अरब 2026 फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली नवीनतम दो एशियाई टीमें बन गईं। एशियाई क्वालीफायर के चौथे दौर में छह टीमों को दो समूहों में विभाजित किया गया था, जिसमें ग्रुप विजेता सीधे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगे।

पिछले शनिवार को ग्रुप ए में ओमान को 2-1 से हराने के बाद, संयुक्त अरब अमीरात कतर के खिलाफ ड्रॉ के साथ क्वालीफाई कर सकता है, जिसने पिछले हफ्ते ओमान के साथ 0-0 का ड्रॉ खेला था।

पहले हाफ में गोलरहित रहने के बाद, 2022 विश्व कप के मेजबान ने ब्रेक के तुरंत बाद बढ़त बना ली, जब अकरम अफीफ की फ्री किक को बौआलम खोउखी ने गोल में पहुंचाया, इससे पहले पेड्रो मिगुएल ने मंगलवार को 74वें मिनट में अफीफ की एक और सहायता से स्कोर 2-0 कर दिया। 89वें मिनट में तारेक सलमान को लाल कार्ड दिखाए जाने के बाद कतर की टीम की कुल संख्या दस हो गई। इसके बाद यूएई ने अतिरिक्त समय में एक गोल वापस ले लिया।

रोहित-विराट की होगी ऑस्ट्रेलिया में विदाई, अब बीसीसीआई ने कर दिया साफ

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। लगातार रोहित शर्मा और विराट कोहली के वनडे क्रिकेट के भविष्य को लेकर अब बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने अब अपनी चुप्पी तोड़ दी है। दरअसल, चर्चा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली की विदाई हो जाएगी।

वहीं राजीव शुक्ला ने एएनआई से बातचीत में कहा कि रोहित-विराट की मौजूदगी टीम को फायदा दिलाएगी क्योंकि दोनों शानदार बल्लेबाज हैं। उन्होंने कहा कि, रोहित-विराट की वनडे टीम में मौजूदगी हमारे लिए फायदेमंद है। दोनों ही दिग्गज बल्लेबाज हैं। दोनों की उपस्थिति में मुझे लगता है कि हम ऑस्ट्रेलिया को मात देने में कामयाब होंगे। शुक्ला ने साथ ही कहा कि, जहां तक दोनों की आखिरी सीरीज का सवाल है तो ऐसा कुछ भी नहीं है। हम इन चीजों में कभी नहीं पड़ेंगे। ये खिलाड़ी पर निर्भर करता है कि वो कब संन्यास लेना चाहता है। ये कहना कि आखिरी सीरीज है, बिलकुल गलत है।

बता दें कि, रोहित शर्मा और विराट कोहली का चयन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 अक्तूबर से शुरू होने जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए हुआ है। दोनों दिग्गजों का लक्ष्य 2027 वनडे वर्ल्ड कप खेलना है, जो साउथ अफ्रीका और नामीबिया की मेजबानी में आयोजित होगा।

शुभमन गिल को नया कप्तान बनाया गया है जबकि अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह और तिलक वर्मा ने दमदार प्रदर्शन करके अपनी छाप छोड़ी है। इन खिलाड़ियों के कारण रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य पर सवाल खड़े हो रहे हैं। 2027 तक रोहित की उम्र 40 जबकि कोहली की उम्र 39 साल हो जाएगी।

जोरावर सिंह संधू ने संभाली भारतीय चुनौती

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। अनुभवी भारतीय निशानेबाज ज़ोरावर सिंह संधू ने इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन विश्व चैंपियनशिप शॉटगन 2025 में पुरुष ट्रैप क्वालिफिकेशन के पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया और शीर्ष निशानेबाजों के साथ तालमेल बनाए रखा। ज़ोरावर ने 24 और 25 के राउंड शूट करते हुए कुल 49 हिट्स का स्कोर दर्ज किया और 133 प्रतिभागियों के मजबूत फील्ड में अपना स्थान बनाए रखा।

क्रोएशिया के एंटन ग्लासनोविच और मोरक्को के तौफीक एल हमरी फिलहाल पुरुष क्वालिफिकेशन में संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं, जिन्होंने 50 में से 50 का परफेक्ट स्कोर हासिल किया है। ज़ोरावर 13 अन्य निशानेबाज़ों के साथ 49 हिट्स पर संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। एथेंस स्थित मलकासा शूटिंग रेंज पर पहले दिन शानदार मुकाबले देखने को मिले।

अन्य भारतीयों में, विवान कपूर और भवनीश मेन्दिरत्ता ने भी दूसरे राउंड में परफेक्ट 25 हिट किए। विवान ने दो राउंड में 23 और 25 का स्कोर बनाते हुए 48 हिट्स के साथ दिन का अंत किया।

चतुर्थ डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता

गजेन्द्र सिंह 28/5 की घातक गेंदबाजी से एन.बी. एकेडमी 5 विकेट से विजयी

जयपुर, 15 अक्टूबर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज से एन.बी. क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में प्रारम्भ चतुर्थ डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये मुकाबले में एन.बी. क्रिकेट एकेडमी ने गजेन्द्र सिंह 28 रन पर 5 विकेट, श्रवण गोदारा 34 रन पर 3 विकेट की घातक गेन्दबाजी की बदोलत नैना क्रिकेट एकेडमी को 5 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर नैना एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये आशिष शर्मा 63 रन, 46 गेन्द 3 चौके 4 छक्के, रोविन सिंह 33 रन, भरत शर्मा 22 रन को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज गजेन्द्र सिंह 28 रन पर 5 विकेट, श्रवण गोदारा 34 रन पर 3 विकेट की घातक गेन्दबाजी के समक्ष नहीं टिक सके और पूरी टीम 20 ओवर में 164 रन बनाकर सीमट गई। जवाबी पारी में एन.बी. किक्रेट एकेडमी की ओर से अमन सिंह 41 रन तथा चिराग शर्मा 37 रन ने 6.3 ओवर में ही 74 रन जोड़कर शानदार शुरूआत की इसके बाद राहुल तोमर 43 रन ने चिराग शर्मा के साथ मिलकर 12 ओवर में ही स्कोर 128 रन पहुँचा कर टीम की जीत सुनिश्चत कर ली ओर 18.3 ओवर में 5 विकेट खोकर 165 रन बनाकर 5 विकेट से नैना क्रिकेट एकेडमी को हरा दिया। इस मैच का मैनऑफ दा मैच गजेन्द्र सिंह एन.बी. क्रिकेट एकेडमी रहे।

दक्षिण अफ्रीका ने 2026 फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

केप टाउन, 15 अक्टूबर। दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार रात मपुमलंगा प्रांत के म्बोम्बेला स्टेडियम में रवांडा को 3-0 से हराकर 2026 फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया। थालेंटे मबाथा, ओसविन अपोलिस और एविडेंस माकगोपा के गोलों ने जीत सुनिश्चित की और 2010 में टूर्नामेंट की मेजबानी के बाद पहली बार दक्षिण अफ्रीका को फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर वापस ला दिया। बेल्जियम के ह्यूगो ब्रूज द्वारा प्रशिक्षित, टीम ने 10 मैचों में 18 अंकों के साथ ग्रुप सी में शीर्ष स्थान हासिल किया और महाद्वीपीय प्रतिद्वंद्वी नाइजीरिया और आश्चर्यजनक दावेदार बेनिन से आगे रही। यह दक्षिण अफ्रीका का चौथा विश्व कप है, इससे पहले 1998 और 2002 में भी वह विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुका है, और 2010 में भी उसे मेजबान के रूप में स्वत: ही जगह मिली थी। दक्षिण अफ्रीका के खेल, कला और संस्कृति मंत्री गेटन मैकेंजी ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि उनके क्वालीफाई करने से ''पूरा देश खुशी से भर गया है।'' उन्होंने खिलाड़ियों की ''दिली, अनुशासन और दृढ़ संकल्प'' की सराहना की।

रोहित और विराट को ऑस्ट्रेलियाई धरती पर खेलते देखने का यह शायद आखिरी मौका : कमिंस

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। भारत अपने बहुप्रतीक्षित 2025 के ऑस्ट्रेलिया दौरे की तैयारी कर रहा है, जिसमें तीन वनडे और पांच टी20 मैच शामिल हैं, जिसकी शुरुआत 19 अक्टूबर को होने वाले पहले वनडे से होगी। यह श्रृंखला और भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि इसमें भारत के दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी हो रही है। जियोहॉटस्टार पर विशेष बातचीत में, ऑस्ट्रेलियाई स्टार पैट कमिंस ने अहमदाबाद में अपनी टीम की 2023 आईसीसी विश्व कप की अविस्मरणीय जीत, रोहित और विराट की स्थायी विरासत और इन ऐतिहासिक मुकाबलों को लेकर उत्सुकता पर बात की।कमिंस ने 2023 विश्व कप जीत की यादें ताज़ा करते हुए कहा,अहमदाबाद में, भारी भीड़ के सामने, विश्व कप जीतना हमेशा मेरी सबसे अच्छी यादों में से एक रहेगा। इतने बेहतरीन साथियों के साथ ऐसा करना बहुत मज़ेदार था। हमने पूरे टूर्नामेंट का भरपूर आनंद लिया और खूब मस्ती की। हमने उस पल से अभिभूत होने की कोशिश नहीं की। हम बस जीतना चाहते थे। अगर हम नहीं जीतते, तो भी हमें कोई दिक्कत नहीं होती क्योंकि हम खुशी और आजादी के साथ खेले। उस पल से बहुत सारी बेहतरीन यादें जुड़ीं। रोहित शर्मा और विराट कोहली का सामना करने के महत्व पर उन्होंने कहा, विराट और रोहित पिछले 15 सालों से लगभग हर भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं, इसलिए ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों के लिए उन्हें यहां खेलते हुए देखने का यह आखिरी मौका हो सकता है। वे निश्चित रूप से भारत के लिए खेल के चैंपियन रहे हैं और उन्हें हमेशा बहुत अच्छा समर्थन मिलता है। जब भी हम उनके साथ खेलते हैं, दर्शक ज़ोर-ज़ोर से तालियां बजाते हैं। कमिंस ने भारत के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की श्रृंखला से उनकी अनुपस्थिति पर कहा, भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला से चूकना शर्मनाक है।

अंडर-19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी : राजस्थान ने महाराष्ट्र को 34 रन से हराया

सीनियर वीमेन टी-20 ट्रॉफी : राजस्थान ने सौराष्ट्र को 8 विकेट से हराया

जयपुर 15 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआईकी रांची में खेली जा रहे वीनू मांकड़ ट्रॉफी में राजस्थान ने महाराष्ट्र को 34 रन से हराया। वीनू मांकड़ अंडर 19 ट्रॉफी राजस्थान -महाराष्ट्र मैच। राजस्थान पारी 193/8, टीम के लिए कुशाग्र ओझा 61 , भव्य राज नाबाद 43 व जतिन नाबाद25 रन। महाराष्ट्र के गेंदबाज रौनक 44/4 विकेट। महाराष्ट्र पारी 159 आल आउट। टीम के लिए यतिराज 60 रन। राजस्थान के गेंदबाज अभिषेक 25 /3 , हनी प्रताप 43 /3 , जतिन 20 /2 व हर्षदगडी 38/2 विकेट। राजस्थान - छत्तीसगढ़ रणजी मैच (पहले दिन का स्कोर)

नाथद्वारा में राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में खेले जा रहे राजस्थान - महाराष्ट्र रणजी मैच के पहले दिन का स्कोर :-छत्तीसगढ़ पहली पारी 287/7, पहले दिन का खेल समाप्त होने तक छत्तीसगढ़ ने अपनी पहली पारी में 7 विकेट के नुकसान पर 287 रन बना लिए थे। टीम के लिए अजय मंडल नाबाद 116, वासुदेव नाबद 46 रन। राजस्थान के गेंदबाज अनिकेत चौधरी 48/3, खलील अहमद 65/2, मानव सुथार 88/1 विकेट ।

बीसीसीआई सीनियर वीमेन टी20 ट्रॉफी (राजस्थान ने सौराष्ट्र को 8 विकेट से हराया) सौराष्ट्र पारी -103/8, टीम के लिए उमेश्वरी30 व आयुषी 26 रन। राजस्थान की गेंदबाज सोनल कलाल 20/3, शानू 17/2 व सुमन, अर्चना 1-1 विकेट। राजस्थान पारी104/2, टीम के लिए आयुषी गर्ग नाबाद 48, सुमित्रा जाट 31 व डिम्पल कँवर 13 रन। सौराष्ट्र की गेंदबाज धरणी, हिरवा 1-1 विकेट राजस्थान - मुंबई अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी मैच कल से जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडयम पर खेला जायेगा।

ईशान किशन के शतक ने झारखंड़ को संकट से उबारा

चेन्नई, 15 अक्टूबर। कप्तान ईशान किशन के नाबाद शतक और साहुल राज के अर्धशतक की बदौलत झारखंड ने मुश्किल हालात से उबरते हुए आज कोयंबटूर में तमिलनाडु के खिलाफ पहले एलीट ए ग्रुप रणजी ट्रॉफी क्रिकेट मैच के पहले दिन छह विकेट पर 307 रन बनाए। पहले बल्लेबाजी करते हुए, झारखंड ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और 51 ओवर में छह विकेट पर 157 रन बनाकर संघर्ष कर रहा था।

हालांकि, बाएं हाथ के बल्लेबाज ईशान किशन ने अपना नौवां प्रथम श्रेणी शतक जड़कर टीम को संकट से उबारा और इस दौरान आठवें नंबर के बल्लेबाज साहुल राज (64 रन, 6 चौके, 2 छक्के) के साथ सातवें विकेट के लिए 39 ओवर में 150 रन जोड़कर टीम को सम्मानजनक स्थिति में पहुँचाया।

दिन की समाप्ति के समय ईशान किशन 125 रन (183 गेंद, 14 चौके, 2 छक्के) बनाकर खेल रहे थे और टीम को अच्छा स्कोर बनाने में मदद करने के लिए अपनी पारी को आगे बढ़ाना चाहेंगे। इससे पहले सलामी बल्लेबाज शरणदीप सिंह ने 48 रन बनाए, जबकि शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाज बाएँ हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह के हाथों आउट हो गए, जिन्होंने शीर्ष क्रम को ध्वस्त करते हुए तीन विकेट लिए। बाएं हाथ के स्पिनर डी. टी. चंद्रशेखर ने दो विकेट लेकर सराहनीय सहयोग दिया।

संक्षिप्त स्कोर: झारखंड 90 ओवर में 6 विकेट पर 307 रन (शरणदीप सिंह 48, ईशान किशन नाबाद 125, साहिल राज नाबाद 64 , गुरजपनीत सिंह 51 रन पर 3 विकेट, डी. टी. चंद्रशेखर 99 रन पर 2 विकेट)

यूनियन फुटबॉल क्लब टूर्नामेंट का शुभारंभ

जयपुर, 15 अक्टूबर। बुधवार को प्रात: न्यायाधीश हरिओम अत्री ने यूनियन फुटबॉल क्लब2025 के तीन दिवसीय बालक-बालिका फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ यूनियन फुटबॉल क्लबग्राउंड नंबर. 2, रामनिवास बाग, जयपुर में किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मोबाइल और डिजिटल युग के कारण नई पीढ़ी का अधिकांश समय वीडियो गेम्स में व्यर्थ जा रहा है, परंतु क्लब कोऑर्डिनेटर अभिनव स्वामी के प्रयास सराहनीय हैं, जो खेल के माध्यम से युवाओं में नई ऊर्जा, अनुशासन और राष्ट्र को स्वस्थ एवं सशक्त मानव संसाधन देने की दिशा में सफल प्रयास कर रहे हैं। कार्यक्रम में न्यायाधीश लोकेन्द्र सिंह शेखावत, न्यायाधीश प्रदीप कुमावत, मैत्री लोन के बसंत गोयल, क्लब सचिव महिपाल स्वामी सहित सैकड़ों खिलाड़ी एवं अभिभावक उपस्थित रहे। आज कुल 9 बालक टीमों एवं 2 बालिका टीमों ने भाग लिया।

भीलवाड़ा की अदविका बैडमिंटन में बनी राजस्थान चैम्पियन

जयपुर, 15 अक्टूबर। जोधपुर में 10 से 15 अक्टूब तक आयोजित प्रतिष्ठित योनेक्स-सनराइज राजस्थान स्टेट सब जूनियर अंडर-15 बैडमिंटन चैंपियनशिप में भीलवाड़ा की प्रतिभावान खिलाड़ी अदविका शर्मा ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया है। अदविका ने इस चैंपियनशिप में 2 स्वर्ण पदक और कांस्य पदक जीतकर ''राजस्थान चैंपियन'' का खिताब अपने नाम किया। उनकी इस अविश्वसनीय उपलब्धि ने पूरे प्रदेश में भीलवाड़ा का नाम रोशन किया है।

यह भीलवाड़ा के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि अदविका यह कीर्तिमान स्थापित करने वाली जिले की पहली बालिका खिलाड़ी बन गई है। उनकी कड़ी मेहनत, लगन और अद्भूत प्रतिभा ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष विजय सिंह सक्तावत, संयुक्त सचिव भूपेन्द्र सिंह पंवार, रितेश क्षोत्रिय, उपाध्यक्ष राजेश भदादा एवं साहिल सालगिया, संदीप आनन्द सहित कई पदाधिकारियों ने अदविका शर्मा को इस शानदार जीत पर हार्दिक बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना कामना की। अदविका की यह सफलता जिले के अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए एक महान प्रेरणा है। अदविका शर्मा भुवनेश्वर में 1 से 6 दिसम्बर तक को होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेगी।

सनत सांगवान और आयुष डोसेजा शतक के करीब, दिल्ली का मजबूत स्कोर

हैदराबाद, 15 अक्टूबर। सनत सांगवान (नाबाद 91) और आयुष डोसेजा (नाबाद 97) तथा उनके बीच चौथे विकेट के लिए 143 रन की अविजित साझेदारी की बदौलत दिल्ली ने हैदराबाद के खिलाफ रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मैच के पहले दिन बुधवार को तीन विकेट पर 256 रन का मजबूत स्कोर बना लिया। सांगवान ने 257 गेंदों पर नाबाद 91 रन में 11 चौके लगाए हैं जबकि डोसेजा ने 141 गेंदों पर नाबाद 97 रन में 13 चौके और तीन छक्के लगाए हैं। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 143 रन की अविजित साझेदारी कर दिल्ली को तीन विकेट पर 113 रन की नाजुक स्थिति से उबारा है। कप्तान आयुष बदौनी ने 72 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से 53 रन बनाये।

नोमान के 10 विकेटों की बदौलत पाक ने 93 रनों से जीत दर्ज की

लाहौर, 15 अक्टूबर। पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में पहले मैच में 93 रनों की जीत के साथ 1-0 की बढ़त बना ली। शाहीन अफरीदी और नोमान अली ने दूसरी पारी में चार-चार विकेट लिए और नोमान अली ने मैच में 130 रनों पर कुल 10 विकेट लिए। नोमान अली को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

दक्षिण अफ्रीका को चौथे दिन की शुरुआत में आठ विकेट शेष रहते 226 रनों की आवश्यकता थी, लेकिन दिन की तीसरी ही गेंद पर उन्हें करारा झटका लगा जब पहली पारी के शतकवीर टोनी डी ज़ोरज़ी अफरीदी की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। नोमान, जिन्होंने रात में दो विकेट लिए थे, ने ट्रिस्टन स्टब्स को सस्ते में आउट कर दिया जिससे दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत लड़खड़ाने लगी। इसके बाद मोहम्मद रिजवान ने नोमान की गेंद पर रयान रिकल्टन को स्टंपिंग करने का एक मुश्किल मौका गंवा दिया।

इसके बावजूद, रिकल्टन एक छोर पर डटे रहे जबकि ब्रेविस ने 54 रन प्रति गेंद की पारी खेली। रिकल्टन ने एक शानदार चौके के साथ शुरुआत की जो पहली स्लिप से थोड़ा बचकर निकल गया और फिर नोमान की गेंदों पर 15 रन बनाकर यह साबित कर दिया कि आक्रमण ही रक्षापंक्ति का सर्वश्रेष्ठ रूप है। ब्रेविस ने हसन अली की गेंद पर चौका लगाकर सकारात्मक क्रिकेट खेलना जारी रखा और मेहमान टीम ने 100 रन पूरे किए। उन्होंने नोमान के खिलाफ अपने मौके भुनाए और मिड-विकेट पर स्लॉग स्वीप से एक और छक्का जड़ा जिससे उनका स्कोर 50 रन पर पहुंच गया। इसके बाद रिवर्स स्वीप ने ब्रेविस का आत्मविश्वास बढ़ाया।

इसके बाद नोमान की एक जादुई गेंद ब्रेविस के पास पहुंची और फिर तेज़ी से घूमकर ऑफ-स्टंप के ऊपरी हिस्से को पकड़ लिया। इस गेंदबाज ने मैच में अपने 10 विकेट भी पूरे किए। इस तरह दाएं-बाएं हाथ की जोड़ी के बीच 73 रनों की खतरनाक साझेदारी का अंत हो गया। दूसरे छोर से साजिद खान के आने से मेजबान टीम को लगभग तुरंत ही फायदा मिल गया क्योंकि रिकेल्टन की चुनौती का अंत हो गया क्योंकि उन्होंने स्लिप में एक गेंद को कैच कर लिया।

साजिद ने सेनुरन मुथुसामी की गेंद पर अपना दूसरा विकेट लिया, जिन्होंने रिव्यू भी ले लिया। अफरीदी ने काइल वेरेन को स्टंप के सामने से नीचे आती हुई एक गेंद पर आउट किया, जिस पर बल्लेबाज कुछ नहीं कर सका। इसके बाद उन्होंने प्रेनालन सुब्रायन और कागिसो रबाडा के बाकी बचे दो विकेट भी झटक लिए और पाकिस्तान ने 93 रनों से जीत हासिल की।

संक्षिप्त स्कोर: पाकिस्तान 378 और 167 (बाबर आजम 42, अब्दुल्ला शफीक 41; सेनुरन मुथुसामी 5-57, साइमन हार्मर 4-51) ने दक्षिण अफ्रीका को 269 और 183 (डेवाल्ड ब्रेविस 54, रयान रिकेल्टन 45; शाहीन अफरीदी 4-33, नोमान अली 4-79) 93 रनों से हराया।

खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 24 नवंबर से 5 दिसंबर तक, 25 खेलों का होगा आयोजन

डॉ. नीरज के. पवन ने की तैयारियों की समीक्षा

जयपुर, 15 अक्टूबर। बुधवार को सवाई मान सिंह स्टेडियम में खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 के संबंध में शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार और अध्यक्ष, राजस्थान राज्य कीड़ा परिषद डॉ. नीरज के पवन ने आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। यह खेल प्रदेश के सभी संभाग में 24 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक होने प्रस्तावित है। उन्होंने साथ ही इस संबंध में संबंधित खेल अधिकारियों और प्रशिक्षकों से जिलों व संभागो में की जा रही तैयारियों की भी जानकारी भी ली।

डॉ. नीरज के पवन ने कहा कि इन खेलों के आयोजन से राजस्थान की प्रतिष्ठा जुडी हुई है। माननीय मुख्यमंत्री भी चाहते है कि देश भर से आने वाले 6571 खिलाडी यहा के आयोजन और मेहमाननवाजी की यादे लेकर जाये और ऐसा आयोजन हो जिसे लोग बरसो बरस याद रखें। साथ ही इन खेलों के दौरान संबंधित जिलों के अच्छे खिलाडियों को भी आयोजन से जोडे या फिर उस दौरान आमंत्रित भी करें। किसी भी वेन्यू पर कोई कमी नहीं होनी चाहिए। इन खेलों का दूरदर्षन पर सीधा प्रसारण भी होगा।

उन्होने बताया कि तीन चीजो का विषेष तौर से ध्यान रखा जाये, पहला जहां खिलाडी रूके हुए है, वह जगह पूर्णतया स्वच्छ हो खासकर शोचालय आदि।दूसरा जहां से वे जायेगें उन रास्तो में खास तौर से इन खेलों की झलक दिखाई दे और तीसरा खेल मैदान अच्छी तरह से तैयार हो और वहां कोई कमी नहीं रहें। सभी शोचालयों के साथ साथ स्टेडियम परिसर की डीप क्लीनिंग होगी। इसमें कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डॉ. नीरज के पवन ने सभी वेन्यू की एक-एक करके जानकारी हासिल की और यदि कोई कमी रह गई तो उन्हे संबंधित अधिकारीध्प्रशिक्षक को सही कराने के निर्देष दिए। सभी वेन्यू पर शिक्षा विभाग से सामजस्य कायम कर विधार्थियों को मैच देखने के लिए आमंत्रित करे। इन खेलों में भाग लेने वाले खिलाडियों को राजस्थान के सभी पर्यटन स्थलों पर घुमाने की व्यवस्था की जाये और वहा इनसे कोई चार्ज नहीं लिया जायेगा, ऐसी व्यवस्था पर्यटन विभाग द्वारा की गई है।

जयपुर में जहां 10 खेलों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबाल, फुटबाल, तैराकी, टेनिस, मलखंभ, शूटिंग, हॉकी और साईक्लिंग (प्रस्तावित) शामिल है। इसके अलावा अजमेर मे रग्बी, खो-खो (डेमो स्पोर्ट्स), भरतपुर में कुष्ती व मुक्केबाजी, बीकानेर में कबड्डी व भारोत्तोलन, जोधपुर में योगा व टेबिल-टेनिस, कोटा में तलवारबाली व वालीबॉल, उदयपुर में जूडो, बीच वॉलीबॉल, क्याकिंग, केनोईंग व रोईंग खेलों का आयोजन किया जायेगा।

रोनाल्डो ने गोल के मामले में बना दिया वर्ल्ड रिकॉर्ड, कुल 41 गोल हुए

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने 40 साल की उम्र में एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स में सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मंगलवार को हंगरी के खिलाफ खेले गए मैच में रोनाल्डो ने दो गोल दागकर अपने कुल गोल की संख्या 41 कर ली और ग्वाटेमाला के कार्लोस रुइज को पीछे छोड़ दिया। लिस्बन के जोस अल्वाडे स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में रोनाल्डो का व्यक्तिगत प्रदर्शन शानदार रहा, लेकिन पुर्तगाल इंजरी टाइम में गोल खाने के बाद हंगरी के खिलाफ मैच ड्रॉ कराने में सफल रहा। मैच के 8वें मिनट में हंगरी ने बढ़त बनाई। 22वें मिनट में रोनाल्डो ने अपना पहला गोल किया, जो उनके करियर का 974वां गोल था, जिससे पुर्तगाल ने 1-1 की बराबरी की। हाफ टाइम से ठीक पहले 45वें मिनट में उन्होंने दूसरा गोल दागकर पुर्तगाल को 2-1 से आगे कर दिया। ये उनके करियर का 948वां गोल था। हालांकि, हंगरी ने इंजरी टाइम में गोल करके मैच ड्रॉ करा दिया।

तन्वी, उन्नति, रक्षिता पदक की ओर बढ़ी, ज्ञान दत्तू, भव्या-विशाखा ने भी जीत दर्ज की

गुवाहाटी, 15 अक्टूबर। शीर्ष वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा, आठवीं वरीयता प्राप्त उन्नित हुड्डा और दसवीं वरीयता प्राप्त रक्षिता श्री रामराज ने बुधवार को यहां नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में जारी योनेक्स सनराइज बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2025 के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने से पहले कुछ तनावपूर्ण क्षणों को पार किया। तन्वी ने इंडोनेशिया की ओई विनार्टो को 15-12, 15-7 से हराया, उन्नित ने अमेरिका की एलिस वांग को 15-8, 15-5 से हराया और रक्षिता ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सिंगापुर की आलिया जकारिया को 11-15, 15-5, 15-8 से हराया।

हादसे में दो छात्रों की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। अबोहर के समीप गांव बल्लूआना में सड़क हादसे में दो छात्रों की मौत हो गई, जबकि एक छात्र घायल हो गया। जानकारी के अनुसार गांव रामगढ़ निवासी तीन छात्र करन पुत्र सुभाष, राकेश पुत्र देवनाथ और प्रेम पुत्र नेहपाल बल्लूआना स्थित सरकारी स्कूल में ग्यारहवीं कक्षा में पढ़ते थे। स्कूल से छुट्टी के बाद तीनों छात्र बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान गांव के मुख्य मार्ग पर सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि करन और राकेश की मौके पर ही मौत हो गई।

1.30 लाख रु. की रिश्वत लेते एएसआई और दलाल गिरफ्तार

पीड़ित से एफआर लगाने और उसे बरी करने के एवज में रिश्वत मांगी थी

अलवर, (निसं)। अलवर शहर कोतवाली में पीड़ित से एफआर लगाने और उसे बरी करने का लालच देकर एक लाख तीन हजार की रिश्वत लेते एसीबी ने एएसआई कन्हैया लाल और दलाल को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। अब यह मालूम करने का प्रयास किया जाएगा कि इस रिश्वत में किन-किन का कितना हिस्सा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को अलवर शहर में बड़ी कार्रवाई करते हुए कोतवाली थाने के एएसआई कन्हैयालाल और दलाल मजिलस को 1.30 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एएसआई ने एक मुकदमे में एफआर लगाने के एवज में यह राशि मांगी थी। एसीबी की टीम शाम करीब चार बजे थाने पहुंची और जैसे ही परिवादी ने दोनों को पैसे दिए, टीम ने तुरंत दबिश देकर दोनों को पकड़ लिया। गिरफ्तारी के दौरान एएसआई कन्हैयालाल ने भागने की कोशिश भी की, लेकिन एसीबी टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। इस कार्रवाई का नेतृत्व एसीबी के एएसपी महेंद्र मीणा ने किया। टीम ने रिश्वत की राशि बरामद कर ली है और दोनों आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

- गिरफ्तारी के दौरान एएसआई कन्हैयालाल ने भागने की कोशिश भी की थी
- टीम ने रिश्वत राशि बरामद कर मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की

45 हजार रुपये की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोटा की स्पेशल यूनिट टीम ने जिला कोटा के उप-तहसील खातौली के पटवारी को 45 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

एसीबी की महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की कोटा स्पेशल यूनिट को परिवादी ने शिकायत दी। परिवादी ने शिकायत में कहा कि परिवादी व उसके परिजनों के नाम दर्ज कृषि भूमि ग्राम बगावदा पटवार हल्का कैथुदा की पैमाईश करवाने के लिये प्रार्थना पत्र परिवादी ने उप तहसील कार्यालय खातौली में दिया था, जिस पर प्रार्थना पत्र को पटवारी प्रधान चौधरी ने कई दिनों तक पैण्डिग रखा। हल्का पटवारी कैथुदा ने परिवादी की भूमि की पैमाईश करने के लिये 50 हजार की रिश्वत की मांग की।

एसीबी की महानिदेशक ने बताया कि शिकायत मिलने पर पुलिस निरीक्षक पृथ्वीराज मीणा द्वारा शिकायत का सत्यापन कराया। एसीबी स्पेशल यूनिट के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकुल शर्मा ने बताया कि सत्यापन कराने के बाद एसीबी की टीम खातौली पहुंची और ट्रेप कार्रवाई के लिये जाल बिछाया गया और कार्रवाई में प्रधान चौधरी पटवारी पटवारी हल्का कैथूदा, उप तहसील खातौली को 45 हजार की रिश्वत लेते हुए डिटेन कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

जैसलमेर निजी स्लीपर बस अग्निकांड हादसा

एसी कंप्रेशर फटने से विस्फोट होने की संभावना : चिकित्सा मंत्री

- उद्योग राज्य मंत्री केके विश्नोई और जिले के प्रभारी मंत्री मदन दिलावर घायल यात्रियों से मिलने महात्मा गांधी अस्पताल अस्पताल पहुंचे

जोधपुर, (कासं)। जैसलमेर में हुए निजी स्लीपर बस अग्निकांड हादसे में मृतकों का आंकड़ा बढ़ गया है। चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि संभवतः बस के कंप्रेसर के विस्फोट से इतनी भयानक आग लगी है। उन्होंने कहा कि बस में निकास एक ही था। कुछ लोग कांच तोड़ कर भी बाहर आए थे। सेना की मदद से जो बाहर निकाले गए, उन्हें अस्पताल भिजवा दिया गया है। इसके अलावा भी कुछ लोगों के लापता होने की खबर है। ऐसे में शवों का डीएनए टेस्ट करवा रहे हैं। घटना में अब तक 21 लोगों की मौत हो गई है। इनमें से 19 लोगों की मौत मौके पर ही हो गई थी, जबकि दो लोगों की मौत जोधपुर में इलाज के दौरान हुई है।

चिकित्सा मंत्री ने बताया कि प्रथम दृष्या ऐसा लग रहा है कि एसी का कंप्रेशर फटने से विस्फोट हुआ है। बस में आगे के हिस्से में जो लोग थे वह निकल गए थे। एक ही निकास होने से पीछे के लोग अंदर ही फंस गए थे। कंप्रेशर फटने की पूरी जांच एफएसएल से होगी। उन्होंने कहा कि हर परिवार की सहायता सरकार करेगी, सभी को मुआवजा दिया जाएगा।

उद्योग राज्य मंत्री केके विश्नोई बुधवार को महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचे और घायलों एवं उनके परिवारजनों से मुलाकात की। साथ ही चिकित्सकों से उनके उपचार के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कल रात ही सभी बसों की जांच करने के निर्देश दिए हैं। अस्पताल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंत्री विश्नोई ने कहा कि यह बहुत दुखद घटना है। इसने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने कहा कि अब हम सभी प्रयास कर रहे हैं कि जो भी घायल अस्पताल में उपचार ले रहे हैं, उन्हें समुचित इलाज मिले। इस हादसे के बाद परिवहन विभाग ने एक विशेष अभियान भी चलाया है और नई गाइडलाइन भी जारी की गई है। उन्होंने बताया कि एसी बसों में प्रत्येक सीट पर कांच के पास एक हैमर की व्यवस्था की जाएगी, ताकि आपातकालीन स्थिति में यात्री कांच तोड़कर बाहर निकल सके। गाइडलाइन का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग विशेष अभियान चलाएगा।

जिले के प्रभारी मंत्री मदन दिलावर बुधवार को जैसलमेर बस दुखांतिका में घायल हुए यात्रियों से मिलने महात्मा गांधी अस्पताल के बर्न यूनिट पहुंचे। बर्न यूनिट में भर्ती घायलों की कुशलक्षेम पूछते हुए उन्होंने उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। परिजनों से बातचीत के दौरान दिलावर ने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह समय पूरे प्रदेश को एक सूत्र में बांधने का है। राज्य सरकार इस दुःख की घड़ी में प्रत्येक प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार का हर विभाग राहत और सहयोग के कार्यों में सक्रिय है तथा पीड़ितों को हरसंभव सहायता दी जा रही है। उन्होंने दिवंगतों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से शोकाकुल परिवारों को यह असहनीय दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। दिलावर ने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए कि सभी घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सीय उपचार और आवश्यक संसाधन तत्काल उपलब्ध कराए जाएं। इस अवसर पर उद्योग राज्यमंत्री के.के. विश्नोई, विधायक जैसलमेर छोटी सिंह राठौड़, पूर्व जेडीए अध्यक्ष प्रो. महेन्द्र सिंह भाटी, जिला प्रभारी सचिव दिनेश कुमार, जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल, पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश, नगर निगम (उत्तर-दक्षिण) आयुक्त सिद्धार्थ पालनीचामी, सीईओ जिला परिषद आशीष कुमार मिश्रा, डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ. बीएस जोधा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सचिन पायलट की मौजूदगी में प्रमोद जैन भाया ने नामांकन दाखिल किया

एआईसीसी सहित प्रदेश व हाड़ौती के नेताओं ने अंता से प्रमोद जैन भाया को विजयी बनाने की अपील की

- नामांकन रैली में उमड़े जनसैलाब को एआईसीसी, प्रदेश स्तरीय एवं हाड़ौती संभाग के नेताओं ने सम्बोधित किया

अंता, (निसं)। अंता विधानसभा में विधायक पद के लिए सम्पन्न होने जा रहे विधानसभा उप चुनाव को लेकर बुधवार को कांग्रेस प्रत्यासी प्रमोद जैन भाया ने कांग्रेस नेता सचिन पायलट सहित अन्य दिग्गज नेताओं की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। कृषि उपज मण्डी अन्ता में आयोजित नामांकन रैली में हजारों की संख्या में उमड़े जनसैलाब को एआईसीसी, प्रदेश स्तरीय एवं हाड़ौती संभाग के नेताओं ने सम्बोधित किया।

नामांकन रैली के दौरान सचिन पायलट ने कहा कि आज नामांकन सभा है। कांग्रेस पार्टी के तमाम नेता मिलकर आज अपनी पार्टी के लिए अपने उम्मीदवार के लिए राहुल गांधी के लिए और कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए आप सबसे आपका आशीर्वाद मांगने के लिए आये हैं। इस विधानसभा क्षेत्र में जिस विधायक को आपने चुना था आज वो विधायक नहीं है हमारे कहने से विधायक नहीं है, ऐसी बात नहीं है, इस देश की न्यायपालिका ने हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्णय दिया कि उस व्यक्ति को पद से हटाया जाए इसलिए आप लोगों को दुबारा मौका मिला है अपना विधायक चुनने का। मैं इस मंच से दावे के साथ कहता हूं कि पिछले दो साल से इस प्रदेश में जो सरकार बनी है वो सिर्फ और सिर्फ झूठे वायदे और आश्वाशन देने के बाद बनी है। कांग्रेस सरकार ने बहुत बेहतर काम किया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा ने बताया कि प्रमोद जैन भाया की नामांकन आमसभा में महासचिव एआईसीसी व प्रदेश प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश अध्यक्ष गोविन्दसिंह डोटासरा, महासचिव एआईसीसी एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, महासचिव एआईसीसी भंवर जितेन्द्र सिंह, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, सचिव एआईसीसी धीरज गुर्जर, सांसद दौसा मुरारीलाल मीणा, लोकसभा कोटा प्रत्याशी प्रहलाद गुंजल, बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा, विधायक हिण्डोली अशोक चांदना, विधायक केशोरायपाटन सी.एल. प्रेमी, विधायक पीपल्दा चेतन पटेल, विधायक सुसनेर भैंरूसिंह परिहार, विधायक खानपुर सुरेश गुर्जर, विधायक अमीत चाचान, विधायक जाकिर हुसैन, अमीन पठान प्रदेश अध्यक्ष खेलकूद प्रकोष्ठ, पूर्व विधायक शिवनारायण नागर, पूर्व विधायक पानाचन्द मेघवाल, करणसिंह राठौड़, निर्मला सहरिया, पूर्व विधायक स्नेहलता आर्य, पूनम गोयल, सचिव पीसीसी हंसराज मीणा उदपुरिया, सदस्य पीसीसी चन्द्र प्रकाश मीणा, हंसराज मीणा बामली, मोहम्मद अयूब भाई बालदड़ा, कैलाश शर्मा, डीसीसी अध्यक्ष कोटा शहर रविन्द्र त्यागी, डीसीसी अध्यक्ष झालावाड़ विरेन्द्र सिंह गुर्जर, सहित आदि ने भाग लिया। सभी कांग्रेस नेताओं ने आगामी 11 नवम्बर को अंता विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं से कांग्रेस पार्टी प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया को विजयी बनाने की अपील की।

दो करोड़ की रंगदारी मांगने के मामले में एक गिरफ्तार

- प्रोपर्टी डीलर की रैकी के बाद गोल्डी बराड़ ने दो करोड़ की रंगदारी के लिये धमकी दी थी

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीगंगानगर में सात माह पहले वृंदावन विहार निवासी प्रोपर्टी डीलर को दो करोड़ रुपए की रंगदारी के लिए धमकाने के मामले में पुलिस ने गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के एक खास गुर्गे को गिरफ्तार किया है। जांच अधिकारी व जवाहरनगर थाने के एसआई रोहिताश पूनियां ने बताया कि रावला क्षेत्र चक 4 केएलएम निवासी कार्तिक जाखड़ को अदालत के प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया।

वृंदावन विहार निवासी राकेश कुमार गोयल ने थाने में गत 23 मार्च को मामला दर्ज कराया था कि उसके बेटे अधिवक्ता मोहित गोयल को भी सोशल मीडिया पर गैंगस्टर ने 22 मार्च को कॉल करके दो करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी। रकम नहीं देने पर परिवार को खत्म करने की धमकी दी। जांच में खुलासा हुआ कि गोल्डी बराड़ गैंग के लिए गैंगस्टर कार्तिक जाखड़ की अहम भूमिका है। आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उसने के स्वीकारा कि उसने गोयल के घर बाहर रैकी की और उसकी वीडियो व मोबाइल नम्बर गैंगस्टर गोल्डी बराड़ को उपलब्ध कराए थे। बराड़ ने गोयल को रंगदारी की रकम के लिए धमकी दी।

जाखड़ पिछले दिनों दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम की गिरफ्त में आया था। आरोपी ने 27 मई की रात को प्रोपर्टी डीलर राजू कथूरिया के घर पर फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया था। कथूरिया से भी दो करोड़ की रंगदारी मांगी गई थी। जिले के रावला थाने के हिस्ट्रीशीटर जाखड़ के खिलाफ सदर, राजियासर व घड़साना के अलावा बीकानेर सदर थानों में फिरौती मांगने व फायरिंग आदि मामले दर्ज हैं। जाखड़ ने सुखाड़िया मार्ग और रीको में निजी अस्पताल पर फायरिंग की वारदात की थी। उसने यह वारदातें गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के इशारे पर कराई थी।

नगर निगम जोधपुर-दक्षिण

क्रमांक:- एफ.10/2025-26/5286 दिनांक:- 11.10.2025

:: अल्पकालीन ई-निविदा सूचना ::

(UBN NO. DLB2526WSOB21467)

नगर निगम जोधपुर-दक्षिण की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjs पर देखी जा सकती है।

महापौर, नगर निगम जोधपुर-दक्षिण — आयुक्त, नगर निगम जोधपुर-दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/12213

कार्यालय नगर परिषद खैरथल (खैरथल-तिजारा) राज0

क्रमांक : 3615-18 दिनांक : 10.10.2025

ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 15/2025-26

नगर परिषद खैरथल द्वारा नवीन परीसीमन पश्चात् सम्मिलित राजस्व ग्रामों के साथ सम्पूर्ण परिषद क्षेत्र में एलईडी स्ट्रीट लाईट स्थापित करवाये जाने हेतु ऑनलाईन निविदा http://eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से आमन्त्रित की जाती है। निविदा सूचना राजस्थान लोक उपागम पोर्टल की वेबसाईट http://sppp.raj.nic.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर निम्नानुसार विवरण के द्वारा देखी जा सकती है-

NIB CODE : DLB2526A7050

Work No.	Estimated Cost (Rs.)	UBN No. on SPPP PORTAL	Tender ID on Eproc Portal
1	4974140.00	DLB2526WSOB21299	2025_DLB_506529_1

राज.संवाद/सी/25/12207 — आयुक्त, नगर परिषद खैरथल

कार्यालय नगर परिषद बून्दी

क्रमांक:- 7226 दिनांक:- 11.10.2025

-:: निविदा सूचना ::-

नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा सं0 लाईट/2025-26/7171 दिनांक 08/10/2025 की निविदा दिनांक 11/10/2025 से दिनांक 24/10/2025 18.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जावेगी। निविदा दिनांक 27/10/2025 को 15.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा निविदा दिनांक 27/10/2025 को 16.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। विस्तृत शर्ते व विवरण निविदा sppp.rajasthan.gov.in/eproc.rajasthan.gov.in पर DLB2526GSOB21306 तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।

आयुक्त, नगर परिषद, बून्दी

राज.संवाद/सी/25/12199

कार्यालय नगर पालिका सूरौठ जिला करौली (राज.)

क्रमांक:- 244 दिनांक:- 08.10.2025

ई-निविदा सूचना वर्ष 2025-26

नगर पालिका सूरौठ की ओर सफाई कार्य के लिए समस्त वार्डो में सफाई व्यवस्था एवं शौचालयों व मूत्रालयों की सफाई कार्यो हेतु सफाई श्रमिक के लिए आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 (31 मार्च 2026) नगर परिषद/नगर निगमों/नगर विकास निकायों/जयपुर विकास प्राधिकरण, आवासन मण्डल व केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त पंजीकृत संवेदकों, प्लेसमेंट एजेन्सी एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान के एए, ए, बी श्रेणियों के संवेदकों/फर्मो के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ई-निविदा प्राप्त की जावेगी। ई-निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण बेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in तथा eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN NO. DLB2526SLOB21640

अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका सूरौठ

राज.संवाद/सी/25/12237

कार्यालय नगरपालिका मसूदा जिला ब्यावर राज0

गांधी चौक मसूदा

ई-मेल :- nagarpalikamasuda@gmail.com

क्रमांक/न.पा.म./सामान्य/2025/1158-1159 दिनांक : 13.10.2025

विज्ञप्ति सूचना

नगरपालिका मसूदा द्वारा निविदा सूचना संख्या 01/25-26 क्रमांक 664 दिनांक 04.08.2025 की विज्ञप्ति सूचना जारी कर दिनांक 05.08.2025 से 19.08.2025 को संवेदको से जरीये जेम पोर्टल पर निविदा आमन्त्रित की गई, जिसका प्रकाशन हेतु प्रकाशन हेतु पालिका पत्रांक 699-701 दिनांक 05.08.2025 द्वारा जारी की गई थी, जिसका प्रकाशन समाचार पत्र में नहीं हुआ है, जिसके सम्बन्ध में पुनः निविदा सूचना का प्रकाशन किया जाना है।

NIB Code :- DLB2526A4337

UBN : (DLB2526GLOB13692), (DLB2526GLOB13693), (DLB2526GLOB13694), (DLB2526GLOB13695), (DLB2526GLOB13691)

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका मसूदा

राज.संवाद/सी/25/12226

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड चूरू

क्रमांक :- 3788-3798 दिनांक :- 08/10/2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्याः 40/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तहसील व जिला चूरु में निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई- टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। आर.पी डब्लयू.ए 100 की शर्त लागू होगी। निविदा से संबंधित विवरण बेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tendrs.asp एंव विभागीय वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in http://www.pwd.rajajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB No. - PWD2526A3754

UBN No. 1. PWD2526WSOB14107, 2. PWD2526WSOB14108, 3. PWD2526WSOB14109 4. PWD2526WSOB14110, 5. PWD2526WSOB14111, 6. PWD2526WSOB14112 7. PWD2526WSOB14113, 8. PWD2526WSOB14114, 9. PWD2526WSOB14115 10. PWD2526WSOB14116, 11. PWD2526WSOB14117

अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड चूरू

DIPR/C/15129/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड जालोर

क्रमांकः अअ/जा/2025-26/1247 दिनांकः 8/10/2025

निविदा सूचना संख्या : 16 वर्ष 2025-26

NIB No. PWD2526A3747

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो. से निर्धारित प्रपत्र में कुल 1 कार्य जिनकी लागत राशि रू. 14.98 लाख है, अतः उक्तकार्यों के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	10 अक्टूबर 2025 प्रातः 10.00 बजे से 17 अक्टूबर 2025, सायं 6:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

NIB No. PWD2526A3747

यूबीएन नं.- 1. PWD2526WSOB14080

(शंकरलाल)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड, जालोर
मोबाईल 9983975907

DIPR/C/15117/2025

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)

फोन न.07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com website - WWW.npkarauli.in

क्रमांक : 3062 दिनांक : 08.10.2025

ई - निविदा सूचना

सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद करौली परिषद क्षेत्र निम्न कार्य कराना चाहती है। जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-टैण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्ते www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कार्य का नाम	नगरपरिषद क्षेत्र करौली के सिटी पार्क में वेस्ट टू वैल्थ पार्क स्थापित करने का कार्य
निविदा की अनुमानित लागत	27.87 लाख
धरोहर राशि	अनुमानित लागत की 2 प्रतिशत
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने /डाउनलोड की तारीख	11.10.2025 समय 2:00 पीएम से 27.10.2025 समय 6:00 पीएम तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की अन्तिम तिथि	27.10.2025 समय 6:00 पीएम तक
ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल प्राप्त निविदा खोलने की तिथि	29.10.2025 समय 1:30 पीएम
निविदा शुल्क	1000/- रूपयें
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	500/-रूपये
निविदा प्रपत्र व शर्ते डाउनलोडिंग बेबसाईट	eproc.rajasthan.gov.in
कार्य की समयावधि	04 माह
UBN.-	DLB2526WSRC21279

राज.संवाद/सी/25/12190 — सभापति — आयुक्त

Office Of The Municipal Board Malpura District Tonk (Raj.)

Sr.No. NPM/2025-26/2279 Date :- 09-10-2025

Notice Inviting Bid

Nagar Palika Malpura Bids For 24/2025 Nib No DLB2526A7059 of subject matters of procurement are invited from interested bidders Last Submission End Date 27.10.2025 Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal www.eproc.rajasthan.gov.in & www.sppp.rajasthan.gov.in.

Executive Officer, Municipal Board Malpura

Raj.Samwad/C/25/12259

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

बाड़मेर -344001, दूरभाष :- 02982-220674, संभागीय मुख्य अभियन्ता (बाड़मेर-संभाग)

अल्कालिक ई-निविदा सूचना

अन्य विवरण जैसे निविदा मूल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने/खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं www.eproc.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती है। निविदाकर्ताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है कि ऑन लाईन पर निविदा डालने से पहले निविदा दस्तावेजों का सावधानी पूर्वक अध्ययन कर ले। सुचारू भविष्य में इन निविदाओं से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन तिथि बढने की जानकारी आदि केवल वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in, energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl पर उपलब्ध करायी जायेगी।

TN	Works	UBN No.
TN-33	('ए) भणियाणा के लिए 33/11 केवी सब स्टेशन का निर्माण, (बी) नवनिर्मित 33/11 केवी जीएसएस महादेव नगर के लिए 9.90 किमी सिंगल सर्किट 33 केवी लाइन का निर्माण (सी) बाड़मेर वृत्त के अंतर्गत सब डिवीजन भणियाणा में महादेव नगर जीएसएस के इंटरकनेक्शन के लिए 4.40 किमी 11 केवी लाइन का निर्माण श्रम दर के आधार पर -2025	JVV2526 WSOE00633

राज.संवाद/सी/25/12174 — संभागीय मुख्य अभियन्ता (बाड़मेर-संभाग)

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

The Rajasthan Small Industries Corporation Ltd.

(A Government of Rajasthan Undertaking) Udyog Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur-302 005 Phone: 0141-2227079, Fax: 0141-2227257

Website: http://industries.rajasthan.gov.in/rajsico

E-mail: rajsico@rajasthan.gov.in CIN- U91110RJ1961SGC001118

ई-निविदा सूचना 28 - 29/2025-26

राजस्थली दिल्ली, राजस्थली कोलकाता में 24 माह के लिए गुणवत्ता बिक्री लक्ष्य काउण्टर क्वालिटी सेल्स टारगेट काउण्टर)के आधार पर निम्न राजस्थानी हस्तशिल्प उत्पादों की बिक्री हेतु इच्छुक निविदादाताओं से ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है:-

राजस्थली दिल्ली - • राजस्थानी मूल्यवान व अर्द्धमूल्यवान रत्न व रत्न जड़ित आभूषण •राजस्थानी लाख की चूडियों व हस्त निर्मित लाख उत्पाद • राजस्थानी रजाईयॉ • राजस्थानी सभी प्रंकार की साडियां • राजस्थानी मोजडी एंव चमडे के हस्तनिर्मित उत्पाद • पैक्ड फूड-राजस्थानी,खाने के आईटम्स्स जैसे पापड, भुजिया, अचार, ड्राई वैजीटेबल, एवं मेंहदी •राजस्थानी फर्नीचर उत्पाद • राजस्थानी टैक्सटाइल कलैक्शन।

राजस्थली कोलकाता - • राजस्थानी ब्रास व मैटल आईटम्स • राजस्थानी प्लेन सिल्वर व सिल्वर मीनाकारी ज्वैलरी • राजस्थानी रजाईयॉ • राजस्थानी दरी व दरी उत्पाद • राजस्थानी हैण्डब्लोक प्रिन्टेड, टाई एण्ड डाई के सिले-सिलाऐ वस्त्र

प्री-बिड मीटिंग की तिथि 17.10.2025 को मध्यान्ह 12.00 बजे राजसिको के बोर्ड रूम में आयोजित की जावेगी। आवेदन की अन्तिम तिथि 03.11.2025 को 1.00 बजे व खोलने की तिथि 03.11.2025 को मध्यान्ह 3.00 बजे । पूर्ण जानकारी एवं निविदा के नियम एवं शर्तो हेतु वैब साइट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in एवं industries.rajasthan.gov.in/rajsico देखे।

UBN is : RSI2526SLOB00027

राज.संवाद/सी/25/12209 — प्रबन्ध निदेशक

कार्यालय नगरपरिषद, राजसमन्द

जिला परिषद रोड, राजनगर

टेलिफोन नं. 02952-220034, फेक्स नं. 02952-221233, ई-मेल rajsamandnagarpalika@gmail.com

क्रमांक : एफ( )नपरा/इंजी/ई निविदा/21/2025-26/6572 दिनांक :- 11.10.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 21/2025-26

नगर परिषद राजसमन्द द्वारा विकास कार्यो हेतु समस्त विभागों में पंजीकृत संवेदकों, कम्पनी, संगठनों/संस्थानों से ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन तकनीकी व वित्तिय निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड़ की जा सकती है।

निविदा कार्यक्रम	तिथि व समय
कार्य की संख्या	3
कार्यो की अनुमानित लागत	75.00 लाख
निविदा अपलोड की तिथि	10.10.2025 06:00 PM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	11.10.2025 09:00 PM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	20.10.2025 06:00 PM
भौतिक रूप से दस्तावेज जमा करने की तिथि	21.10.2025 01:00 PM
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	21.10.2025 04:00 PM
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in
दोष निवारण अवधी	नियमानुसार
UBN NO-	DLB2526WSOB21468, 21469, 21470

राज.संवाद/सी/25/12194 — सभापति — आयुक्त

जयपुर विकास प्राधिकरण

इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक : जविप्रा/व.उ.वि./2025-26/40 दिनांक: 13.10.2025

पूर्णकालीन बिड सूचना सं.-जविप्रा/व.उ.वि./2025-26/40

आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से प्राधिकरण के उद्यानिकी प्रवर्ग की उचित श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के सभी विभागों में 'अअ' व 'अ' श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं से ई-बिड (E-Procurement) निम्न विवरणानुसार आमन्त्रित की जाती है:-

S. N.	NIB No.	Name of Work	Tender Amount (In lakh)	Sale/Download Date and End Date	Open Date	Job No
1	40	Development and maintenance of JDA office parks for 1 year	20.13	14.10.25 / 24.10.25	28.10.25	253/2025-26

UBN No. JDA2526WSOB00448

नोट :-

1. बिड को बिना कारण बताये निरस्त किया जा सकता है।
2. बिड E-Procurement के जरिए प्राप्त की जायेगी। बोलीदाता द्वारा पंजीयन प्रमाण-पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
3. बिड से सम्बन्धित शर्ते वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in, http:/eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर अथवा वरिष्ठ उद्यानविज्ञ के कार्यालय (कमरा नं. NB SF-204) में देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/12176 — वरिष्ठ उद्यानविज्ञ

कार्यालय उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभ्यारण्य, धौलपुर

महिला पुलिस थाने के पास हाउसिंग बोर्ड, पुरानी छावनी, धौलपुर पिन कोड़ 328001, Email ID:-dcfwl.ncs.forest@gmail.com

क्रमांक-एफ ()/उवसं / वजीथौ / राचघअ/2025-26/ As per Reference No दिनांकः As per E-sign

निविदा सूचना

क्र. सं.	सूचना संख्या मय दिनाक	कार्य का नाम	निविदा (बोली) डाउनलोड एवं अपलोड़ करने की अन्तिम समय एवं दिनांक	अनुमानित लागत लाखो में	UBN No.	निविदा संख्या	प्रचार की रीत
1	Rajkaj Ref No.: IND18089219 Date 01.10.2025	providing Construction of Choki and installation of solar pump at Forest Block of Wildlife Range Chambal sevar District-Dholpur at DCF WL NCS District-Dholpur	11:00 AM, 17.10.2025	FOR2526 WSOB 02371	20.00	38/202 5-26	एक मुख्य क्षेत्रीय दैनिक समाचार पत्र और पचास हजार या इससे अधिक प्रतियों के परिचालन वाला एक राज्य स्तरीय मुख्य दैनिक समाचार पत्र।
2	Rajkaj Ref No.: IND18089311 Date 01.10.2025	for providing JCB/MACHINE Works at Forest Block Of Wildlife Range Saramthura of DCF WL NCS Dholpur	12:00 AM, 17.10.2025	FOR2526 WSOB 02374	40.00	41/202 5-26	
3	Rajkaj Ref No.: IND1889325 Date 01.10.2025	providing seed purchasing at DCF WL NCS District-Dholpur	10:00 AM, 17.10.2025	FOR2526 WSOB 02375	2.50	16/202 5-26	एक क्षेत्रीय दैनिक समाचार पत्र
4	Rajkaj Ref No.: 18089341 Date 01.10.2025	providing hiring bolero and rescue vehicle at DCF WL NCS District-Dholpur	10:00 AM, 17.10.2025	FOR2526 WSOB 02376	6.25	39/202 5-26	
5	Rajkaj Ref No.: 18089341 Date 01.10.2025	providing To provide Hydraulic Excavator (3D) JCB Machine with Driver and Fuel with Driver for departmental action at DCF WL NCS District-Dholpur	10:00 AM, 17.10.2025	FOR2526 WSOB 02377	4.75	40/202 5-26	
6	Rajkaj Ref No.: 180893931 Date 01.10.2025	providing construction construction of anicat type 2 at DCF WI. NCS District-Dholpur	10:00 AM, 17.10.2025	FOR2526 WSOB 02378	3.75	42/202 5-26	
7	Rajkaj Ref No.: 18089364 Date 01.10.2025	providing construction Animals permenent water point and water tank at DCF WL NCS District-Dholpur	10:00 AM, 17.10.2025	FOR2526 WSOB 02379	2.58	43/202 5-26	
8	Rajkaj Ref No.: 18089377 Date 01.10.2025	providing construction Animals permenent water point at DCF WL NCS District- Dholpur	10:00 AM, 17.10.2025	FOR2526 WSOB 02380	1.33	44/202 5-26	
9	Rajkaj Ref No.: 18089393 Date 01.10.2025	providing erridiction of continuouston and subsquent removal of invasive species (lantana camera, rosopis juliflora etc at DCF WI. NCS District-Dholpur	10:00 AM, 17.10.2025	FOR2526 WSOB 02381	4.99	45/202 5-26	

सूचना प्रकाशन व्यथ के बिल इस कार्यालय के नाम दो प्रतियों में भिजवाने की व्यवस्था करावें।

(डा आशीष व्यास)
उप वन संरक्षक (वन्यजीव)
राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभ्यारण्य, धौलपुर

DIPR/C/15326/2025

ग्रामीण परिवारों को अब तक एक लाख 48 हजार पट्टे वितरित

ड्रोन के माध्यम से 35 हजार 916 गांवों का सर्वेक्षण कार्य भी पूरा हुआ

जयपुर, 15 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महिला, युवा, मजदूर और किसानों के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसी क्रम में राज्य सरकार भूमि स्वामित्व के अधिकार को सुनिश्चित करते हुए स्वामित्व योजना के अन्तर्गत प्रदेश के ग्रामीणों को पट्टे वितरित कर रही है।

राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में राज्य के 2 लाख पात्र ग्रामीण परिवारों को नए स्वामित्व पट्टे वितरित करने की घोषणा की थी, जिसकी पालना में अब तक लगभग 1 लाख 48 हजार 492 पट्टे वितरित किए जा चुके हैं। राज्य सरकार सुनिश्चित कर रही है कि सभी पात्र परिवारों को जल्द ही स्वामित्व कार्ड प्रदान किए जाएं।

योजना के अन्तर्गत, ड्रोन सर्वेक्षण तकनीक के माध्यम से अब तक 35 हजार 916 गांवों में सर्वेक्षण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। वहीं, स्वामित्व कार्ड वितरण एवं सर्वेक्षण कार्यों की सतत् निगरानी मुख्यमंत्री द्वारा की जा रही है।

स्वामित्व योजना का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण संपत्तियों का सर्वेक्षण एवं डिजिटलीकरण तथा विवाद रहित संपत्ति स्वामित्व सुनिश्चित करने के साथ ही, संपत्ति को आर्थिक साधन के रूप में उपयोग में लाना तथा पारदर्शी प्रशासनिक प्रणाली स्थापित करना भी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा घोषित स्वामित्व योजना का मुख्य उद्देश्य संपत्तियों का सर्वेक्षण व डिजिटलीकरण तथा विवाद रहित संपत्ति स्वामित्व सुनिश्चित करना है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2021 में पूरे देश में शुरू की गई स्वामित्व योजना केन्द्रीय पंचायती राज मंत्रालय, राज्य राजस्व विभाग, राज्य पंचायती राज विभाग और भारतीय सर्वेक्षण विभाग के प्रयासों से व्यापक रूप से क्रियान्वित की जा रही है।

पाक व अफगानिस्तान में सीज़ फायर

काबुल/ इस्लामाबाद, 15 अक्टूबर। एकदूसरे के खून के प्यासे बने पाकिस्तान और अफगान तालिबान 48 घंटे के संघर्षविराम पर राजी हो गए हैं। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के मुताबिक, ये संघर्षविराम बुधवार शाम 6 बजे से शुरू हो गया। इससे पहले, दोनों की लड़ाई सीमा पर सैन्य ठिकानों पर हमले से आगे बढ़ कर अंदरूनी इलाकों को निशाना बनाने तक पहुंच गई थी। पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान के कई रिहाइशी इलाकों पर हमले किए और काबुल व कंधार में एयरस्ट्राइक कर दी।

- पिछले हफ्ते से चल रही भारी गोलाबारी के बाद 48 घंटे की शांति रहने की संभावना है।

ये जंग पिछले हफ्ते उस समय तेज हो गई थी, जब पाकिस्तान ने काबुल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के कैंपों को निशाना बनाते हुए सीमा पार से हवाई हमले किए थे। पाकिस्तान अफगान तालिबान पर टीटीपी आतंकवादियों को शरण देने का आरोप लगा रहा है, जो 2021 से सैकड़ों पाकिस्तानी सैनिकों की हत्या के लिए जिम्मेदार हैं।

अंता उपचुनाव में जनता सरकार को आईना दिखायेगी- पायलट

पायलट ने टोंक में रनिंग ट्रैक पर सिंथेटिक फ्लोरिंग निर्माण का लोकार्पण किया

टोंक, 15 अक्टूबर (निसं)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट आज टोंक के दौरे पर रहे, जहां उन्होंने रनिंग ट्रैक पर सिंथेटिंक पी.यू. फ्लोरिंग निर्माण कार्य का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर मीडिया के साथियों से बात करते हुए पायलट ने कहा कि यह ध्यान देने वाली बात है कि अंता में उपचुनाव क्यों हो रहा है। माननीय उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय ने वहां के विधायक को इस काबिल नहीं समझा कि वे इस पर पद रह सकें और उनकी सदस्यता रद्द कर दी।

- उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर इस प्रकार का आधुनिक रनिंग ट्रैक बहुत कम जगह देखने को मिलता है।

उन्होंने कहा कि अंता उपचुनाव में जनता कांग्रेस प्रत्याशी को विजयी बनाकर सरकार को आईना दिखाने का काम करेगी।

लोकार्पण समारोह को सम्बोधित करते हुए, पायलट ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि हमने टोंक शहर और नौजवानों के लिए जो सपना देखा था, आज वो साकार हुआ है। क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को मल्टीपरपज इंडोर स्टेडियम और रनिंग ट्रैक की सौगात मिली है, जिसका लाभ उठाकर वे देश-विदेश में टोंक का नाम रोशन करेंगे।

उन्होंने कहा कि जिले एवं प्रदेश में अनेक जगह देखा गया है कि अनेक बच्चे एवं नौजवान नशे की लत में पड़ जाते है। नशे की लत ऐसी गंभीर समस्या है, जिसका हम सभी को मिलकर मुकाबला करना पड़ेगा। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने मल्टीपरपज इंडोर स्टेडियम, रनिंग ट्रैक का आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया है, ताकि नौजवान अपनी ऊर्जा का सदुपयोग कर सकें।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने बुधवार को टोंक में रनिंग ट्रैक पर सिंथेटिंक पी.यू. फ्लोरिंग निर्माण कार्य का लोकार्पण किया।

ब्रिक्स ट्रंप की अनिद्रा का ...

- ट्रंप जितनी धमकियां देते हैं उतना ही ब्रिक्स के घटक और अन्य देश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में डॉलर का एकाधिकार खत्म करना चाहते हैं।
- ट्रंप ने यह भी दंभपूर्वक कहा कि जैसे ही उन्होंने टैरिफ लगाने की धमकियां दीं ब्रिक्स की सदस्यता घटने लगी।
- उनका यह कथन पूर्णतया असत्य और काल्पनिक है। ब्रिक्स की सदस्य संख्या तो और बढ़ी है, तथा कई नए उभरते देशों ने सदस्यता लेने की इच्छा जाहिर की है।
- ब्रिक्स की सफलता से आशंकित ट्रंप व अमेरिका दोनों असुरक्षा की भावना से ग्रस्त हो रहे हैं, और यही ट्रंप की अनिद्रा का कारण है।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आत्मविश्वासी महाशक्ति को दुनिया को बार-बार अपनी ताकत याद दिलाने की ज़रूरत नहीं होती। लेकिन ट्रंप द्वारा टैरिफ की धमकियों को बार-बार दोहराना नीति कम और प्रभाव में कमी से चिंतित एक नेता की चेतावनी ज्यादा लगती है। ट्रंप ने बार-बार कहा है कि, "मैंने ब्रिक्स में शामिल होने की इच्छा रखने वाले हर देश से कहा है कि, कोई बात नहीं, लेकिन हम आपके देश पर टैरिफ लगाएंगे।"

उनके बयान ऐसे समय आए हैं, जब ब्रिक्स देशों ने भी अंधाधुंध बढ़ते टैरिफ़ और व्यापार को हथियार बनाने की अमेरिकी नीति पर नाराज़गी जताई है। एक तरह से ट्रंप की यह झल्लाहट ब्रिक्स के आरोपों को ही सही ठहराती है।

ब्रिक्स की सदस्यता को अमेरिका के प्रति शत्रुता से जोड़कर, वे पश्चिम की आर्थिक दादागिरी के उसी आख्यान को पुष्ट करते हैं, जिसका ब्रिक्स विरोध करना चाहता है। विडंबना साफ है: धमकियों के जरिए ब्रिक्स को कमजोर करने की कोशिश में ट्रंप इसके अस्तित्व के औचित्य को मजबूत कर रहे हैं।

अमेरिका के भीतर घरेलू दशकों के लिए यह बयानबाज़ी ट्रंप की राजनीतिक छवि को मज़बूत करती है, एक ऐसे नेता के रुप में, जो अमेरिकी नौकरियों, डॉलर और राष्ट्रीय गर्व की रक्षा करता है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह उनकी गहरी असुरक्षा को दिखाती है, कि अब एकध्रुवीय (यूनीपोलर) आर्थिक व्यवस्था ढह रही है। डॉलर की "वैश्विक बादशाहत" पर उनका बार-बार जोर देना बीते गौरव के प्रति एक तरह की लालसा जैसा लगता है।

ट्रंप का बार-बार यह दोहराना केवल बयानबाजी का अतिरेक नहीं है। यह बदलते वैश्विक आर्थिक समीकरणों को लेकर उनके भीतर की बेचैनी का संकेत है, जहाँ अब आर्थिक ताकत बंट रही है और डॉलर का एकछत्र शासन कमज़ोर हो रहा है। उनकी यह रक्षात्मक भाषा यह स्पष्ट करती है कि वे ब्रिक्स को केवल एक प्रतिस्पर्धी समूह नहीं, बल्कि उस नए वैश्विक संतुलन के प्रतीक के रूप में देखते हैं, जो उन्हें और शायद अमेरिका को बेहद असहज बनाता है।

जदयू ने भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पैदा कर दिया है। उनका मानना है कि उनकी वरिष्ठ पार्टनर भाजपा गठबंधन में उनकी भूमिका को कम करने की कोशिश कर रही है।

जेडीयू के सूत्रों ने यह भी संकेत दिया कि चुनाव परिणामों के बाद सभी विकल्प खुले रहेंगे। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, चुनाव बाद कोई भी फैसला बिहार के हित और पार्टी की दीर्घकालिक मजबूती को ध्यान में रखकर लिया जाएगा, जिससे यह संकेत मिलता है कि अगर भाजपा के साथ रिश्ते और बिगड़ते हैं तो नए गठबंधन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इस बीच, दिल्ली और पटना में एनडीए के शीर्ष नेता "वेट एण्ड वॉच" की नीति अपनाए हुए हैं, तथा उम्मीद कर रहे हैं कि चुनाव नतीजों तक स्थिति संभल जाएगी। लेकिन जेडीयू की यह ताज़ा चुनौती बताती है कि गठबंधन अब आपसी अविश्वास और नेतृत्व को लेकर अनिश्चितता के माहौल में बिहार चुनाव में उतर रहा है। यह उस गठबंधन के लिए असहज स्थिति है, जो लगभग दो दशकों से राज्य पर शासन कर रहा है।

वायु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने के लिए किया जाता है। यह प्रक्रिया विमानों, रॉकेटों या जमीनी मशीनों के माध्यम से की जा सकती है।

आईआईटी कानपुर द्वारा विकसित इस मिश्रण में सिल्वर आयोडाइड नैनोकण, आयोडीन युक्त नमक और चट्टानी नमक (रॉक सॉल्ट) शामिल हैं।

मृत्युदंड के लिए ज़हर के इंजेक्शन का विकल्प सरकार ने ठुकराया

- सुप्रीम कोर्ट ने नाराज़गी जताई और मौखिक टिप्पणी की सरकार बदलने को तैयार नहीं है।

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। देश के सर्वोच्च न्यायालय सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर मृत्युदंड की सजा के तरीके को बदलने की अपील की गई है, लेकिन केन्द्र सरकार इसे बदलने के लिए तैयार नहीं है। सुनवाई के दौरान यह सुझाव दिया गया कि दोषी को फांसी या जहर का इंजेक्शन में से किसी एक को चुनने का विकल्प दिया जा सकता है। हालांकि, केन्द्र ने हलफनामे दायर कर कहा कि ऐसा करना "व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है।" इस पर अदालत ने नाराजगी जताई और कहा कि केन्द्र समय के साथ विकसित होने को तैयार नहीं दिख रहा है।

केन्द्र की ओर से वरिष्ठ वकील सोनिया माथुर ने दलील दी कि यह मामला नीतिगत निर्णय से जुड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को इस याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने मौखिक रूप से कहा कि समस्या यह है कि सरकार बदलने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि यह बहुत पुरानी प्रक्रिया है, समय के साथ चीज़ें बदल गई हैं। इस याचिका में मांग की गई है कि फांसी की जगह मौत की सजा जहर का इंजेक्शन, शूटिंग, इलेक्ट्रोक्यूशन या गैस चैंबर से दी जा सकती है, इन तरीकों से सजायाफ्ता की मौत कुछ ही मिनटों में हो जाती है। यह जनहित याचिका वकील ऋषि मल्होत्रा ने दायर की है। इसमें फांसी को अत्यधिक पीड़ादायक, अमानवीय और क्रूर बताया गया है। याचिकाकर्ता ने आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 354(5) के तहत "फांसी देकर मृत्युदंड देने को असंवैधानिक" घोषित करने की मांग की है। साथ ही, यह भी कहा गया है कि सम्मानजनक मृत्यु का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत एक मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता प्राप्त होना चाहिए। याचिकाकर्ता के अनुसार, फांसी की प्रक्रिया में दोषी की मृत्यु घोषित करने में लगभग 40 मिनट लगते हैं, जबकि शूटिंग या जहर के इंजेक्शन के जरिए यह प्रक्रिया 5 मिनट में पूरी हो जाती है।

वांगचुक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देरी को हिरासत को चुनौती देने का आधार नहीं बनाया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने 6 अक्टूबर को केन्द्र सरकार, केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख और जोधपुर सेंट्रल जेल के पुलिस अधीक्षक से जवाब मांगा था, जब अदालत ने अंगमो की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई की थी, जिसमें वांगचुक की (एनएसए) के तहत की गई गिरफ्तारी को चुनौती दी गई थी और उनकी रिहाई की मांग की गई थी। केन्द्र तथा अन्य को नोटिस जारी करते हुए, दो न्यायाधीशों की पीठ ने संबंधित सरकारों से विस्तृत जवाब मांगे थे।

जयपुर सेशन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुलिस बल भी तैनात रहा। समय के अभाव का जिक्र कर पुलिस ने बार - बार लोगों से दूर रहने की अपील की पुलिस उपायुक्त ने बताया कि यह इमारत लगभग सात मंजिल की है, इसलिए पूरे परिसर की तलाशी में समय लगेगा। सुरक्षा के लिहाज से कोर्ट में मौजूद सभी लोगों को बार-बार परिसर से दूर रहने के लिए कहा गया। पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बारीकी से जांच करने में जुटी है। इसी के साथ साइबर टीम भी आए हुए मेल की आईपी एड्रेस तलाशने में जुटी है।

जैसलमेर बस अग्निकांड में मृतकों की संख्या 21 हुई

अभी चार मरीज वेंटिलेटर पर, मृत यात्रियों के परिजनों की डीएनए जांच की सैंपलिंग शुरु

- हादसे का शिकार हुए पत्रकार राजेन्द्र चौहान के भाई ने बस मालिक व ड्राइवर के खिलाफ जैसलमेर के सदर थाने में एफआईआर दर्ज कराई।

जोधपुर, 15अक्टूबर (कासं)। जैसलमेर में हुए निजी स्लीपर बस अग्निकांड हादसे में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 21 हो गया है। हादसे में झुलसे दस साल के यूनुस ने भी आज सुबह इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। महात्मा गांधी हॉस्पिटल के अनुसार, अब भी चार मरीज वेंटिलेटर पर हैं। इस बीच हादसे में मृत लोगों के परिजनों की डीएनए जांच के लिए महात्मा गांधी अस्पताल में सैंपलिंग शुरू हो गई है। अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर फतेह सिंह भाटी ने बताया कि 24 घंटे के बाद सभी की रिपोर्ट आ जाएगी। महात्मा गांधी अस्पताल में 10 शव लाए गए, एम्स की मोर्चरी में रखे गए। वहां भी सैंपलिंग हो रही है।

सैंपल कलेक्शन की प्रक्रिया को लेकर नाराजगी पर हॉस्पिटल अधीक्षक ने सफाई भी दी। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में वेरिफिकेशन में थोड़ा समय लगता है, जिससे कि कोई गलती न हो। उन्होंने बताया अधिकतम 24 घंटे में शवों की पहचान की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इससे पहले डीएनए की सैंपलिंग शुरू होने से पहले परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने कहा कि हमें प्रशासन और पुलिस ने फोन कर सुबह 6 बजे महात्मा गांधी अस्पताल बुलाया, लेकिन यहां घंटों इंतजार के बाद भी डॉक्टर नहीं आए। हादसे में जान गंवाने वाले एक मृतक के भाई ने कहा कि हम सुबह से परेशान हो रहे हैं।

महात्मा गांधी अस्पताल में हो रही डीएनए सैंपलिंग की व्यवस्था देखने के लिए जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल पहुंचे। उन्होंने बताया कि एक मामला ऐसा है, जिसमें मृतक की बूढ़ी मां फलोदी जिले में रहती है। वह यहां नहीं आ सकती। इसके लिए फलोदी जिला प्रशासन से संपर्क कर उनका सैंपल कलेक्ट करवाया जा रहा है। सभी घायलों के इलाज के लिए डॉक्टरों की स्पेशल टीम लगाई गई है। मंगलवार रात करीब 12 बजे से आज सुबह 5 बजे तक 19 शवों से कुल 21 बोन सैम्पल लिए गए और परिजनों के डीएनए सैम्पल लिए गए।

बुधवार सुबह तक करीब 10 परिजनों के सैम्पल लिए गए। जिन्हें जोधपुर लैब भेज दिया गया, ताकि डीएनए मैचिंग के बाद शव परिजनों को सौंपे जा सकें। अस्पताल अधीक्षक डॉ फतेहसिंह भाटी ने बताया कि यहां भर्ती मरीजों में आठ मरीजों की हालत बहुत गंभीर है, जिनको लेकर कुछ नहीं कहा जा सकता। वर्तमान में चार मरीज ऐसे हैं, जिनको हम जल्द छुट्टी देकर घर भेज सकते हैं।

हादसे के बाद, मंगलवार देर रात पहली एफआईआर दर्ज हुई है। हादसे के शिकार पत्रकार राजेन्द्र चौहान के भाई ने बस मालिक और ड्राइवर के खिलाफ जैसलमेर के सदर थाने में केस दर्ज कराया है। बता दें कि जैसलमेर जोधपुर हाईवे पर हुए भीषण बस हादसे में 19 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि जोधपुर में उपचार के दौरान 79 वर्षीय हुसैन पुत्र अब्दुल रहमान निवासी जवांध ने दम तोड़ दिया। वहीं, बुधवार सुबह 10 वर्षीय यूनुस की भी उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे में अब तक कुल 21 लोगों की मौत हो चुकी है। हादसे के बाद प्रशासन की ओर से डीएनए सैम्पलिंग की प्रक्रिया तेजी से चलाई जा रही है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908